दिल्ली पुलिस ने बंगाली भाषा को... 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

चुनौती पूर्ण है तुमसे तुम तक में... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 01, अंक - 123 | गाजियाबाद / मंगलवार 05 अगस्त 2025 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रुपए

गलत तरीके से राशन कार्ड बनाने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई करें : मुख्यमंत्री

देहरादून एजेंसी । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की ओर से सभी जिलाधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि प्रदेश में जिन लोगों ने गलत तरीके से राशन कार्ड, आधार कार्ड, वोटर कार्ड, आयुष्मान कार्ड और अन्य दस्तावेज प्राप्त किए हैं और ऐसे कार्ड बनाने में संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री के निदेशों के क्रम में जिलाधिकारियों की ओर से इस संबंध में कार्रवाई की जा रही है। अबतक जिलाधिकारी पौड़ी, बागेश्वर एवं देहरादून की ओर से निरस्त किए गए अपात्र राशन कार्डों का विवरण उपलब्ध कराया गया है, जिसमें जनपद पौड़ी में राशन कार्ड सत्यापन

के अंतर्गत 961 अपात्र कार्डधारकों के राशन कार्ड निरस्त किए गए हैं। जनपद बागेश्वर में 5307 और देहरादून में 3332 राशन कार्ड निरस्त किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में राशन कार्ड, आधार कार्ड, वोटर कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड आदि धारकों की सही पहचान करना जरूरी है ताकि पात्र व्यक्तियों को ही योजनाओं का लाभ अनुमन्य हो सके। इससे प्रदेश में योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में मदद मिलेगी और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जन सुविधायें प्राप्त करने वालों की पहचान हो सकेगी। मुख्यमंत्री के सभी जिलाधिकारियों की ओर से जनपद स्तर पर राशन कार्ड, आधार कार्ड, वोटर कार्ड और आयुष्मान कार्ड का सत्यापन अभियान सघनता से संचालित किया जा रहा है।

रूस के ऑयल डिपो पर यूक्रेन का ड्रोन अटैक

● विस्फोट का वीडियो बनाने वाली दो रशियन लड़कियों को हिरासत में लिया

मॉस्को (एजेंसी)। यूक्रेन ने रविवार को रूस के सोची स्थित एक ऑयल डिपो पर ड्रोन से हमला किया। हमले के बाद डिपो में भीषण आग लग गई।

क्रास्नोडार क्षेत्र के गवर्नर वेनियामिन कोंद्रात्येव ने बताया कि ड्रोन के मलबे के तेल टैंक से टकराने के बाद आग लगी, जिसे बुझाने के लिए 120 से ज्यादा दमकलकर्मी लगाए गए।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में डिपो से उठते काले धुएं के गुबार देखे जा सकते हैं। हमले के बाद रूस की नागरिक उड्डयन एजेंसी रोसावियात्सिया ने कुछ समय के लिए सोची एयरपोर्ट पर उड़ानें रोक दीं। इस दौरान 2 रशियन लड़कियां विस्फोट के साथ वीडियो बनाते हुए भी नजर आईं। दोनों के साथ बैकग्राउंड में एक युवक भी मौजूद था।

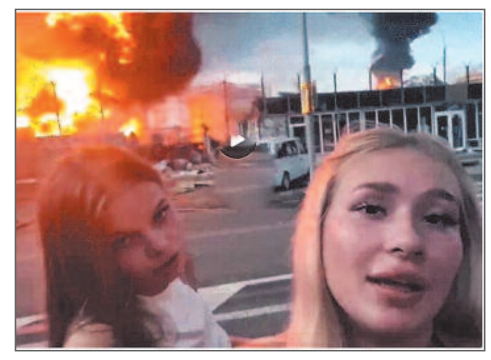

हिंदी भाषियों से नफरत नहीं करें

मराठी भाषा का मुद्दा जरूरी लेकिन बेवजह की हाथापाई से बचें : राज ठाकरे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में मराठी भाषा को लेकर विवाद के बीच महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना चीफ राज ठाकरे ने अपने सुर बदले हैं। उन्होंने आज कार्यकर्ताओं को नसीहत देते हुए कहा कि मराठी भाषा का मुद्दा जरूरी है लेकिन हिंदी भाषियों से नफरत नहीं करें और किसी के भी साथ बेवजह की हाथापाई से बचें।

ठाकरे ने कहा कि यदि कोई मराठी सीखना चाहता है तो उसकी मदद करें। उन्होंने कार्यकर्ताओं से मराठा को मुद्दा बनाने पर जोर दिया और इसे घर-घर पहुंचाने की बात कही। यह नसीहत ऐसे समय में आई है जब भाषा विवाद को लेकर एमएनएस कार्यकर्ताओं के खिलाफ लगातार नए मामले सामने आ रहे थे। ठाकरे ने कहा कि महानगरपालिका चुनाव की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए।

शिमला में 3 घरों पर लैंडस्लाइड

कोलडैम का पानी छोड़ने से पंजाब में भी अलर्ट, मनाली के सभी स्कूलों में छुट्टी

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में बीते 24 घंटे से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। शिमला जिले के रामपुर-कुशवा में सोमवार अलसुबह 3 बजे भारी बारिश से लैंडस्लाइड हुआ। इससे 3 घरों और 3 हजार से ज्यादा सेब के पौधों को नुकसान हुआ है।

जिन 3 घरों पर मलबा गिरा, उनमें चरणदास, सुरजीत और राजीव कुमार के परिवार रहते हैं। ये परिवार रात में ही मकान छोड़ जान बचाकर भागने को मजबूर हुए। बिलासपुर में सतलुज नदी पर बने कोल-डैम से दोपहर 1 बजे पानी छोड़ा गया। इससे सतलुज नदी में पानी का स्तर 4 से 5 मीटर बढ़ गया है।

सीएम योगी बोले- मालेगांव में जानबूझकर हिंदू नेताओं को फंसाया गया

सहारनपुर में कहा- कांग्रेस-सपा गरीबों के साथ नहीं

सहारनपुर (एजेंसी)। सीएम योगी सोमवार को सहारनपुर पहुंचे। यहां 381 करोड़ की 15 विकास योजनाओं का लोकार्पण किया। साथ ही विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाणपत्र भी बांटे। इससे पहले योगी के मंच पर पहुंचते ही जय श्रीराम के जयकारे लगे।

योगी ने कहा- महाकुंभ की सफलता से विपक्ष परेशान है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के लोगों को परेशानी हो रही थी कि सनातन धर्म का गौरव इतना ऊंचा कैसे हो रहा? इन लोगों की संवेदना एक गरीब, एक नौजवान के साथ नहीं होती। इनको भारत की विरासत पर गौरव की अनुभूति नहीं होती। भारत और भारतीयता आगे बढ़ती है, तो इन्हें परेशानी होती है।

1 लाख भक्तों ने महाकाल के दर्शन किए

● निकली शाही सवारी; काशी-देवघर में 5 किमी लंबी लाइनें लगी थीं

उज्जैन/काशी (एजेंसी)। सावन महीने के आखिरी सोमवार पर मध्य प्रदेश के उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर में सुबह 7 बजे तक 35 हजार भक्तों ने दर्शन किए थे। सुबह 11 बजे तक ये आंकड़ा 1 लाख पार हो चुका है। अभी भी भक्तों का आना जारी है। शाम को बाबा महाकाल का शाही सवारी निकली। वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर के बाहर भक्तों की 5 किमी लंबी लाइन लगी थी। मंगला आरती में बाबा का विशेष श्रृंगार किया गया था। बाबा को स्वर्ण मुकुट पहनाया गया था। यहां भक्तों के लिए मंदिर प्रशासन ने रेड कारपेट बिछाया गया था। पुष्प वर्षा की गई।

वाराणसी में बाबा विश्वनाथ का हुआ रूद्राक्ष श्रृंगार

वाराणसी में बाबा विश्वनाथ धाम को रुद्राक्ष से सजाया गया था। मंदिर के गेट से लेकर अंदर तक बाबा के दरबार को भव्य रूप से सजाया गया था। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में सावन माह के चौथे और अंतिम सोमवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े थे।

काशी में भक्तों का जनसमूह उमड़ा, संभल में बुलडोजर से फूल बरसाए

सावन का आखिरी सोमवार था। काशी विश्वनाथ के दर्शन करने के लिए अभी भी लाइन लगी हुई थी। इस बीच, मंगला आरती में बाबा का विशेष श्रृंगार किया गया था। सोने का मुकुट पहनाया गया था। भक्तों के लिए मंदिर प्रशासन ने रेड कारपेट बिछाया गया था। पुष्प वर्षा भी की गई थी। बाबा विश्वनाथ को जल चढ़ाने के लिए रात तक 5 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना थी। इधर, अयोध्या में सुबह से बारिश हो रही है। इसके बावजूद हनुमानगढ़ी में भक्तों की लाइन लगी रही। सुबह से हजारों भक्त दर्शन कर चुके थे।

झारखंड के पूर्व सीएम शिबू सोरेन का निधन

गंगाराम अस्पताल में राष्ट्रपति-पीएम ने दी श्रद्धांजलि

नईदिल्ली (एजेंसी)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर दिल्ली से रांची लाया जा रहा है। आज मंगलवार को उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। इसमें कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष खड़गे और राहुल गांधी शामिल होंगे।

राष्ट्रपति और पीएम मोदी ने गंगाराम अस्पताल पहुंचकर शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे, मीसा भारती, मनोज झा और आरजेडी के कई नेताओं ने भी अस्पताल में परिवार से मुलाकात की। दिशोम गुरुजी के नाम से प्रसिद्ध सोरेन ने सोमवार सुबह दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में अंतिम सांस ली। वे 81 साल के थे।

झारखंड में 3 दिन का राजकीय शोक- शिबू सोरेन के निधन पर झारखंड सरकार ने 3 दिन के राजकीय शोक का ऐलान किया है।

आज मैं शून्य हो गया...गुरु जी चले गए, शिबू सोरेन के निधन पर हेमंत की पोस्ट- पिता के निधन के बाद झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक्स पर ये भावुक पोस्ट लिखी। आज मैं शून्य हो गया हूं...गुरु जी छोड़कर चले गए।

सुप्रीम कोर्ट का राहुल से सवाल

कैसे पता चीन ने जमीन हड़पी

पुख्ता जानकारी क्या है, सच्चे भारतीय होते तो ऐसा नहीं कहते

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को भारतीय सेना पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को फटकार लगाई।

कोर्ट ने पूछा- आपको कैसे पता चला कि चीन ने भारत की 2000 वर्ग किमी जमीन पर कब्जा कर लिया है, विश्वसनीय जानकारी क्या है, अगर आप सच्चे भारतीय होते, तो ऐसा नहीं कहते।

कोर्ट ने कहा-जब सीमा पार संघर्ष चल रहा हो, तो क्या आप ये सब कह सकते हैं। आप संसद में सवाल क्यों नहीं पूछ सकते? आप (राहुल गांधी) विपक्ष के नेता हैं, संसद में बोलें, सोशल मीडिया पर नहीं बोले।

इसके साथ, सेना पर आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में लखनऊ की कोर्ट में राहुल के खिलाफ चल रही कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी। कोर्ट ने इस मामले में शिकायतकर्ता (उदय शंकर

श्रीवास्तव) और यूपी सरकार को नोटिस भेजा है। 16 दिसंबर 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल ने विवादित बयान दिया था। कहा था- लोग भारत जोड़ो यात्रा के बारे में पूछेंगे, लेकिन चीन ने 2000 वर्ग किमी भारतीय जमीन कब्जा की है, 20 भारतीय सैनिक मारे गए और हमारे सैनिकों को अरुणाचल में पीटा जा रहा है। राहुल के बयान पर बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन के पूर्व निदेशक उदय शंकर श्रीवास्तव ने लखनऊ की एमपी एमएलए कोर्ट में मानहानि केस दर्ज कराया था। इसी साल 29 मई को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गांधी की याचिका खारिज कर दी थी और समन भेजा था। गांधी ने समन और शिकायत को चुनौती दी थी। कहा- शिकायत दुर्भावनापूर्ण तरीके से और बदनीयती के तहत दर्ज कराई गई थी।

हर भारतीय ने चीन पर सरकार से जवाब मांगा, सुप्रीम कोर्ट की फटकार पर कांग्रेस की सफाई

भारतीय सेना और चीनी कब्जे वाले बयान पर राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से फटकार लगने के बाद कांग्रेस ने सफाई दी है। कांग्रेस ने कहा कि 2020 की गलवां घटना के बाद से हर देशभक्त भारतीय सरकार से चीन पर जवाब मांग रहा है। लेकिन मोदी सरकार ने अपनी डीडीएलजे - इनकार, ध्यान भटकाना, झूठ बोलना और उचित ठहराना नीति के साथ सच्चाई को धुंधलाने और छिपाने का विकल्प चुना है।

पहलगाम हमले के आतंकी पाकिस्तानी थे, लोकल नहीं

नईदिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन महादेव में 28 जुलाई को मारे गए तीन आतंकी लोकल नहीं, पाकिस्तानी थे। यह जानकारी सुरक्षा एजेंसी के अधिकारी ने सबूतों के आधार पर मीडिया को दी है। अधिकारी ने बताया कि आतंकियों और एनकाउंटर साइट से मिले 6 सबूत से स्पष्ट हुआ है कि वे पाकिस्तान से थे। एनकाउंटर साइट से सुरक्षाबलों को आतंकियों के पास से पाकिस्तानी वोटर आईडी समेत अन्य सबूत मिले थे। सुरक्षा एजेंसी ने इन सबूतों को पाकिस्तान की नेशनल डेटाबेस एंड रजिस्ट्रेशन अथॉरिटी से मैच किया।

लोकसभा में विपक्ष का बिहार एसआईआर पर हंगामा

● शिबू सोरेन के सम्मान में राज्यसभा आज 11 बजे तक स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र का सोमवार को 11वां दिन था। दोनों सदनों में सुबह 11 बजे से कार्यवाही शुरू हुई। लोकसभा में कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने बिहार में वोटर्स लिस्ट रिवीजन (एसआईआर) के मुद्दे पर चर्चा की मांग को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद स्पीकर ने पहले 2 बजे तक और फिर आज 11 बजे तक के लिए कार्यवाही स्थगित कर दी। लोकसभा में सोमवार केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मंडाविया आज लोकसभा में नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल, 2025 और नेशनल एंटी-डोपिंग एक्ट (अमेंडमेंट) बिल, 2025 पेश करने वाले हैं। दोनों बिलों पर एक साथ चर्चा की

जाएगी। नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल का मकसद खेल संगठनों के कामकाज में पारदर्शिता बढ़ाना है। वहीं, राज्यसभा में कार्यवाही शुरू होने के बाद सिटिंग सांसद शिबू सोरेन के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। सांसदों ने उनके सम्मान में मौन रखा। इसके बाद सभापति हरिवंश नारायण सिंह ने राज्यसभा की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए सस्पेंड कर दिया।

10 दिनों में अब तक सिर्फ दो दिन पूरे दिन चर्चा हुई

21 जुलाई को शुरू हुए मानसून सत्र के बाद से संसदीय कार्यवाही लगभग ठप रही है। बिहार में वोटरों के वेरिफिकेशन मामले पर विपक्षी पार्टियों ने हर दिन विरोध-प्रदर्शन किए। 10 दिनों के दौरान, सिर्फ 28 और 29 जुलाई को सदन में पूरे दिन की कार्यवाही चली। दोनों दिन, पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर दोनों सदनों में चर्चा हुई थी।

कांवड़ियों की गाड़ी में दौड़ा करंट, तालाब में कूदे, 5 मौतें

भागलपुर में थाने के बाहर हंगामा; एसडीओ बोले- यहां से हटिए नेता मत बनिए

भागलपुर (एजेंसी)। भागलपुर में सुल्तानगंज के करीब रविवार देर रात हुए एक हादसे में 5 कांवड़ियों की मौत हो गई। 4 घायल हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घायल कांवड़िए अभिषेक ने बताया, 9 लोग पिकअप से गंगा स्नान के लिए सुल्तानगंज जा रहे थे। वहां से जल भरकर जेठौर नाथ मंदिर में पूजा करने वाले थे। शाहकुंड-सुल्तानगंज सड़क पर बेलथू के महतो स्थान के पास ऑटो रिक्शा को ओवरटेक करते समय पिकअप में करंट फैल गया। बचने के लिए वे 30 फीट नीचे पानी में कूद गए। ऊपर से उनके ऊपर गाड़ी गिर गई।

सभी मृतक एक ही गांव के रहने वाले थे। घटनास्थल पर मृतकों के चप्पल और कपड़े बिखरे पड़े हैं। जल भरने के लिए ले जा रहे 5 डब्बे भी घटनास्थल पर पड़े हुए हैं।

थाने के सामने लोगों ने किया हंगामा- हादसे के बाद लोगों ने सड़क जाम कर दिया। शाहकुंड थाने के मेन गेट पर शवों को रखकर जाम

संतोष कुमार उम्र- 18 | अंकुश कुमार उम्र- 18 | विक्रम कुमार उम्र- 23

कर दिया। थाने के सामने आगजनी भी की। एसडीओ विकास और डीएसपी नवनीत कुमार मौके पर पहुंचे।

इस दौरान उन्होंने लोगों को समझाने की कोशिश की, लेकिन लोग हंगामा करने लगे। जिसके बाद एसडीओ ने कहा- शांत रहिए, नेता नहीं बनिए। घटना किसी के साथ भी हो सकती है। मौके पर सुल्तानगंज से जदयू विधायक प्रोफेसर ललित नारायण मंडल और सामाजिक कार्यकर्ता अजीत कुमार यादव सहित कई जनप्रतिनिधि भी पहुंचे। साढ़े 5 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस और प्रशासन ने जाम खुलवाया। इसके लिए भागलपुर से पुलिस फोर्स बुलाया गया था।

परिजन बोले- प्रशासन की लापरवाही से गई जान- मृतकों के परिजनों का आरोप है कि युवकों की मौत करंट लगने हुई है। बिजली का तार नीचे था, जो गाड़ी से लगा और हादसा हुआ। मुआवजे की मांग को लेकर मृतकों के परिजन ने शाहकुंड-असरगंज मुख्य रास्ते को जाम कर दिया है।

मुआवजे की मांग, सड़क जाम

मुआवजे की मांग को लेकर मृतकों के परिजन ने शाहकुंड-असरगंज मुख्य रास्ते को जाम कर दिया है। शाहकुंड थानेदार जगन्नाथ शरण ने बताया, घटना लापरवाही की वजह से हुई है। विरोध में लोग सड़क पर जुट रहे हैं। स्थानीय जनप्रतिनिधि और शांति समिति के लोगों के साथ परिजन को समझाने की कोशिश की जा रही है।

दिल्ली में एटीएम तोड़ने का प्रयास, मुंबई से मिली पुलिस को सूचना

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमन विहार में बदमाशों ने एक्सिस बैंक के एटीएम को तोड़कर पैसे चोरी करने की कोशिश की लेकिन बदमाशों की इस हरकत पर सीसीटीवी कैमरे निगरानी रख रहे थे। मुंबई में एटीएम का रखरखाव करने वाली कंपनी के एक कर्मचारी ने वीडियो देखकर दिल्ली पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन तब तक बदमाश भाग चुके थे। पुलिस ने कंपनी के कर्मचारी की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया। पुलिस के अनुसार, घटना 28 जुलाई की देर रात ढाई बजे की है। सूचना मिली कि कुछ लोग रोहिणी के सेक्टर 20 स्थित एक्सिस बैंक के एटीएम को तोड़ रहे हैं। सूचना मुंबई से एटीएम की देखरेख करने वाली कंपनी के कर्मचारी ने दी थी। सूचना मिलते ही अमन विहार थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने देखा कि एटीएम क्षतिग्रस्त है। पुलिस ने तुरंत क्राइम और फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया। टीम ने मौके पर जांच पड़ताल कर वहां से साक्ष्य हासिल किए। जांच में पता चला कि बदमाश एटीएम से पैसे चोरी नहीं कर पाए। पुलिस ने सूचना देने वाले के नंबर पर संपर्क किया। उसने बताया कि वह एटीएम का रखरखाव करने वाली कंपनी के कंट्रोल रूम का कर्मचारी है। उसने बताया कि कंपनी के अधिकारी घटना को लेकर शिकायत दे देंगे। दो दिन बाद कंपनी के वकील ने एक लिखित शिकायत दी। इस आधार पर पुलिस ने चोरी के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया। जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया कि पुलिस ने एटीएम बूथ और आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को कब्जे में कर लिया है। पुलिस फुटेज के जरिये बदमाशों की पहचान करने में जुटी है।

न्यूनतम पेंशन बढ़ाने की मांग, जंतर मंतर पर भरी हुंकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूनतम पेंशन बढ़ाने समेत अन्य मांगों को लेकर ईपीएस 95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति ने सोमवार को जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी यूपी, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा समेत अन्य राज्यों से बैनर व तख्तियां लेकर पहुंचे थे। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री से लेकर सभी मंत्रियों ने समिति के सदस्यों से मुलाकात में पेंशन 1000 से बढ़कर 7500 रुपये करने, महंगाई भत्ता देने व मुफ्त चिकित्सा सुविधा देने का आश्वासन दिया था। दोनों सदनों में पेंशन बढ़ोतरी के लिए सैकड़ों बार प्रश्न उठाए गए। इसके अलावा संसदीय समिति ने भी पेंशन बढ़ोतरी की सिफारिश की लेकिन वृद्ध पेंशनर पिछले 7-8 वर्षों से दर-दर की ठोकरे खा रहे हैं। इस दौरान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमांडर अशोक राउत ने कहा कि सरकार संवेदनहीन हो गई है इसलिए अब आंदोलन उग्र करना होगा। ऐसे में यह प्रदर्शन जंतर मंतर पर 5 अगस्त को भी जारी रहेगा। इस दौरान राष्ट्रीय महासचिव वीरेंद्र सिंह राजावत और राजीव भटनागर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

नाबालिग बेटी की दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। नाबालिग लड़की के जैविक पिता ने कड़कड़डूमा कोर्ट में बेटी की दुष्कर्म के बाद हत्या करने का आरोप लगाया है। यह वारदात दूसरा धर्म अपनाने के वर्षों बाद घटित हुई। उसने यह आरोपी अपनी पत्नी के साथ रहने वाले शख्स पर लगाते हुए उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग अदालत से की है। शिकायतकर्ता की पत्नी आठ साल पहले अपने दो नाबालिग बच्चों के साथ उसे छोड़कर चली गई थी। बताया गया है कि वह दूसरे धर्म के व्यक्ति के साथ रहने लगी और उसने अपने दो नाबालिग बच्चों के साथ दूसरा धर्म अपना लिया। प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट (जेएमएफसी) आयुषी सक्सेना ने दिल्ली के जगत पुरी पुलिस स्टेशन के एसएचओ से स्थिति रिपोर्ट मांगी है। मामले की सुनवाई सात अगस्त को सूचीबद्ध की गई है। शिकायतकर्ता को बताया गया कि उसे अपने एक रिश्तेदार से अपनी बेटी की कथित हत्या के बारे में पता चला।

दंगा मामले में गृह मंत्रालय के अवर सचिव से जिरह

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1984 में हुए सिख विरोधी दंगों के मामले में सोमवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर के खिलाफ सुनवाई हुई। इस दौरान विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह की अदालत में गृह मंत्रालय के अवर सचिव एमके चहर से जिरह की गई। मंगलवार को गृह मंत्रालय के एक अन्य अवर सचिव वी. विश्वनाथन से जिरह की जाएगी। यह मामला 1984 में राष्ट्रीय राजधानी स्थित गुरुद्वारा पुल बंगश में तीन व्यक्तियों की हत्या से जुड़ा है। न्यायाधीश ने 12 नवंबर, 2024 को बादल सिंह की विधवा लखविंदर कौर का बयान दर्ज हो चुके हैं। बादल की दंगों के दौरान गुरुद्वारा पुल बंगश में भीड़ ने हत्या कर दी थी। अदालत ने पिछले साल 13 सितंबर को टाइटलर के खिलाफ हत्या और अन्य अपराधों के आरोप तय किए थे। एक गवाह ने दावा किया कि टाइटलर 1 नवंबर, 1984 को गुरुद्वारे के सामने एक सफेद कार से बाहर आए और समुदाय के खिलाफ भीड़ को उकसाया। इसके परिणामस्वरूप हत्याएं हुईं।

वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के पास मिला युवक का शव

नई दिल्ली (एजेंसी)। समयपुर बादली स्थित हैदरपुर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के पास से पुलिस को एक युवक का शव मिला है। मृतक के पास से कोई दस्तावेज भी नहीं मिला है, जिससे उसकी पहचान की जा सके। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मृतक की शिनाख्त करने में जुटी है। पुलिस के अनुसार 29 जुलाई को पुलिस को हैदरपुर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के पास नगर में एक युवक का शव पड़े होने की जानकारी मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकाला। जांच पड़ताल करने के बाद पुलिस ने बताया कि युवक के शरीर पर कोई चोट का निशान नहीं मिला। उसके पास से कोई दस्तावेज भी नहीं मिला। आशंका है कि नहर में डूबने से उसकी मौत हुई है और शव बह कर ट्रीटमेंट प्लांट के पास लगी जाली के पास फंस गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतक की उम्र करीब 30 साल है।

दिल्ली विधानसभा का ऐतिहासिक मानसून सत्र शुरू, मंत्रियों और विधायकों ने भी जताई खुशी

ऑपरेशन सिंदूर व ऑपरेशन महादेव ने राष्ट्र का गौरव बढ़ाया : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

–विपक्ष ने कभी देशहित की परवाह नहीं की

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर व ऑपरेशन महादेव एक सैन्य अभियान नहीं था, वह देश के हर परिवार के सम्मान का प्रतीक था। मुख्यमंत्री ने आज दिल्ली विधानसभा में इन दोनों मसलों पर अपने विचार व्यक्त किए और देश की सैन्य सफलताओं, राष्ट्रीय सुरक्षा नीतियों और ऐतिहासिक निर्णयों पर विचार प्रस्तुत किए।

ऑपरेशन सिंदूर और महादेव पर दिल्ली विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी के अभय वर्मा ने चर्चा शुरू करें जिस पर पक्ष विपक्ष के सदस्यों ने अपने विचार रखें इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने आम आदमी पार्टी के संजीव झा को गलत शब्द बोलने पर सदन से निष्कासित भी कर दिया इस दौरान गृहमंत्री आशीष भाजपा के कई विधायकों ने गंभीरता से विचार रखें मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सिंदूर' और ऑपरेशन महादेव की सफलता को राष्ट्र के गौरव से जोड़ा और भारतीय सेना के शौर्य को नमन किया। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक दृढ़ शक्ति वाले राष्ट्र नायक की भूमिका निभाते हुए भारत की सभी बहनों का मान-सम्मान और स्वाभिमान बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने विपक्ष का कटघरे में खड़ा किया और कहा कि विपक्ष और उसके नेताओं ने कभी भी देशहित की परवाह नहीं की और भारत की गरिमा को नीचा दिखाने के लिए लगातार षडयंत्र किए।

सदन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की साख जनता के भरोसे पर रहती है। ऑपरेशन सिंदूर उत्तर था, उन सभी आंसुओं का जो हमारी बहनों की आंखों से निकले। प्रधानमंत्री ने एक साहसी पिता, एक संवेदनशील भाई और एक दृढ़ शक्ति वाले राष्ट्र नायक की भूमिका निभाते हुए भारत की सभी बहनों का मान-सम्मान और स्वाभिमान बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी दल और उसके नेता अपने स्वार्थों के चलते देशहित से लगातार दूर होते जा रहे हैं। इन्हें देश विरोधी ताकतों से प्यार है, जहां इनको अपना प्रतिबिंब दिखता है। भारत की प्रगति में, भारत के आगे बढ़ने में यह लोग खुश नहीं हैं। ये चाहते हैं कि देश पिछड़ा रहे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि जब ऑपरेशन सिंदूर पर संसद में चर्चा हुई तो विपक्ष ने कई सवाल उठाए। जिनको अपनी देश की सेना के वक्तव्य पर विश्वास नहीं, जिनको अपने प्रधानमंत्री पर विश्वास नहीं, वह विश्वास करते हैं दूसरे देशों के आकाओं पर। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की सेनाएं आज भी उसी वीरता और निष्ठा से राष्ट्र की रक्षा कर रही हैं, जैसा उन्होंने 1965 और 1971 के युद्धों में किया था। लेकिन उन्होंने यह भी प्रश्न उठाया कि पूर्ववर्ती सरकारों ने उन ऐतिहासिक सैन्य जीतों के बावजूद राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव क्यों दिखाया। उन्होंने कहा कि 1965 के युद्ध में जब भारत ने विजय पाई थी, तो क्यों हमारी सरकारें दबाव में आकर जीती हुई ज़मीनें लौटा आईं? क्यों संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका की मध्यस्थता स्वीकार की गई? और 1971 में, जब भारत ने 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों को बंदी बनाया, तब उन्हें बिना किसी शर्त के क्यों छोड़ दिया गया?

मुख्यमंत्री ने शिमला समझौते, पीओके के मुद्दे और कश्मीर में कश्मीरी पंडितों के पलायन जैसे ऐतिहासिक संदर्भों को भी रेखांकित किया और विपक्ष की चुप्पी व तत्कालीन नेतृत्व की 'निर्णयहीनता' पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों पर कभी कोई जवाबदेही नहीं ली गई, जबकि आज जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व ने निर्णायक कार्रवाई की गई है, तो उसे काल्पनिक बताकर नकारने का प्रयास हो रहा

मुख्यमंत्री ने 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 की बालाकोट एयरस्ट्राइक और हालिया ऑपरेशन महादेव का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की और कहा कि यह सरकार न तो झुकती है, न रुकती है, न थमती है–बल्कि देश के हर सवाल से लड़ती है। उन्होंने कहा कि जिस नेता ने मिट्टी की खुशबू से रिश्ता निभाया है, उस दीपक का नाम मोदी कहलाता है। मुख्यमंत्री ने अंत में देश की सेनाओं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव की सफलता के लिए धन्यवाद दिया और सावन के अंतिम सोमवार के अवसर पर पूरे सदन से 'हर-हर महादेव' के जयघोष के साथ अपने भाषण का समापन किया।

महापौर राजा इकबाल सिंह ने हिंदू राव अस्पताल में स्वच्छता अभियान के तहत श्रमदान किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने सोमवार को दिल्ली नगर निगम के हिंदू राव अस्पताल में स्वच्छता अभियान के अंतर्गत श्रमदान किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल परिसर में सफाई अभियान का नेतृत्व किया और लोगों को स्वच्छता बनाए रखने की शपथ दिलाई। इस मौके पर दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति की अध्यक्षा सत्या शर्मा, सिविल लाइंस क्षेत्र के चेयरमैन गुलाब सिंह, निगमायुक्त अश्वनी कुमार, अतिरिक्त आयुक्त पंकज नरेश अग्रवाल, सिटी पहाड़गंज क्षेत्र की उपायुक्त श्वेतिका सचान, सिविल लाइंस क्षेत्र के उपायुक्त अंशुल सिरोही और हिंदू राव अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आनंद प्रकाश नारनौलिया समेत कई निगम अधिकारी मौजूद रहे।

महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने कहा कि स्वच्छता अभियान की शुरुआत मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 01 अगस्त 2025 से की है और यह अभियान जनता में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हिंदू राव अस्पताल में रोजाना 3,000 से 4,000 मरीज इलाज के लिए आते हैं और यहां 1,000 बेड की सुविधा उपलब्ध है। महापौर ने कहा कि ÷स्वच्छता ही असली सेवा है। हम जितना साफ रहेंगे, उतने ही स्वस्थ रहेंगे।÷

महापौर ने कहा कि इस श्रमदान का उद्देश्य जनता को संदेश देना है कि अस्पताल जैसी सार्वजनिक सुविधाएं भी हमारे परिवार का हिस्सा हैं और जैसे हम अपने घर को साफ-सुथरा रखते हैं, वैसे ही हमें अपने शहर को भी स्वच्छ और सुंदर बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता बनाए रखना सिर्फ प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। राजा इकबाल सिंह ने जनता से अपील की कि अगर कहीं सफाई या व्यवस्था में कमी दिखे तो तत्काल संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय से संपर्क करें, जहां समस्या का तुरंत समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली नगर निगम के पास पर्याप्त संसाधन हैं और ट्रिपल इंजन की सरकार जनता की सेवा के लिए तत्पर है।

'हम पर दिन-रात कीचड़ उछाला गया', सत्येंद्र जैन के खिलाफ भ्रष्टाचार मामला बंद होने पर बोले केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने आम आदमी पार्टी (आप) नेता सत्येंद्र जैन के खिलाफ दर्ज भ्रष्टाचार का मामला बंद कर दिया है। अदालत ने यह फैसला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की क्लोज़र रिपोर्ट के आधार पर लिया, जिसमें कहा गया है कि पीडब्ल्यूडी सलाहकारों की नियुक्ति के मामले में अवैध लाभ का कोई सबूत नहीं मिला। यह एफआईआर दिल्ली सरकार की सतर्कता शाखा की शिकायत पर दर्ज हुई थी। वहीं इस मामले पर पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया- 卐आप卐 नेताओं के ख़िलाफ़ लगाये गए सारे केस झूठे हैं। समय के साथ सभी केसों में सच्चाई सामने आ जाएगी। हमारे ऊपर झूठे केस लगाकर हमें जेल भेजा गया। जिन लोगों ने ये झूठे केस लगाए और जिन नेताओं के कहने पर ये झूठे केस लगाए, क्या उन सबको जेल नहीं भेजना चाहिए? उन्होंने कहा कि हम पर दिन रात कीचड़ उछाला गया। हमारे परिवारों को इतनी पीड़ा झेलनी पड़ी, उस सबकी भरपाई? जब चाहा फ़र्ज़ी केस कर दिया, जब चाहा जेल भेज दिया, और जब मन किया 卐क्लोजर रिपोर्ट卐 फाइल कर दी? क्या ये न्याय है? वहीं आप नेता अनुराग ढांडा ने कहा, 卐भारतीय जनता पार्टी आम आदमी पार्टी के नेताओं के खिलाफ साजिश रचती है। आप के नेताओं को बदनाम करने की कोशिश करती है और अपनी एजेंसियों का खुला दुरुपयोग करती है। आज ये पूरी तरह से साबित हो गया है। उन्होंने कहा कि 2019 में ये केस गढ़ा गया था। झूठा केस बनाया गया था। भारतीय जनता पार्टी ने एजेंसियों का दुरुपयोग किया। वो केस छह साल तक चला। तब कहा गया कि उसमें भ्रष्टाचार हुआ, गलत तरीके से लोगों की भर्ती हुई, पैसा कमाया गया। लेकिन आज जब क्लोजर रिपोर्ट दाखिल हुई तो उसमें लिखा है कि किसी भी तरह के भ्रष्टाचार का कोई सबूत नहीं है। अनुराग ढांडा ने कहा कि सत्ता के दुरुपयोग का कोई सबूत नहीं है। इस पूरी भर्ती में कोई गड़बड़ी नहीं हुई है, इसलिए इस केस को बंद कर देना चाहिए। छह साल तक भाजपा झूठे केस बनाकर सत्येंद्र जैन और आम आदमी पार्टी के नेताओं को बदनाम करती रही। इसका मतलब ये है कि सीबीआई का दुरुपयोग करके और झूठी कहानियां और झूठे केस दर्ज करके आम आदमी पार्टी के नेताओं को बदनाम करना भाजपा की सोची-समझी साजिश है।

बारिश के कारण दिल्ली में यमुना का जलस्तर बढ़ा, 204 मीटर के करीब पहुंचा पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में हो रही वर्षा का असर दिल्ली में यमुना के जलस्तर पर दिख रहा है। रविवार को लोहा पुल के पास जलस्तर204.14 मीटर तक पहुंच गया था। सोमवार को इसमें कुछ गिरावट रही है। सोमवार शाम छह बजे जलस्तर 203.81 मीटर था। सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के अधिकारियों का कहना है कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी कर ली गई है। लोहा पुल पर 204.5 मीटर चेतावनी स्तर है। इस मानसून में अभी तक इस स्तर पर पानी नहीं पहुंचा है। अभी तक दो बार यह 204 मीटर के ऊपर पहुंचा है। 23 जुलाई को 204.13 मीटर पहुंचा था। रविवार को इस मौसम में सबसे अधिक 204.14 मीटर रहा है। अधिकारियों का कहना है हिमाचल में वर्षा से यमुना में अधिक पानी पहुंच रहा है। इससे हरियाणा स्थित हथनी कुंड बैराज से अधिक पानी छोड़ा जा रहा है। पिछले दिनों हरियाणा व दिल्ली में भी वर्षा हुई है। इससे नदी के जलस्तर में वृद्धि हुई है। हथनी कुंड से सोमवार को प्रत्येक घंटे 20 हजार क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा जा रहा है। अपराह्न तीन बजे अधिकतम 31 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। स्थिति पर निगरानी के लिए 24 घंटे काम करने वाला मुख्य नियंत्रण केंद्र बनाया गया है। इसके साथ ही 15 और निगरानी केंद्र हैं।

जनता की मूलभूत सुविधाओं पर सरकार की पैनी नज़र : कपिल मिश्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा में आज करावल नगर क्षेत्र की समस्याओं और विकास योजनाओं पर एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता दिल्ली के विकास मंत्री कपिल मिश्रा ने की। बैठक में दिल्ली जल बोर्ड, लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी) और राजस्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं जिलाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य करावल नगर में जनता की मूलभूत आवश्यकताओं की समीक्षा करना और उनके त्वरित समाधान के लिए योजनाएं तैयार करना था।

बैठक में कपिल मिश्रा ने साफ पेयजल की नियमित आपूर्ति, जर्जर गलियों के पुनर्निर्माण, ड्रेनेज सिस्टम के उन्नयन, बेहतर सड़क निर्माण और ट्रैफिक जाम जैसी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र के जलभराव वाले इलाकों की पहचान कर ड्रेनेज लाइनों की समयबद्ध सफाई और मरम्मत सुनिश्चित की जाए। जिन गलियों की वर्षों से मरम्मत नहीं हुई है, वहां प्राथमिकता के आधार पर निर्माण कार्य जल्द शुरू करने के भी निर्देश दिए गए।

ट्रैफिक जाम की समस्या पर कपिल मिश्रा ने भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों का ट्रैफिक ऑडिट कराने और समाधान केंद्रित योजना तैयार करने के निर्देश दिए। स्कूल, बाजार, मुख्य सड़कों और चौराहों के आसपास यातायात प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए तत्काल कदम उठाने को कहा गया। इसके साथ ही सार्वजनिक शौचालयों की सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट की कार्यप्रणाली और कूड़ा प्रबंधन पर भी अधिकारियों को विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान कपिल मिश्रा ने कहा, ÷विकसित करावल नगर मेरा ध्येय है। यह सिर्फ चुनावी वादा नहीं, बल्कि मेरी व्यक्तिगत प्रतिबद्धता है। करावल नगर के हर नागरिक को मूलभूत

सुविधाएं उपलब्ध कराना मेरी प्राथमिकता है। साफ पानी, अच्छी सड़कें, सुचारु यातायात और प्रभावी ड्रेनेज व्यवस्था किसी पर उपकार नहीं, बल्कि हर नागरिक का अधिकार है। सरकार इसे सुनिश्चित करने के लिए पूरी ताकत से काम कर रही है।' उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया कि योजनाओं का असर जनता की जिंदगी में दिखाई देना चाहिए। उन्होंने कहा, 'परिणाम जमीन पर दिखने चाहिए। योजनाएं सिर्फ फाइलों में नहीं, बल्कि जनता की जिंदगी में बदलाव लाएंगी तभी उनका उद्देश्य पूरा होगा।'

गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस पर दिल्ली में गुरमत समागमों की शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित गुरमत समागमों की श्रृंखला का शुभारंभ गुरुद्वारा सीसगंज साहिब में विशेष समागम के साथ किया। इस अवसर पर कमेटी के प्रधान सरदार हरमीत सिंह कालका, जनरल सेक्रेटरी सरदार जगदीप सिंह काहलों और धर्म प्रचार कमेटी के चेयरमैन सरदार जसप्रीत सिंह करमसर ने बताया कि इस श्रृंखला के तहत दिल्ली के विभिन्न गुरुद्वारों में कुल 57 गुरमत कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन आयोजनों में सिंह सभाओं और अन्य गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों का भी सहयोग लिया जाएगा। संगतों को संबोधित करते हुए सरदार कालका, सरदार काहलों और सरदार जसप्रीत सिंह करमसर ने कहा कि गुरु तेग बहादुर साहिब जी ने अत्याचार और जुल्म के उस दौर में अपनी शहादत देकर हिंदू धर्म की रक्षा की और दुनिया के सामने बलिदान की एक अनुपम मिसाल पेश की। उनके साथ भाई मती दास, भाई सतीस दास और भाई दियाला जी की शहादतों ने सिखों के गौरवशाली इतिहास को और भी महान बनाया। उन्होंने कहा कि भले ही सिख समुदाय की देश में आबादी मात्र 2 प्रतिशत है, लेकिन बलिदानों में इसका योगदान 90 प्रतिशत से भी अधिक रहा है।

शोभा करंदलाजे ने बताया : एनसीएस पोर्टल बना युवाओं का डिजिटल करियर साथी, करोड़ों नौकरियों की पहुंच एक क्लिक पर

नई दिल्ली (शिखर समाचार) देश के युवाओं को रोजगार और करिअर से जुड़ी हर सुविधा एक ही मंच पर देने के लिए राष्ट्रीय करिअर सेवा (एनसीएस) पोर्टल को लगातार बेहतर और उन्नत बनाया जा रहा है। श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने लोकसभा में लिखित जवाब में यह जानकारी देते हुए बताया कि यह पोर्टल अब सिर्फ एक नौकरी खोजने का जरिया नहीं, बल्कि एक संपूर्ण करिअर इकोसिस्टम बन चुका है, जहां पर नौकरी की तलाश, करिअर मार्गदर्शन, कौशल विकास और डिजिटल बायोडेटा जैसी सेवाएं एक ही जगह पर उपलब्ध हैं।

National Career Service
सही अवसर, सही समय
Right Opportunities, Right Time

उन्होंने बताया कि 14 जुलाई 2025 तक पोर्टल पर 6.43 करोड़ से ज्यादा रिक्तियों की जानकारी अपलोड की जा चुकी है, जिनमें सरकारी, निजी और सार्वजनिक उपक्रमों की नौकरियां शामिल हैं। इतना ही नहीं, अब तक 48 लाख से अधिक नियोक्ता एनसीएस पर पंजीकृत हो चुके हैं, जो इस बात का संकेत है कि पोर्टल रोजगारदाताओं के लिए भी एक भरोसेमंद मंच बन चुका है।

मंत्री ने बताया कि पोर्टल में तकनीक को लेकर निरंतर सुधार किए जा रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित रिज्यूमे निर्माण की सुविधा, बायोडेटा और नौकरी की साझा प्रणाली, प्रतिक्रिया और सत्यापन के मजबूत तंत्र और बहुभाषी समर्थन जैसी विशेषताएं इसे पारंपरिक पोर्टलों से अलग बनाती हैं। उन्होंने कहा कि पोर्टल एक गतिशील मंच है, जिसे समय-समय पर नई तकनीकों के साथ अपडेट किया जाता है ताकि उपयोगकर्ता अनुभव लगातार बेहतर हो सके।

करिअर मार्गदर्शन और परामर्श को लेकर भी एनसीएस अग्रणी भूमिका निभा रहा है। अब तक 41 लाख से अधिक करिअर काउंसलिंग सत्र पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन और ऑफलाइन आयोजित हो चुके हैं। इसमें अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के पंजीकृत उम्मीदवारों को भी विशेष प्राथमिकता दी जाती है। 1182 से अधिक प्रोफेशनल काउंसलर पोर्टल से जुड़कर देशभर के युवाओं को व्यावसायिक सलाह दे रहे हैं। शोभा करंदलाजे ने बताया कि रोजगार के अवसरों को और व्यापक बनाने के लिए एनसीएस पोर्टल ने 25 से अधिक नामी निजी कंपनियों और प्लेटफॉर्मों के साथ समझौता किया है, जिनमें टीसीएस ION, क्विकर, फाउंडइट, एपीना, अमेजन, स्विगी, रैपिडो, सिग्नस उजाला ग्रुप जैसे नाम प्रमुख हैं। इन साझेदारियों से न केवल नौकरी की लिस्टिंग को एकीकृत किया गया है, बल्कि कौशल विकास और करिअर काउंसलिंग सेवाओं में भी विस्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार की यह पहल युवाओं को न सिर्फ रोजगार से जोड़ने की है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी एक ठोस कदम है। एनसीएस पोर्टल के माध्यम से अब देश का कोई भी युवा, चाहे वह किसी भी क्षेत्र या पृष्ठभूमि से हो, डिजिटल रूप से अपने भविष्य की दिशा तय कर सकता है।

झुग्गीवासियों के पुनर्वास की मांग पर कांग्रेस का विधानसभा घेराव

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव के नेतृत्व में आज हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मानसून सत्र के पहले दिन दिल्ली विधानसभा का घेराव किया। यह विरोध प्रदर्शन भाजपा सरकार द्वारा 3000 से अधिक जेजे क्लस्टरों को तोड़कर 15,000 से अधिक परिवारों को बेघर करने के खिलाफ और विस्थापित झुग्गीवासियों के पुनर्वास की मांग को लेकर किया गया।

देवेन्द्र यादव ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता गरीब झुग्गीवासियों की निर्णायक लड़ाई के लिए प्रतिबद्ध हैं और भाजपा की ÷तानाशाही पुलिस÷ से डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने विस्थापित झुग्गीवासियों से मुलाकात की और उन्हें हर संभव सहायता व वैकल्पिक आवास देने का आश्वासन दिया। इसके बाद दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार को यह निर्णय लेना पड़ा कि बिना पुनर्वास के झुग्गी बस्तियां नहीं तोड़ी जाएंगी।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता हाथों में नारेबाजी करते तख्तियां और बैनर लिए विधानसभा की ओर बढ़ रहे थे। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए पानी की बौछारें चलाईं और बैरिकेड्स पार करने पर कार्यकर्ताओं के साथ धक्का-मुक्की हुई। देवेंद्र यादव समेत कई नेताओं को पुलिस ने हिरासत में लेकर सब्जी मंडी थाने पहुंचाया।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार नियमों और विनियमों का उल्लंघन कर गरीबों को दिल्ली से बाहर धकेलना चाहती है, जबकि दिल्ली में रहने का अधिकार हर नागरिक का है। प्रदर्शन में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन, पूर्व सांसद रमेश कुमार, कृष्णा तीरथ, डॉ. उदित राज, संदीप दीक्षित, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा, महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा, पूर्व मंत्री हारून यूसुफ और डॉ. नरेंद्र नाथ सहित कई वरिष्ठ नेता, पूर्व विधायक, पार्षद और युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, सेवादल, एनएसयूआई के पदाधिकारी शामिल हुए।

श्री यादव ने भाजपा और आम आदमी पार्टी पर गरीब विरोधी नीति अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह अमानवीय है कि जो लोग बिहार, उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों से आकर दशकों से दिल्ली के विकास में योगदान दे रहे हैं, उन्हें बार-बार उजाड़ा जा रहा है। कांग्रेस ने मांग की कि जिनकी झुग्गियां तोड़ी गई हैं, उन्हें उसी क्षेत्र में वैकल्पिक आवास उपलब्ध कराया जाए और भविष्य में किसी भी झुग्गी को तोड़ने से पहले पुनर्वास सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के कार्यों को याद करते हुए कहा कि उनकी सरकारों ने गरीबों को सम्मानजनक जीवन देने के लिए पुनर्वास कॉलोनियां और राजीव रत्न आवास योजना के तहत 48,000 फ्लैट बनाए थे। इसके विपरीत, आम आदमी पार्टी और भाजपा सरकार ने न केवल इन गरीबों को नजरअंदाज किया, बल्कि पहले से बने फ्लैटों का आवंटन तक नहीं किया, जिससे वे जर्जर हालत में बदलते चले गए।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार आम आदमी पार्टी के पदचिन्हों पर चलते हुए जंगपुरा मद्रासी कॉलोनी, कालकाजी, वजीरपुर, अशोक विहार और रेलवे लाइन के आसपास की झुग्गियों को ध्वस्त कर रही है और बहाना बनाती है

कि ये डीडीए या रेलवे की जमीन पर बसी हैं। कांग्रेस का कहना है कि भाजपा गरीबों को हटाकर दिल्ली से गरीबी मिटाने की बजाय गरीबों को ही दिल्ली से बाहर करने में लगी हुई है।

जानलेवा हमला करने के मुकदमें में फरार चल रहा आरोपी गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) सिंभावली पुलिस ने जानलेवा हमला करने के मुकदमें में फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार करके विधिक कार्रवाई के लिए न्यायालय में पेश किया है।

सिंभावली थानाध्यक्ष सुमित तोमर ने बताया कि क्षेत्र के गांव धनपुरा में एक व्यक्ति पर जानलेवा हमला करने के मुकदमें में फरार चल रहे एक आरोपी मदनपाल पुत्र बंशीपाल निवासी धनपुरा थाना सिंभावली को ग्राम भोवापुर के रास्ते से एसआई इकरार अहमद के नेतृत्व में बनी पुलिस टीम ने गिरफ्तार करने में कामयाबी पायी है। आरोपी को विधिक कार्रवाई के लिए न्यायालय में पेश किया गया है।

रूपवास बाईपास पर सड़क धंसने का खतरा गहराया, जिम्मेदारों की चुप्पी से बढ़ी चिंता

दादरी/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। तहसील दादरी के रूपवास गांव स्थित बाईपास की हालत इन दिनों बेहद चिंताजनक होती जा रही है। लगातार बारिश के चलते सड़क किनारे की मिट्टी कटकर नीचे खिसक रही है, जिससे सर्विस रोड की सतह पर कीचड़ फैल गया है और सड़क धंसने की आशंका मंडरा रही है। इस खतरे से रोजाना वहां से गुजरने वाले राहगीर और वाहन चालक भयभीत हैं, लेकिन जिम्मेदार प्राधिकरण अब तक बेपरवाह बना बैठा है। स्थानीय लोगों और किसान संगठनों ने चेताया है कि यदि जल्द कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, तो यह मिट्टी कटाव किसी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। भारतीय किसान यूनियन के तहसील अध्यक्ष राजकुमार का कहना है कि बाईपास के नीचे बनी सर्विस रोड बारिश की मार झेल नहीं पा रही है। हर साल प्राधिकरण को शिकायतें भेजी जाती हैं, लेकिन नतीजा सिफर रहता है। उन्होंने बताया कि सड़क किनारे का हिस्सा कटते-कटते अब सुरंग जैसी शक्ल लेता जा रहा है, जिससे पूरी संरचना कमजोर हो रही है। उनका कहना है कि ये हालात किसी दिन गंभीर दुर्घटना को जन्म दे सकते हैं। ग्रामीणों की मांग है कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण तत्काल स्थिति का स्थलीय निरीक्षण कर मिट्टी के कटाव को रोकने और सड़क की मरम्मत के लिए जरूरी कदम उठाए। वरना इसका खामियाजा क्षेत्रवासियों को भुगतना पड़ सकता है।

दुकान का शीशा तोड़ उड़ाए 65 हजार, साइबर कैफे में घुसे चोरों की करतूत सीसीटीवी में कैद

दादरी/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) मिहिर भोज पीजी कॉलेज मार्केट में स्थित एक साइबर कैफे को चोरों ने निशाना बनाते हुए शीशे का गेट तोड़कर गल्ले में रखे 65 हजार रुपये पार कर दिए। घटना की जानकारी मिलते ही पीड़ित ने डायल 112 पर सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। हालांकि पुलिस फिलहाल इसे आपसी विवाद का मामला बता रही है। नगर के नई आबादी मोहल्ला निवासी हारुन सैफी, जो नगर के सभासद के पति भी हैं, जीटी रोड पर स्टेट बैंक के सामने समीर साइबर कैफे के नाम से दुकान संचालित करते हैं। 23 जुलाई को दोपहर के समय वह दुकान का शीशे का दरवाजा बंद कर ग्रेटर नोएडा गए थे। दुकान के अंदर गल्ले में 65 हजार रुपये नकद रखे हुए थे। अगली सुबह 24 जुलाई को जब वह दुकान पर पहुंचे तो गल्ला टूटा हुआ मिला और उसमें रखी नकदी नदारद थी। दुकान के भीतर सामान भी बिखरा पड़ा था।

सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली, जिसमें एक अज्ञात व्यक्ति देर रात दुकान के पास घूमता दिखाई दे रहा है। फुटेज को जांच में शामिल करते हुए पुलिस ने मामले की पड़ताल शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार का कहना है कि यह मामला प्रथम दृष्टया आपसी रंजिश का लग रहा है और घटना संदिग्ध प्रतीत होती है। वहीं पीड़ित का कहना है कि दुकान में रखे पैसे चोरी हुए हैं और वह न्याय की मांग कर रहे हैं। अब पुलिस की जांच से ही स्पष्ट होगा कि मामला चोरी का है या फिर किसी और दिशा में मोड़ लेता है।

सीवर ओवरफ्लो की समस्या का निरीक्षण किया

नोएडा (शिखर समाचार) प्राधिकरण से जल खंड तृतीय के प्रबंधक पीपी सिंह ने सहायक प्रबंधक राकेश कुमार के साथ ईडब्ल्यूएस पॉकेट 7 सेक्टर 82 का दौरा कर सीवर ओवर फ्लो की आ रही समस्या का निरीक्षण किया।आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने अधिकारियों को बताया कि पिछले डेढ़ वर्ष से सीवर ओवर फ्लो की समस्या का लगातार सामना यहां के निवासियों को करना पड़ रहा है।सीवर ओवर फ्लो से जमा होने वाले गंदे पानी से बीमारियों के फैलने का खतरा बना हुआ है और लोग नरकीय जीवन जीने को मजबूर हैं।इस सम्बन्ध में मुख्य कार्यपालक अधिकारी से लेकर सभी को कई बार पत्र दिया गया है।पीपी सिंह ने समस्या के जल्द स्थाई समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष रवि राघव, कोषाध्यक्ष सुशील पाल, रमेश चंद शर्मा, विष्णु शर्मा, किशोर कपूर मौजूद रहे।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

गाजियाबाद में टीओडी जोन पर तेजी से बढ़ा काम, उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने सर्वे शीघ्र पूरा कराने के दिए निर्देश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नमो भारत व मेट्रो कॉरिडोर के डेढ़ किलोमीटर के दायरे में ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलेपमेंट (टीओडी) जोन की योजना अब धरातल पर उतरने को तैयार है। शासन की टीओडी नीति 2022 के अंतर्गत गाजियाबाद विकास प्राधिकरण इस दिशा में सशक्त कदम उठा रहा है। इसी क्रम में प्राधिकरण उपाध्यक्ष अतुल वत्स की अध्यक्षता में एनसीआरटीसी और कंसल्टेंट एजेंसी के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें टीओडी जोन के सर्वे, जोनल प्लान और विकास प्रक्रिया को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक के दौरान कंसल्टेंट फर्म द्वारा प्रस्तुत विस्तृत योजना में बताया गया कि टीओडी जोन के तहत किस प्रकार आधुनिक शहरी ढांचे को तैयार किया जाएगा, जिसमें पैदल यात्री, साइकिल रूट, आवासीय, व्यवसायिक और औद्योगिक गतिविधियों को एकीकृत रूप से जोड़ा जाएगा। इस क्षेत्र में अधिक एफएआर और मिक्स्ड लैंड यूज जैसे प्रावधान निजी निवेश को आकर्षित करेंगे, जिससे रोजगार के अवसरों में भी इजाफा होगा। ड्रोन सर्वे से लेकर मास्टर प्लान की जीआईएस फाइल और ट्रैफिक कंट्रोल की व्यवस्था तक हर पहलू पर चर्चा करते हुए उपाध्यक्ष श्री वत्स ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी औपचारिकताएं शीघ्र पूरी की जाएं। उन्होंने कंसल्टेंट फर्म को

आश्वस्त किया कि प्राधिकरण की ओर से आवश्यक सहयोग बिना विलंब के प्रदान किया जाएगा। इसके लिए दस्तावेजों की स्पष्ट चेकलिस्ट तैयार कर समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराने को कहा गया। उपाध्यक्ष ने सचिव एवं सीएटीपी को निर्देशित किया कि सर्वे से जुड़ी किसी भी बाधा को तत्काल दूर करते हुए कार्य में गति लाई जाए, ताकि योजना का लाभ लोगों तक जल्द पहुंच सके। उन्होंने यह भी कहा कि टीओडी जोन केवल एक शहरी विकास परियोजना नहीं, बल्कि आने वाले समय में गाजियाबाद के जीवनस्तर को नई ऊंचाई देने वाला मॉडल है। इससे सार्वजनिक परिवहन का उपयोग बढ़ेगा, ट्रैफिक का दबाव कम होगा और एक सघन, सुविधाजनक तथा पर्यावरण-संवेदनशील समुदाय का निर्माण संभव होगा। बैठक में प्राधिकरण सचिव राजेश कुमार सिंह, अपर सचिव प्रदीप कुमार सिंह, सीएटीपी अरविंद कुमार तथा एनसीआरटीसी से आरके सिंह, शुशांत शर्मा सहित अन्य प्रतिनिधि मौजूद रहे।

हापुड़-पिलखुआ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष नितिन गौड़ की पहल पर हापुड़ में शुरू हुआ मोबाइल पासपोर्ट सेवा कैम्प

हापुड़ (शिखर समाचार) हापुड़ क्षेत्र के नागरिकों को पासपोर्ट बनवाने के लिए अब न तो लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ेगा और न ही गाजियाबाद तक का सफर करना होगा। यह सब संभव हो पाया है हापुड़-पिलखुआ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष नितिन गौड़ (आईएएस) की पहल पर, जिनके विशेष सहयोग से विदेश मंत्रालय के क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय गाजियाबाद द्वारा हापुड़ में मोबाइल पासपोर्ट सेवा कैम्प की शुरूआत की गई है।

सोमवार 4 अगस्त को इस विशेष कैम्प का उद्घाटन क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी अनुज स्वरूप (भारतीय विदेश सेवा) और उपाध्यक्ष नितिन गौड़ ने संयुक्त रूप से किया। यह कैम्प 6 अगस्त तक चलेगा तथा दूसरी किश्त 11 से 13 अगस्त 2025 तक आयोजित की जाएगी।इस विशेष पहल के अंतर्गत मोबाइल पासपोर्ट वैन एक चलता-फिरता पासपोर्ट कार्यालय बनकर हापुड़ पहुंची है, जहां पासपोर्ट आवेदन से जुड़ी समस्त प्रक्रियाएं

दस्तावेज सत्यापन, फोटो खिंचवाना, बायोमैट्रिक डाटा लेना आदि स्थानीय स्तर पर ही पूरी की जा रही हैं। इससे नागरिकों को क्षेत्रीय कार्यालय तक जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और उनकी फाइलें सीधे गाजियाबाद कार्यालय से प्रक्रिया में लाई जाएंगी। नागरिकों से अपील की गई है कि वे www.passportindia.gov.in वेबसाइट पर जाकर अपॉइंटमेंट बुक करें और इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं। अभी तक हापुड़ क्षेत्र के नागरिकों को पासपोर्ट सेवाओं के लिए गाजियाबाद या आसपास के जिलों में स्थित पासपोर्ट सेवा केंद्रों तक जाना पड़ता था, जिससे समय, धन और श्रम तीनों की हानि होती थी। अब इस मोबाइल कैम्प के जरिए पासपोर्ट सेवाएं उनके द्वार तक पहुंचाई जा रही हैं। इस प्रयास को लेकर क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी ने उपाध्यक्ष नितिन गौड़ के विशेष सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी सक्रिय भूमिका के बिना यह आयोजन संभव नहीं हो पाता। नागरिकों में इस कैम्प को लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है और लोग इसे सरकारी सेवा, सीधा आपके दरवाजे पर जैसी पहल मानते हुए सराहना कर रहे हैं।

मोदीनगर के रोरी गांव में अवैध कॉलोनी पर चला गाजियाबाद विकास प्राधिकरण का बुलडोजर

गाजियाबाद (शिखर समाचार) अवैध निर्माण पर शिकंजा कसते हुए प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने मोदीनगर क्षेत्र के ग्राम रोरी में बिना स्वीकृति के बसाई जा रही एक बड़ी अवैध कॉलोनी को सोमवार को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई खसरा संख्या 922, 923 और 924 पर की गई, जहां लगभग 17000 वर्ग मीटर में कॉलोनी विकसित की जा रही थी। यहां पर बनाई जा चुकी सड़कें, बाउंड्रीवॉल और साइट ऑफिस को पूरी तरह से जमींदोज कर दिया गया। यह अभियान प्राधिकरण उपाध्यक्ष अतुल वत्स के अवैध कालोनियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाने के चलते प्रवर्तन जोन-2 के प्रभारी के नेतृत्व में चलाया गया, जिसमें अवैध कॉलोनी के पीछे सक्रिय रहे कुछ बिल्डरों मुकेश ठाकुर पुत्र धर्मवीर सिंह, गौरव चौहान पुत्र कुलबीर चौहान, मैसर्स एम जी प्रॉपर्टीज, जितेन्द्र कुमार पुत्र राजवीर सिंह और सुनील व्यास पुत्र शिवराज व्यास (गूजरमल साइंस फाउंडेशन

सोसाइटी) की ओर से तीखा विरोध भी किया गया, लेकिन पुलिस बल की मौजूदगी में प्रवर्तन दस्ता पूरी सख्ती से कार्रवाई करता रहा। ध्वस्तीकरण के दौरान मौके पर मौजूद अधिकारियों ने साफ कर दिया कि प्राधिकरण की अनुमति के बिना यदि कोई भी निर्माण किया गया तो उसे तुरंत ध्वस्त किया जाएगा और जिम्मेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। कार्यवाही के दौरान प्रवर्तन जोन-2 के प्रभारी, सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्राधिकरण की विशेष पुलिस टीम और पूरी प्रवर्तन इकाई मौजूद रही। मौके पर किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम भी किए गए थे। प्राधिकरण ने चेतावनी दी है कि अवैध निर्माण के खिलाफ यह मुहिम आगे भी जारी रहेगी और अगले महीनों में अन्य स्थानों पर भी सीलिंग व ध्वस्तीकरण की सख्त कार्यवाहियां की जाएंगी। प्राधिकरण का कहना है कि शहरी विकास को अनियंत्रित और गैरकानूनी तरीके से फैलने नहीं दिया जाएगा।

बिजनौर नगर पालिका परिषद चेयरमैन इंदिरा सिंह की पहल से कुपोषित बच्चों की सेहत में आया सुधार

बिजनौर (शिखर समाचार) नगर क्षेत्र के कुपोषित बच्चों के पोषण स्तर में सुधार लाने को लेकर नगर पालिका परिषद पूरी तरह गंभीर दिखाई दे रही है। इसी क्रम में डॉ. भीमराव अंबेडकर सभागार में चेयरमैन इंदिरा सिंह की अध्यक्षता तथा सफाई निरीक्षक गोविंद चौधरी के संचालन में एक महत्वपूर्ण अंतर्विभागीय समन्वय बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें जुलाई माह के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान यह सामने आया कि नगर क्षेत्र में कुल 41 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं, जिनमें अब तक 215 बच्चों को कुपोषित की श्रेणी में चिन्हित किया जा चुका है। इन बच्चों को जुलाई में विशेष पोषण आहार किट प्रदान की गई, जिसका असर बच्चों की सेहत पर स्पष्ट रूप से नजर आने लगा है। कई बच्चों में वजन और स्वास्थ्य मानकों में सुधार दर्ज किया गया है, जिससे इस पहल को लेकर सकारात्मक संकेत मिले हैं।

बैठक में यह भी तय किया गया कि नगर क्षेत्र में वार्डवार पुनः सर्वे कराया जाएगा ताकि न केवल पहले से चिन्हित बच्चों की निगरानी की जा सके, बल्कि नए कुपोषित बच्चों की पहचान भी की जा सके। बैठक के दौरान स्वास्थ्य विभाग के किसी भी प्रतिनिधि की गैरमौजूदगी पर चिंता व्यक्त की गई और यह तय हुआ कि भविष्य की बैठकों की सूचना संबंधित विभागों को समय से भेजी जाएगी ताकि उनकी उपस्थिति और सहभागिता सुनिश्चित हो सके।

इस मौके पर अवर अभियंता (सिविल) यशवंत सिंह, अवर अभियंता (जलकल) गौरव शर्मा, सफाई लिपिक संदीप कुमार, आंगनबाड़ी सुपरवाइजर भावना भारद्वाज, नगर क्षेत्र की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा सफाई नायक भी मौजूद रहे।

समन्वय के साथ की जा रही यह पहल नगर क्षेत्र के उन बच्चों के लिए संजीवनी बन रही है, जो अब तक पोषण के अभाव में जीवन की जंग लड़ रहे थे। नगर पालिका का यह प्रयास न केवल जागरूकता बढ़ा रहा है, बल्कि जमीनी स्तर पर परिणाम भी देने लगा है।

जीडीए ने कैलाश मानसरोवर भवन के संचालन को दी रफ्तार, निरीक्षण के बाद एमओयू की तैयारी तेज

गाजियाबाद (शिखर समाचार) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा हाल ही में गाजियाबाद में आयोजित समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों को अमलीजामा पहनाते हुए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने कार्यवाही तेज कर दी है। उपाध्यक्ष के स्पष्ट निर्देशों के क्रम में रविवार को प्राधिकरण सचिव राजेश कुमार सिंह, प्रभारी मुख्य अभियंता आलोक रंजन और अभियंत्रण विभाग की टीम ने इंदिरापुरम स्थित कैलाश मानसरोवर भवन का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य भवन की वर्तमान स्थिति का आंकलन करना और उसके सुव्यवस्थित उपयोग के संभावित विकल्पों पर मंथन करना रहा। शासनादेश के मुताबिक यह भवन वर्ष में चार माह कैलाश मानसरोवर यात्रियों के लिए सुरक्षित रहेगा, जबकि बाकी आठ माह इसे पीपीपी मॉडल पर प्राधिकरण द्वारा संचालित किया जाएगा।ठ इस दिशा में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण जल्द ही उन एजेंसियों से प्रस्ताव आमंत्रित करेगा जो भवन के संचालन में रुचि रखती हैं। साथ ही धर्मार्थ कार्य विभाग और प्राधिकरण के बीच एमओयू तैयार किया जा रहा है, जिसमें सभी विभागीय हितों और शर्तों का समावेश होगा। प्राधिकरण की यह सक्रियता न सिर्फ शासन की मंशा को धरातल पर उतारेगी, बल्कि यात्रियों और स्थानीय नागरिकों के लिए भी भवन के उपयोग को सार्थक बनाएगी।

भारतीय किसान यूनियन टिकैत की बैठक में यीडा अधिकारियों के साथ हुई वार्ता से अवगत कराया

नोएडा (शिखर समाचार)यमुना प्राधिकरण अधिकारियों के साथ सोमवार को भारतीय किसान यूनियन टिकैत की यमुना प्राधिकरण ऑथोरिटी के सभागार में यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल तालान के नेतृत्व में आयोजित बैठक में जिला अध्यक्ष पंकज शर्मा ने बताया कि राजकरण अधिकारियों के साथ किसानों के मुद्दों को लेकर बिंदुवार हुई वार्ता से अवगत कराया उन्होंने बताया कि यमुना प्राधिकरण द्वारा शीघ्र से शीघ्र यमुना एक्सप्रेस का रुका हुआ 64.7 मुआवजा 7% प्लॉट आबादी समस्या को जल्द देने की बात कही और समस्याओं का निस्तारण जल्द ही होगा राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल तालन ने कहा की प्राधिकरण को संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में पुलिस कमिश्नर की अध्यक्षता मैं तीनों प्राधिकरण के सीईओ और जिलाधिकारी के साथ एक बैठक किसानों के साथ होनी चाहिए जिसमें अधिकारियों के द्वारा किसानों को आश्वासन दिया कि जल्द ही संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में एक बैठक कराई जाएगी इस मौके पर जयवीर कसाना,जगत सिंह, आदि लोग मौजूद रहे।

फर्जी दस्तावेजों से जमीनों के नाम पर गरीबों की पूंजी हड़पने वाले गिरोह पर शिकंजा, दो इनामी शातिर गिरफ्तार, आधा दर्जन पहले ही सलाखों के पीछे

हापुड़ (शिखर समाचार)। हापुड़ में जमीन के फर्जी बैनामों के जरिए भोले-भाले लोगों को ठगने वाले संगठित गिरोह की जड़ें पुलिस ने एक बार फिर उखाड़ दी हैं। थाना हापुड़ नगर पुलिस ने 20-20 हजार रुपये के इनामी दो फरार ठगों को धर दबोचा है, जिनमें एक महिला भी शामिल है। इन दोनों की गिरफ्तारी से न सिर्फ कई पुराने मामलों की कड़ियां जुड़ी हैं, बल्कि ठगी के इस गहरे जाल के और भी पहलू सामने आने की उम्मीद है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बाबूगढ़ क्षेत्र के अयादनगर निवासी रौनू पत्नी अमन और भंडगपुर निवासी निशांत पुत्र इंद्रपाल के रूप में हुई है। ये दोनों लंबे समय से फरार चल रहे थे और इनकी गिरफ्तारी पर 2 जुलाई को इनाम घोषित किया गया था।

पुलिस टीम ने इन्हें मोदीनगर रोड ब्लॉक के पास से दबोचा। एसपी कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने बताया कि यह गिरोह खाली पड़ी जमीनों को अपनी बताकर, कूटरचित व जाली दस्तावेजों के सहारे उन्हें बेचने का झांसा देता था। बहाना होता था बीमारी, आर्थिक तंगी या पारिवारिक परेशानी, लेकिन मकसद सिर्फ एक किसी भी कीमत पर लोगों की मेहनत की कमाई हड़पना। ठगों का यह गिरोह फर्जी पहचान पत्र, आधार कार्ड आदि के जरिए नाम-पता तक बदल लेता था और शिकार बनने वाले अधिकतर लोग सीमित साधनों से जीवन यापन करने वाले मेहनतकश परिवार थे।

गिरोह ने अब तक 16 से अधिक फर्जी बैनामे तैयार कर ठगी की वारदातों को अंजाम दिया है और इनसे संबंधित करीब आधा दर्जन मुकदमे थाना हापुड़ नगर में दर्ज हैं। इससे पहले इसी नेटवर्क के छह अन्य ठग देवेन्द्र त्यागी उर्फ गुल्लू (चमरी), रोहताश (सुभाष नगर), संजीत, जगरोशनी, लक्ष्मी (भंडगपुर) और चंद्रप्रकाश (न्यू गांधी विहार, हापुड़) पहले ही जेल की सलाखों के पीछे भेजे जा चुके हैं। पुलिस गिरोह के बाकी सदस्यों की तलाश में जुट गई है और जिन पीड़ितों ने अब तक शिकायत नहीं की, उनसे आगे आकर मदद करने की अपील की जा रही है ताकि इस जालसाज गिरोह की अंतिम कड़ी भी कानून के शिकंजे में लाई जा सके।

सहारनपुरः सीएम योगी का सपा-कांग्रेस पर निशाना

बोले- आतंकी वारदात को संरक्षण देने में दोनों पार्टियां आगे, मंच पर पहुंचते लगे जय श्रीराम के नारे

संवाददाता

सहारनपुर। सीएम योगी सोमवार को सहारनपुर पहुंचे। यहां 381 करोड़ की 15 विकास योजनाओं का लोकार्पण किया। साथ ही विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाणपत्र भी बांटे। इससे पहले योगी के मंच पर पहुंचते ही जय श्रीराम के जयकारे लगे। योगी ने कहा- महाकुंभ की सफलता से विपक्ष परेशान है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के लोगों को परेशानी हो रही थी कि सनातन धर्म का गौरव इतना ऊंचा कैसे हो रहा? इन लोगों की संवेदना एक गरीब, एक नौजवान के साथ नहीं होती। इनको भारत की विरासत पर गौरव की अनुभूति नहीं होती। भारत और भारतीयता आगे बढ़ती है, तो इन्हें परेशानी होती है। लेकिन, आतंकी वारदात को संरक्षण देने में सपा-कांग्रेस आगे रहती है। उट योगी ने कहा- 2 घटनाओं का कोर्ट ने निर्णय करते हुए काम किया। पहला- मालेगांव विस्फोट में कैसे तत्कालीन कांग्रेस सरकार और उसके सहयोगी दलों ने हिंदू नेताओं को अभियुक्त बनाने की कोशिश की थी।

एटीएस के खुलासे से सारे तथ्य सामने आ रहे हैं। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों का ये कृत्य राष्ट्रद्रोह की श्रेणी में आता है। आतंकवाद के लिए सॉफ्ट और राष्ट्रवादी संगठनों के लिए क्रूर बनकर उनको पूरी तरह से खत्म करने की चेष्टा आतंकी कृत्य है। कांग्रेस का यह कृत्य देश के लिए अपराध था। इससे पहले सीएम योगी ने सर्किट हाउस मंडलीय अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की। इसके बाद कानून व्यवस्था की भी समीक्षा की। योगी ने कहा- जाहरवीर गोगा के बारे में लोग कहते हैं कि 900 साल पहले पराक्रमी योद्धाओं के

रूप में विदेशी आक्रांताओं से देश की धरती को बचाने में अपना योगदान दिया था। फिर भगवान गोरक्षनाथ की शरण में जाकर समाधि गोगा मेढ़ी में ली थी। भादो महीने में लाखों श्रद्धालु वहां दर्शन करते हैं।

आज मुझे उनके पावन स्थल को देखने का मौका मिला। बहुत अच्छा पावन स्थल बनाया गया है। सुंदरीकरण के तहत कैसा काम होता है। इसे देखने का मौका मिला है। सीएम योगी ने कहा-अभी तक 17 नगर निगम को स्मार्ट सिटी मिशन में लिया था। लेकिन इस बार के बजट में हर जिले के नगर निकाय का हम स्मार्ट सिटी मिशन की तर्ज पर डेवलप करने जा रहे हैं। सीएम योगी ने कहा- भारत के विरासत का संरक्षण करने के साथ-साथ विकास की प्रक्रिया के साथ हम उसे जोड़ सकें। इस जोड़ने की प्रक्रिया को ही प्रधानमंत्री ने विरासत और विकास के समन्वय के साथ आगे बढ़ाया है। और पिछले 11 साल में एक नए भारत का दर्शन करने को हम लोगों को मिल रहा है। जो भारत और भारतीयता पर गौरव की अनुभूति करता है। भारत के प्रतीकों का सम्मान करता है। अपने पूर्वजों के गौरवशाली परंपरा के सरंक्षण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करता है। सीएम योगी ने कहा- मां शाकंभरी का कॉरिडोर ये लोग बनाएंगे। काशी-विश्वनाथ धाम बनाने का काम ये लोग करेंगे। अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए ये लोग कुछ प्रयास करेंगे। महाकुंभ जैसे आयोजन करेंगे। इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। और इन लोगों ने किया भी नहीं। सीएम योगी बोले-कांग्रेस को कभी विरासत की चिंता नहीं थी। अगर होती तो कांग्रेस अपने समय में जब सपा उसे समर्थन करती थी। तब कांग्रेस ने अपने समय में रामसेतु को तोड़ने का निर्णय लिया था। सुप्रीम कोर्ट में जो शपथ पत्र दाखिल किया था। उसमें कहा था कि राम और कृष्ण हुए ही नहीं। उन्हें मिथक माना था। इनसे विरासत के सरंक्षण की उम्मीद की ही नहीं जा सकती। सीएम योगी ने कहा- कांग्रेस के लोग एक तरफ आतंकवाद को क्लीन चीट देते हैं। देश पर हमला करने वालों को क्लीन चीट देते हैं। और दूसरी तरफ देश की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध सेना पराक्रम पर सवाल खड़ा करते हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा में सेंध लगाने का कुचित प्रयास करते हैं। समीक्षा बैठक के बाद 2 बजे जाहरवीर गोगा की महाडी पर पहुंचेंगे। यहां पर बाबा गोरखनाथ और गोगा महाराज की पूजा अर्चना करेंगे। उसके बाद नवनिर्मित अमृत सरोवर का उद्घाटन करेंगे। वहीं गोगा महाड़ी का निरीक्षण भी करेंगे। सीएम योगी को सरसावा एयरपोर्ट से हेलिकॉप्टर से पुलिस लाइन में बने हेलीपैड पर उतरना था। लेकिन बारिश के वहां पानी भर गया। इसके बाद हेलीपैड की दोबारा से तैयार किया गया। लेकिन सीएम योगी सड़क के रास्ते सर्किट हाउस पहुंचे।

कईसे खेलन जईबु सावन में कजरिया...

संवाददाता

कुशीनगर। सावन माह की पावन बेला में विलुप्त हो रही पारम्परिक कजरी गीत कार्यक्रम के तहत जनपद के फागुपुर बतरौली में गेंदा प्रसाद के आवास पर कलाकारों ने सावन की रिमझिम फुहारों के बीच दिल को छूने वाली कजरी की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का शुभारंभ अतुल भारती द्वारा प्रस्तुत गणेश वन्दना से हुआ। साथ ही "बसिया बाज रही वृन्दावन "से वातावरण भक्तिमय हो गया। लोक गायक सुनील कुमार मिश्र ने "कईसे खेलन जईबु सावन में कजरिया, बदरिया घिर आईल ननदी"तथा "पिया मेंहदी लिया द मोती झील से, जाके सायकिल से ना" गीत प्रस्तुत कर सबको झूमने पर मजबूर कर दिया। अपनी माटी की बोली भोजपुरी में गीतों को संवारने व रचने वाले धीरज राव ने "हरे रामा रिमझिम बरसे ला पनिया, झूले राजा रनिया हे हरि" प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरी। दिनेश तिवारी भोजपुरिया ने "शिव शंकर चढे कैलाश बुनिया पडने लगी" के साथ ही माता रानी की गीत प्रस्तुत की। प्रभु नाथ प्रसाद ने "खोली न आपन नयनवा, हो शंकर दानी" गीत को सभी ने सराहा। नाल पर रवि पाठक व झाल पर सुनील संगम ने संगत की। सभी के प्रति आभार गेंदा प्रसाद ने प्रकट की। इस अवसर पर रामाश्रय प्रसाद सुरेश प्रसाद गुप्त, चन्द्रिका शर्मा, जनार्दन आचार्य, मनीष गुप्त, धर्मेन्द्र साहू, राजन राव, मदन मोहन अग्रहरि, बंशराज शर्मा, इन्द्रासन प्रसाद, रमाशंकर गोंड, रामाश्रय सिंह, जनार्दन सिंह, तप्पी देवी, सत्यप्रकाश उपस्थित रहे।

जयंती : गायक स्व किशोर कुमार के गीत दिलों को देते हैं सुकूनः कृष्णानंद त्रिपाठी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्यायनगर कुशीनगर स्थित डीडी मंत्रा नृत्य संगीत विद्यालय के परिसर में भारत के प्रसिद्ध गायक, संगीतकार, अभिनेता स्व. किशोर कुमार का जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। गीतकारों ने उनके गीतों को गाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सोमवार को आयोजित सर्वप्रथम सरस्वती वंदना हुई और स्व.किशोर के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यशुदीप ने गाया मेरे सपनो की रानी कब आयेगी तू, कृष्णा ने गाया ओ मेरे दिल के

बेचैन ..काफी सराहा गया। काश्वी ने गाया चला जाता हूं किसी की धुन में धड़कते दिल के तराने लिए को सुनकर लोग मंत्रमुग्ध हो गए। राजा ने गाया पल पल दिल के पास तुम रहते हो। शिव ने गाया हमें और जीने की चाहत न होती अगर तुम न होते। अतिथि पूर्व प्रवक्ता सुरेश गुप्ता ने कहा कि किशोर सफल गायक, संगीतकार, अभिनेता, कंपोजर थे। संस्था के निदेशक कृष्णानंद त्रिपाठी ने कहा कि किशोर कुमार के गीत दिलों को सुकून पहुंचाने वाले है। आज वह दुनिया में नहीं हैं लेकिन अपने गीतों के माध्यम से अपने प्रशंसकों के दिलों में जिंदा हैं। संस्था ऐसे कार्यक्रम हमेशा करती है कि जिससे आने वाली पीढ़ी पुराने गीतों को और बीते जमाने के गायको को याद रखें और अपना जीवन अमूल्य बना सकें। इस मौके पर मिथिलेश पाण्डेय परासर नाल पर संगत कर रहे थे। शमशेर, संस्था के छात्र पियूष उपाध्याय, करण यादव, वैष्णवी, कात्यायनी नरेंद्र शर्मा गीता वर्मा, कृष्णा, पुष्पा, अभिषेक, राजा सहित संगीत के विद्यार्थी उपस्थित रहे!

सावन के आखिरी सोमवार को ओबरा राम मंदिर में बाबा बफार्नी के दिव्य स्वरूप का दर्शन करने पहुंचे हजारों श्रद्धालु

संवाददाता

ओबरा सोनभद्र। सोनभद्र के ओबरा नगर में राम चरित मानस समिति के तत्वाधान में सावन के पावन पर्व के अंतिम सोमवार को बाबा बफार्नी का दिव्य दर्शन करने को मिला जिसमें दूर दराज के श्रद्धालुओं की उमड़ी भारी भीड़ कमेटी के अध्यक्ष सतीश पाण्डेय ने कहा कि भगवान शिव के प्रति अटूट आस्था एवं भक्ति का प्रतीक बाबा बफार्नी के दिव्य स्वरूप का दर्शन पूजन विगत 13 वर्षों से चला आ रहा है । बाबा बफार्नी के दिव्य दर्शन के उपरांत कमेटी द्वारा प्रसाद भी वितरित किया जा रहा है। इस आयोजन में सुरक्षा की दृष्टिगत क्षेत्राधिकारी ओबरा हर्ष पांडे व थाना प्रभारी ओबरा राजेश सिंह मय पुलिस फोर्स साथ ही कमेटी के पदाधिकारी व सदस्य एवं भारी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

आईजीआरएस पोर्टल पर निस्तारण में मेरठ रेंज लगातार पाँचवीं बार प्रदेश में प्रथम, डीआईजी कलानिधि नैथानी की सक्रिय निगरानी लाई रंग

मेरठ (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश शासन की जनसुनवाई समन्वय शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) पर प्राप्त शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण में मेरठ परिक्षेत्र ने जुलाई 2025 की मासिक मूल्यांकन रिपोर्ट में एक बार फिर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। यह लगातार पाँचवां महीना है जब मेरठ रेंज ने अपनी बेहतर कार्यप्रणाली और जनहित प्राथमिकता के बल पर राज्य के अन्य परिक्षेत्रों को पीछे छोड़ा है।

पुलिस उपमहानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी ने बताया कि आईजीआरएस, जनसुनवाई और सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों का निस्तारण शासन की मंशा के अनुरूप पूरी तत्परता व पारदर्शिता से किया गया। डीआईजी नैथानी ने परिक्षेत्र के समस्त जनपद प्रभारियों को निर्देशित किया है कि शिकायतों की जाँच में लापरवाही न हो और सम्बंधित अधिकारी स्वयं मौके पर जाकर तथ्यपरक जाँच करें, न कि केवल फोन या थाने में बैठकर रिपोर्ट भेजें।

उन्होंने कहा कि हर थाना प्रभारी पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की जाँच से पूर्व स्वयं शिकायतकर्ता से फीडबैक लें और जाँच रिपोर्ट उसी के बाद अपलोड कराएँ। सभी थानों में शिकायतों व फीडबैक से संबंधित रजिस्टरों को नियमित रूप से अद्यतन रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। साथ ही यह भी तय किया गया है कि प्रत्येक पंद्रह दिन में नोडल अधिकारी स्वयं आईजीआरएस शिकायतों की समीक्षा करें। डीआईजी ने यह भी स्पष्ट किया कि घटनास्थल की भौगोलिक स्थिति यानी लैटीट्यूड व लॉन्गिट्यूड को भी जाँच आख्या में अनिवार्य रूप से अंकित किया जाए।

डीआईजी नैथानी ने जोर देकर कहा कि शासन की मंशानुरूप जन शिकायतों का गुणवत्ता सहित विधिक निस्तारण किया जाना अत्यंत आवश्यक है ताकि जनता को समय पर न्याय मिल सके। उनका कहना है कि समयबद्ध निस्तारण न केवल नागरिकों का विश्वास बढ़ाता है बल्कि पुलिस के विरुद्ध आने वाली अनावश्यक शिकायतों की संख्या में भी कमी आती है। मेरठ रेंज द्वारा प्राप्त यह निरंतर सफलता पुलिस प्रशासन की सक्रियता, संवेदनशीलता एवं जनहित के प्रति प्रतिबद्धता का परिचायक है।

कजरी उत्सव में बरसी फुहार... सराबोर भीगे श्रोता

संवाददाता

कुशीनगर। रामकोला स्थित शिव दुलारी देवी दल दपट शाही महिला महाविद्यालय में कजरी उत्सव का शानदार आयोजन हुआ। भारतीय लोक परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए समर्पित संस्था लोकमंजरी के द्वारा आयोजित इस उत्सव में जनपद कुशीनगर के नवोदित कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियां हुई। विश्व भोजपुरी सम्मेलन जिला इकाई कुशीनगर एवं विमर्श साहित्यिक सामाजिक सेवा संस्था पडरौना कुशीनगर के द्वारा इस आयोजन में अपने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई। पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी लोकमंजरी के अध्यक्ष विश्व मित्र भट्ट, बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ राम जियावान मौर्य, विश्व भोजपुरी सम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष सिद्धार्थ मणि त्रिपाठी,बी ई ओ रामकोला राजेश कुमार,महाविद्यालय के प्रबंधक राधे गोविंद शाही,प्राचार्य डॉक्टर मनिषा सिंह, डॉक्टरकालिंदी त्रिपाठी, डॉक्टर सुनीता पांडे, डॉ चंदन गौड़, मनोज शर्मा सारस्वत, प्रधानाचार्य शैलेंद्र दत्त शुक्ला आदि के द्वारा पुष्पार्चन एवं दीप प्रज्वलित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। गोस्वामी तुलसीदास के जन्म जयंती के अवसर पर उन्हें भी पुष्पांजलि दी गई। जेपी इंटर कॉलेज कप्तानगंज की बच्चियों ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत अभिनंदन लोकमंजरी के जिला अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक ज्ञानवर्धन गोविंद राव राहुल गोविंद राव और चंद्र आदित्य गोविंद राव ने किया। तत्पश्चात नमामि शंकर समूह नृत्य प्रस्तुत किया गया। कजरी झूमर अनामिका गुप्ता, श्वेता सिंह, आकाश पांडे और सुभाष सुहाना ने

समवेत स्वर में प्रस्तुत किया। नन्ही नन्ही बुंदिया रे, और कजरी समूह नृत्य जेपी इंटर कॉलेज की छात्राओं के द्वारा प्रस्तुत किया गया। शानदार समूह गान रुनझुन खोला ना हो केवड़िया हम विदेशवा जयबू ना पर श्रोताओं की तालियां देर तक बजती रही। तेज सिंह, देवानंद, आयुषी सिंह, जितेंद्र शर्मा, काजल राय, आदि बड़ी संख्या में नवांकुर कलाकारों ने शानदार प्रस्तुति दी। राधेश्याम और उनकी टीम के द्वारा बेहतरीन लोक नृत्य प्रस्तुत किया गया। भोजपुरी लोकगीत, लोक परंपराओं के संरक्षण संवर्धन, काव्य रचना, सहित अभिनव और रंगमंच के द्वारा अपनी उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने के लिए रंगमंच निर्देशक मानवेंद्र त्रिपाठी, कवि, पत्रकार, साहित्यकार एवं शिक्षक आर के भट्ट बावरा, पत्रकार साहित्यकार एवं कवि बेचू बी ए, पत्रकारिता एवं लोकगीत और उसकी परंपराओं को समृद्ध प्रदान करने के लिए दिनेश तिवारी भोजपुरिया को लोकमंजरी के द्वारा प्रशस्ति पत्र, अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने कहा कि लोकगीतों में ही लोक संस्कृति की आत्मा बसती है और लोक हृदय का सहज प्रतीकरण लोकगीत है। इस तरह के आयोजन अपनी लोक परंपराओं एवं संस्कृति को अगली पीढ़ी में हस्तांतरित करने का एक सुंदर जरिया है। लोक मंजरी के अध्यक्ष विश्वामित्र भट्ट ने कहा कि लोकगीतों, लोक नृत्यों एवं कलाओं का संरक्षण संवर्धन हम सभी का दायित्व है।

विश्व भोजपुरी सम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष सिद्धार्थ मणि त्रिपाठी ने कहा कि भोजपुरी लोकगीतों में जन्म से लेकर जीवन के हर संस्कार, प्रातः काल से लेकर संपूर्ण रात्रि के अलग-अलग प्रहार सहित, विभिन्न ऋतुओं गाए जाने वाले गीत के साथ ही श्रम आदि पर आधारित, विभिन्न तीज त्योहारों के अवसरों पर गाए जाने लोक गीत इस बात को और भी पुख्ता करते हैं की भोजपुरिया लोक संस्कृति उत्सव धर्मिता है और यह गीत इसी का प्रकटीकारण है। इस अवसर पर सीमा गुप्ता, महेंद्र पांडे, कृष्ण शाही, मधू सूदन पांडे, मुकेश त्रिपाठी, आशीष गोविंद राव, सुनीता सिंह, पप्पू पाण्डेय, अमरजीत मिश्रा, दिनेश शर्मा, पत्रकार आफताब आलम, फिरोज अश्क, सहित प्रतिष्ठित लोग उपस्थित रहे। अध्यक्षता विश्वामित्र भट्ट संचालन आर भट्ट बावरा एवं आभार ज्ञापन रामदरस शर्मा एवं ज्ञानवर्धन गोविंद राव के द्वारा किया गया। संगत कलाकारों में शहनाई पर अशोक वाल्मीकि, तबले पर प्रेम नारायण पांडे, कुमार यशवंत नाल पर, अमित कुमार ने पैड पर, और आर्गन पर संतलाल ने संगत किया।

संक्षिप्त डायरी

सतगुडही स्थान मंदिर गेट का प्रमुख प्रतिनिधि और जिपंस ने किया शिलान्यास

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। हाटा टेकुआटार मुख्य मार्ग पर (कुरमौटा मंझरिया) स्थित मां सतगुडही देवी मंदिर पर जनसहयोग से बनने वाले मुख्य द्वार का शिलान्यास ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सुधीर राव व सदस्य जिला पंचायत प्रदीप सिंह के द्वारा भूमि पूजन किया गया। बता दें कि उक्त स्थान पर क्षेत्र के सैकड़ों गांवों के लोगों का आस्था का केंद्र है क्षेत्रीय लोगों और ग्राम सभा के लोगों के जनसहयोग से मुख्य द्वार का शिलान्यास ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि सुधीर राव व जिला पंचायत सदस्य प्रदीप सिंह के द्वारा पूरे विधि-विधान पूर्वक पूजन अर्चन करने के साथ हुआ मुख्य द्वार के निर्माण कार्य में पूरे क्षेत्र के लोगों को जनसहयोग से निर्माण कार्य होगा। बीडीसी छोटे सिंह दिपू सिंह, बीडीसी मंटू सिंह, दुर्गेश शर्मा, रामनरेश सिंह, डीके पांडेय, सुनील कुमार, उपेंद्र यादव, साजिद सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

"मिशन शक्ति" के तहत महिला सुरक्षा व सशक्तिकरण को लेकर जनपद पुलिस का प्रभावी जागरूकता अभियान

संवाददाता

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित ॾमिशन शक्ति फेज-5.0ॾ के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता को सुनिश्चित करने हेतु पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपद सोनभद्र पुलिस द्वारा व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत जिले के सभी थाना क्षेत्रों में गठित मिशन शक्ति टीमों व एंटी रोमियो स्क्वॉड द्वारा बाजारों, शिक्षण संस्थानों, चौराहों, धार्मिक स्थलों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर महिला अधिकारों, सुरक्षा संसाधनों व कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। प्रमुख गतिविधियां- महिला सशक्तिकरण योजनाओं की जानकारीः मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, राष्ट्रीय पोषण मिशन, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना। महिला सुरक्षा हेल्पलाइन नंबरों का प्रचार-प्रसार एवं पंपलेट वितरण- महिला शक्ति हेल्पलाइन- 1090, महिला हेल्पलाइन-181, पुलिस आपात सेवा-112, सीएम हेल्पलाइन-1076, स्वास्थ्य सेवा-102, एम्बुलेंस- 108, साइबर हेल्पलाइन-1930। जन सहभागिता एवं संवाद- महिला पुलिसकर्मियों ने आमजन, विशेषकर युवतियों व महिलाओं से संवाद स्थापित कर उन्हें आश्वस्त किया कि किसी भी असुविधा अथवा उत्पीड़न की स्थिति में वे निःसंकोच पुलिस से संपर्क करें। आम नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए ऐसे अभियानों को नियमित रूप से आयोजित किए जाने की आवश्यकता जताई। जनपद पुलिस की प्रतिबद्धता- सोनभद्र पुलिस द्वारा महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण हेतु इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम मिशन शक्ति के तहत सतत रूप से आयोजित किए जाते रहेंगे, जिससे सकारात्मक सामाजिक वातावरण और जनसहभागिता को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके।

आजाद हिंद फौज के गोरिल्ला योद्धा स्व. सुमेश्वर राय को दी गई श्रद्धांजलि

संवाददाता

कुशीनगर। सोमवार को आजाद हिंद फौज के गोरिल्ला योद्धा स्व.सुमेश्वर राय की 39वीं पुण्यतिथी उनके पैतृक गांव पथरदेवा के ओलीपट्टी तथा राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व एमएलसी रामाशीष राय के लखनऊ स्थित आवास पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर रालोद के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व एमएलसी रामाशीष राय ने अपने दादा स्व. सुमेश्वर राय के त्याग, समर्पण और देशभक्ति के प्रेरणास्पद जीवन को स्मरण करते हुए कहा कि वे नेताजी सुभाष चंद्र बोस के आह्वान पर सिंगापुर में आजाद हिंद फौज में शामिल हुए थे और गोरिल्ला नंबर 7यूनिट के सिपाही के रूप में वीरता पूर्वक अंडमान, रंगून होते हुए मणिपुर की सीमा तक लड़े थे। श्री राय ने कहा कि स्व. सुमेश्वर राय का जीवन हम सभी के लिए ऊर्जा और प्रेरणा का स्त्रोत है। वे अनुशासित, न्यायप्रिय, कर्मठ और परिश्रमी व्यक्तित्व के धनी थे। हमें गर्व है कि हम उनके वंशज हैं और उनके पदचिह्नों पर चलने का प्रयास कर रहे हैं। इस अवसर पर भाऊराव देवरस इंटर कॉलेज,ओलीपट्टी पथरदेवा के समस्त शिक्षक, छात्र एवं परिवारीजन प्रबंधक राजेश्वर राय, प्रधानाचार्य ओंकार सिंह, चंद्रभूषण तिवारी, देवेन्द्र राय, ओमप्रकाश राय, अवनिंद्र राय, आकाश राय, अनिल सिंह, अवधेश सिंह, कमलेश गुप्ता, सुरेश राय आदि श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए और स्व. राय को कोटि-कोटि नमन अर्पित किया। सभी ने उनके राष्ट्रसेवा से जुड़े गौरवशाली योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

रक्षाबंधन पर 3 दिन फ्री सफर करेंगी महिलाएं

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रक्षाबंधन पर बहनों को बड़ी सौगात दी है। 8 अगस्त की सुबह से 10 अगस्त की रात 12 बजे तक यूपी रोडवेज (UPSRTC) और शहरी बसों में महिलाएं मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। यह सुविधा पूरे प्रदेश में लागू होगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इन तीन दिनों तक पर्याप्त बसों का संचालन करने का निर्देश दिया है, ताकि महिलाओं को समस्या न हो। लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर जैसे बड़े शहरों में अधिक भीड़ होती है। इस वजह से इन शहरों में विशेष प्रबंध करने का निर्देश दिया है। इससे भाई-बहनों को त्योहार पर आवागमन में कोई परेशानी नहीं होगी। रक्षाबंधन की घोषणा के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) और उससे जुड़े आयोजनों की भी समीक्षा की। उन्होंने बताया कि इस बार पूरे प्रदेश में 4.60 करोड़ तिरंगे फहराए जाने हैं। इसके लिए 8 अगस्त तक तिरंगा निर्माण कार्य पूरा कर लेने के निर्देश दिए गए हैं। सीएम योगी ने कहा कि 9 अगस्त से 12 अगस्त तक तिरंगा यात्रा, तिरंगा महोत्सव और मेलों का आयोजन किया जाएगा।

एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस की पहल से गोशाला में शुरू होगा सीएनजी उत्पादन, गोबर से बनेगी हरित ऊर्जा

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) जलपुरा स्थित गोशाला अब केवल गोवंशों की सेवा का केंद्र नहीं, बल्कि हरित ऊर्जा उत्पादन का नया अध्याय लिखने जा रही है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस की अगुवाई में यहां 50 टन प्रतिदिन क्षमता वाला कंप्रेस्ड बायो गैस प्लांट स्थापित किया जा रहा है, जिसकी नींव सोमवार को दादरी विधायक तेजपाल नागर, भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा और प्राधिकरण अधिकारियों ने संयुक्त रूप से रखी। करीब 20 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस प्लांट का संचालन निर्माणकर्ता एजेंसी एस-3 फ्यूल प्राइवेट लिमिटेड करेगी, जिससे प्राधिकरण पर कोई आर्थिक

बोझ नहीं आएगा। प्लांट से गोबर का प्रोसेस कर खाना पकाने और वाहनों के ईंधन में इस्तेमाल की जाने वाली कंप्रेस्ड गैस तैयार की जाएगी। आईजीएल से इसके वितरण को लेकर बातचीत भी अंतिम चरण में है।

विधायक तेजपाल नागर ने इसे गोसेवा और पर्यावरण संरक्षण का अभिनव संगम बताते हुए कहा कि इस योजना से न केवल गोशाला की आत्मनिर्भरता बढ़ेगी, बल्कि आसपास के पशुपालकों को भी आर्थिक लाभ होगा, क्योंकि वे

अपना गोबर प्लांट को बेच सकेंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कहा कि लंबे समय से ग्रेटर नोएडा में बायोगैस प्लांट की जरूरत महसूस की जा रही थी, जो अब पूरी होने जा रही है। एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने बताया कि प्लांट एक साल में बनकर तैयार होगा, जो प्रतिदिन 50 टन गोबर प्रोसेस कर सकेगा। इससे न सिर्फ गोशाला की सफाई बनी रहेगी, बल्कि ह्लग्रीन इंडिया, क्लीन इंडियाह्व मुहिम को भी बल मिलेगा। उन्होंने पशुपालकों से आह्वान किया कि वे गोबर को नालियों या सीवर में न डालें, जिससे सफाई व्यवस्था और प्लांट दोनों को सहयोग मिल सके।

प्लांट की स्थापना में अहम भूमिका निभा रही कंपनी एस-3 फ्यूल प्राइवेट लिमिटेड के को-फाउंडर विरल शाह ने बताया कि यह ग्रेटर नोएडा का पहला ऐसा प्लांट होगा, जिससे मिलने वाली गैस को घरेलू और औद्योगिक दोनों रूपों में उपयोग किया जा सकेगा।

इस अवसर पर एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस, ओएसडी गिरीश कुमार झा, जीएम आरके भारती, वरिष्ठ प्रबंधक राजेश कुमार गौतम, प्रबंधक मनोज चौधरी और एस-3 फ्यूल के को-फाउंडर गरुण गौतम समेत कई अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

ईस्टर्न पेरीफेरल पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का भाजपा कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने किया स्वागत

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)।
उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के गौतमबुद्धनगर आगमन पर सोमवार को लुहारली के समीप ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर भाजपा कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने एकजुट होकर ऐतिहासिक स्वागत किया। बुलंदशहर की ओर जाते समय उपमुख्यमंत्री का काफिला जैसे ही ग्रेटर नोएडा की सीमा में दाखिल हुआ, वैसे ही चारों ओर भाजपा कार्यकताओं के नारों की गूंज और पुष्पवर्षा से वातावरण गूंज उठा।

इस विशेष अवसर पर भाजपा गौतमबुद्धनगर के जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा के नेतृत्व में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में जोश और उत्साह देखते ही बनता था। शर्मा ने बताया कि इस आयोजन में बुलंदशहर से सांसद डॉ. भोला सिंह, उत्तर प्रदेश विधान परिषद सदस्य श्रीचंद शर्मा और भाजपा के प्रदेश मंत्री बसंत त्यागी की उपस्थिति ने पूरे कार्यक्रम को गौरवमयी बना दिया।

कार्यकताओं के चेहरों पर उपमुख्यमंत्री के स्वागत का उत्साह स्पष्ट झलक रहा था। जिलाध्यक्ष के अनुसार यह केवल एक स्वागत समारोह नहीं, बल्कि कार्यकताओं की संगठनात्मक ताकत और नेतृत्व के प्रति निष्ठा का प्रत्यक्ष प्रदर्शन था। स्वागत समारोह में जिला उपाध्यक्ष देवा भाटी, पवन रावल, धर्मेन्द्र कोरी, वीरेंद्र भाटी, कर्मवीर आर्य, संजय भाटी, राजीव सिंघल, तरुण शर्मा समेत पार्टी के सैकड़ों कर्मठ कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने मिलकर उपमुख्यमंत्री का जोरदार अभिनंदन कर प्रदेश

नेतृत्व के प्रति अपनी एकजुटता और समर्थन को व्यक्त किया।

ढोल-नगाड़ों की धुन पर गूंजते जयकारों के बीच जिस प्रकार से भाजपा कार्यकताओं ने अतिथियों का स्वागत किया, वह न केवल संगठन की जीवंतता का प्रतीक था, बल्कि यह संदेश भी दे गया कि कार्यकर्ता ही पार्टी की असली शक्ति हैं और उनके जोश के सामने कोई भी चुनौती छोटी पड़ जाती है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में खुले में कूड़ा फेंकना अब पड़ेगा भारी, प्राधिकरण ने सख्त चेतावनी के साथ की जुमार्ने की तैयारी

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) ग्रेटर नोएडा वेस्ट की सोसायटियों में कूड़ा निस्तारण को लेकर लापरवाही अब भारी पड़ सकती है। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स-2016 का पालन न करने पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने बल्क वेस्ट जनरेटरों को सख्त चेतावनी जारी करते हुए साफ कर दिया है कि अब अनदेखी नहीं चलेगी जागरूकता के बाद सीधे जुमार्ना लगेगा।

प्राधिकरण के ग्रेनो वेस्ट प्रभारी ओएसडी गुंजा सिंह के निर्देश पर सोमवार को सेक्टर-16बी की अजनारा होम्स, सेक्टर-16 की विक्टोरिया अमारा, कासा ग्रीन सहित कई सोसायटियों का निरीक्षण किया गया। स्वास्थ्य विभाग के जेई कुलदीप शर्मा और स्वास्थ्य निरीक्षक संजीव बिधूड़ी की टीम ने सोसायटी प्रतिनिधियों से सॉलिड वेस्ट के पृथक्करण, प्रोसेसिंग और वैज्ञानिक निस्तारण को लेकर संवाद किया और चेतावनी दी कि यदि कूड़ा गीले-सूखे रूप में अलग कर उपचारित नहीं किया गया और खुले में फेंका गया, तो नियमों के तहत जुमार्ना और अन्य कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर बताया कि अब सिर्फ अपील से काम नहीं चलेगा, हर सोसायटी को कचरा प्रबंधन की जिम्मेदारी निभानी होगी। निरीक्षण के दौरान कई सोसायटियों में सॉलिड वेस्ट के समुचित उपचार की कमी भी सामने आई, जिस पर प्राधिकरण ने अंतिम चेतावनी जारी की है। ओएसडी गुंजा सिंह ने दो टूक कहा कि प्राधिकरण अब सख्ती के साथ कचरा निपटान नियमों

को लागू कराने की दिशा में कदम बढ़ा चुका है। पहले चरण में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, लेकिन अब जो भी बल्क वेस्ट जनरेटर कूड़े की प्रोसेसिंग में लापरवाही करेगा, उस पर सीधे जुमार्ना लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ शहर के लिए यह कदम जरूरी है और इसमें सभी को सहयोग करना होगा। प्राधिकरण की यह सख्ती साफ संकेत देती है कि ग्रेटर नोएडा में अब स्वच्छता के मामले में समझौता नहीं किया जाएगा।

शिक्षकों ने नवागत डीएम से की भेंट, शिक्षा व्यवस्था में सुधार की रखी नींव

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। गौतम बुद्ध नगर की नई जिलाधिकारी मेधा रूपम से सोमवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की। जिलाधिकारी के स्वागत के साथ ही यह मुलाकात शिक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर विमर्श में तब्दील हो गई। संघ के जिला संरक्षक अशोक शर्मा, मंडल अध्यक्ष मेघराज भाटी, जिलाध्यक्ष प्रवीण शर्मा, मंत्री गजन भाटी, उपाध्यक्ष भगवत शर्मा, दनकौर ब्लॉक अध्यक्ष सतीश पीलवान और मंत्री रामकुमार शर्मा ने शिक्षकों से जुड़े जमीनी मुद्दों को विस्तार से रखा। प्रतिनिधियों ने शिक्षकों की अपेक्षाएं, संसाधनों की स्थिति और शैक्षिक गुणवत्ता सुधार जैसे विषयों पर प्रशासनिक सहयोग की अपील की। जिलाधिकारी ने भी सकारात्मक रुख दिखाते हुए संवाद और सहयोग को प्राथमिकता देने का आश्वासन दिया। संघ ने विश्वास जताया कि श्रीमती रूपम के नेतृत्व में जिले की शिक्षा प्रणाली में व्यावहारिक सुधार की नई लहर देखने को मिलेगी। इस भेंट ने न सिर्फ प्रशासन और शिक्षकों के बीच सेतु का काम किया, बल्कि भविष्य के लिए आशा की मजबूत बुनियाद भी रखी।

कांग्रेस कमेटी नोएडा की संगठन सृजन समीक्षा बैठक संपन्न

नोएडा (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर पूरे उत्तर प्रदेश में जारी संगठन सृजन अभियान के तहत महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा के संगठन सृजन अभियान की समीक्षा बैठक आज सैक्टर 52 स्थित पार्टी कार्यालय पर संपन्न हुई।महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश यादव ने समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी व उपस्थित कांग्रेस कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जिस प्रकार से बीते लगभग तीन महीने से जनपद के कांग्रेस कार्यकर्ता लगातार सैक्टर ओर गांव में जाकर पुराने कांग्रेसी कार्यकताओं में नया जोश भरने का काम कर रहे हैं, वहीं कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता लगातार संगठन सृजन के अभियान को मजबूती के साथ आगे बढ़ने का काम कर रहे हैं।समीक्षा बैठक में अपनी बात को आगे बढ़ते हुए अध्यक्ष मुकेश यादव ने कहा कि जिस प्रकार नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी वर्तमान सरकार की किसान विरोधी, नौजवान विरोधी और संविधान संविधान विरोधी रीति-नीति का विरोध

संसद समेत तमाम मंचों पर कर रहे हैं। इसी प्रकार वास्तव में जो समस्याएं हमारे जनपद में हैं जिनकी मूल जड़ उत्तर प्रदेश की वर्तमान भाजपा स-रकार है इसका पुरजोर विरोध हम कार्यकताओं को मजबूती से करना है।जब तक सशक्त संगठन नहीं होगा,जब तक नए लोगों का जुड़ाव कांग्रेस पार्टी से नहीं होगा,जब तक अपने मिशन से हम बूथ तक के व्यक्ति को नहीं जोड़ेंगे तब तक संगठन सृजन और सड़क से लेकर के विधानसभा तक सरकार की जन विरोधी नीतियां और उनका विरोध मजबूती से नहीं किया जा सकता है। इसलिए ब्लॉक मंडल और बूथ की कमेटियाँ हमें जल्दी से जल्दी तैयार करके मैदान में उतरना होगा।आज की बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों में अध्यक्ष मुकेश यादव, लियाकत चौधरी, फिरे सिंह नागर, राजकुमार भारती, संजय तनेजा, यतेंद्र शर्मा, ललित अवाना, मधुराज, डॉ सीमा, एस एस सिसोदिया, दयाशंकर पांडेय, राहुल पांडेय, रामकुमार शर्मा, कैप्टन पी एस रावत, चांद मोहम्मद सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रतिभा सम्मान समारोह एवं सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

नोएडा (शिखर समाचार)। माहेश्वरी समाज, नोएडा की ओर से रविवार को सांय अग्रवाल ऑडिटोरियम में वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।समाज के परिवार के सदस्यों की ओर से मिटटी की खुशबु की थीम पर नई एवं पुरानी शैली के विभिन्न नृत्यों की बहुत ही सुन्दर एवं मनमोहक प्रस्तुति, ऑपरेशन सिन्दूर को प्रदर्शित करते हुए पर पेश की गई। विविधताओं से भरे हुए इस मनोरंजक कार्यक्रम में सुन्दर नाटिका का भी मंचन किया गया।सभी दर्शक इस नाट्य मंचन का आनंद लेते हुए देशभक्ति के रस में सरोबार हो गए। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ ही समाज के 46 प्रतिभाशाली छात्रों का सम्मान भी किया गया। लक्ष्य चांडक को 12इँ में 91% अंक लाकर समाज को गौरवान्वित करने के लिए पुरस्कृत किया गया। अनिश डाड, अर्नव राठी, श्रेया हेडा, ने इस वर्ष

कक्षा 10 में 95% से ज्यादा अंक प्राप्त किये। समाज के 2 अन्य छात्रों, कृष्णा गग्गर को IIT मुंबई से बी.टेक. एवं रिषभ राठी को आईआईएम कोलकाता से टइअ की उपाधि प्राप्त करने पर पुरस्कृत किया गया। समाज के सभी छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर एनसीआर के कई गणमान्य माहेश्वरी नागरिको एवं नोएडा की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों को भी आमंत्रित किया गया। माहेश्वरी समाज समय समय पर इस प्रकार के कार्यक्रम करता रहता है। इन आयोजनो से संस्था की विभिन्न प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मौका मिलता है।संस्था के

अध्यक्ष कपिल लखोटिया ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा की आज माहेश्वरी समाज सभी क्षेत्रो में देश की प्रगति में अग्रणीय रूप से भागीदार है।समाज को आज के प-रवेश के अनुरूप देश की जवलंत समस्याओं के समाधान में अपनी भागीदारी बढ़नी चाहिए।उन्होंने युवा वर्ग को इसके लिए आगे आने का आवाहन भी किया।महासचिव सु-शील चांडक एवं कोषाध्यक्ष वासु राठी ने कार्यक्रम के सफल संयोजन के लिए सभी कार्यकताओं को ध्यन्यवाद दिया। साथ ही संस्कर्तिक आयोजन में विभिन्न सहयोग के लिए संगीता चांडक, सरिता सोनी, कविता मूंदड़ा, एवं रंजना लखोटिया का आभार व्यक्त किया। सभी युवा सदस्यों एवं महिला सदस्यों को बधाई देते हुए धन्यवाद दिया एवं सभी आगंतुक अथितियों को सुरुचि पूर्ण भोजन के लिए आमंत्रित किया।कायक्रम में सम्मिल्लित माहेश्वरी समाज के सदस्य एवं अतिथियों में आर पी सोनी, अनिल लाहोटी, डॉ रवि मोहता, नरेन्द्र पंफालिया, मनोज अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, शेखर अग्रवाल, विजय सोनी, श्यामसुंदर सोनी, गिरीश माहेश्वरी, प्रकाश इनाणी, दिनेश माहेश्वरी, नितिन झंवर, विजय मालपानी, आर एन मालू, राकेश माहेश्वरी, दीपक माहेश्वरी, नरेश सोढानी, अरविंद सांवल, दिलीप बाहेती, अजीत परवाल, नंद्किशोर चांडक, के के सादानी, रविन्द्र मूंदड़ा, रमाकांत माहेश्वरी, प्रभात माहेश्वरी, बालमुकुन्द माहेश्वरी, अशोक बियाणी, ओ पी अजमेरा, एन के मालपानी,अभिन्द्रा गगरानी सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए।

सावन के अंतिम सोमवार को जलाभिषेक के लिए उमड़े श्रद्धालू

रबूपुरा/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। एरिया के गांव भाईपुर ब्रह्मनान स्थित श्री नानकेश्वर महादेव शिव मंदिर में सावन के चौथे व अंतिम सोमवार को जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। काफी समय में भक्तों ने भगवान भोलेनाथ को जल चढ़ाया। इस दौरान हर हर महादेव के जयकारों से मंदिर परिसर गूंजता रहा। मंदिर में जलाभिषेक के लिए सुबह से ही शिवभक्तों की लंबी लाइनें लगनी शुरू हो गई और वहीं दोपहर बाद तक जलाभिषेक करने का सिलसिला जारी रहा। मंदिर में हर हर महादेव और बोल बम के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया है। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव पर गंगाजल और दूध से अभिषेक करने के साथ कमल, बेलपत्र, भांग और अक्षत से पूजन किया। भक्तों ने भोलेनाथ का जलाभिषेक कर घर में सुख शांति की प्रार्थना की। शिवभक्तों की सुविधा के लिए और सुचारू रूप से जलाभिषेक कराने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। सुबह सवेरे मंदिर के कपाट खुलने के बाद से ही श्रद्धालुओं की लम्बी लम्बी लाइनें लग गई। सावन का अंतिम सोमवार पर भारी संख्या में शिव भक्त पैदल चलकर और अपने वाहनों में सवार होकर मंदिर पहुंचे।

सरकारी योजनाओं का लाभ देने के लिए कैंप लगाया

रबूपुरा/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। एरिया के गांव चांदपुर में सोमवार को वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, किसान सम्मान निधि और आयुष्मान आदि सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ ग्रामीणों तक पहुंचाने के लिए विभागीय टीमों ने कैंप का आयोजन किया। इस कैंप में 45 से अधिक लोगों ने पेंशन आदि सरकार की योजनाओ के लिए आवेदन किया। उधर ग्रामीणों का आरोप है कि हल्का लेखपाल को कैंप की सूचना दी गई थी। बावजूद इसके वह कैंप में नहीं पहुंची। जबकि ग्रामीणों के आवेदनों पर लेखपाल की रिपोर्ट लगनी बेहद जरुरी थी। ग्रामीण पूरा दिन लेखपाल का इंतजार करते रहे। लेकिन वह कैंप में नहीं पहुंची। इस दौरान समाज कल्याण विभाग की टीम के साथ कृषि विभाग, यूपी कौशल विकास विभाग, महिला कल्याण विभाग, आपूर्ति विभाग और दिव्यांग विभाग के दीपक चौहान, शरद गौड़, टीनू भाटी, सुधीर कुमार, पुष्पेन्द्र सिंह, मीनू सिंह व विक्रम सिंह आदि मौजूद रहे।

नोएडा में बोल बम के जयकारों से गूंजे मंदिर

नोएडा (शिखर समाचार)। सावन महीने के अंतिम सोमवार को शिव भक्तों ने शिवालयों में शिवलिंग का जलाभिषेक किया। सुबह चार बजे ही मंदिरों के कपाट खोल दिए गए है। इसके बाद से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार आ रही है। श्रद्धालु बेल पत्र, धतूरा, भांग, दूध, दही, घी, शहद से अभिषेक कर रहे है। इस दौरान मंदिरों भारी पुलिस बल भी तैनात रहा। साथ कई मंदिरों में सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जा रही है। ताकि किसी प्रकार की अनहोनी से बचा जा सके। सावन माह के अंतिम सोमवार को शिव भक्त जलाभिषेक करने के लिए सुबह चार बजे से ही मंदिरों में पहुंचने लगे। सफाबाद स्थित प्राचीन शिव मंदिर, सेक्टर-19 स्थित सनातन धर्म मंदिर, सेक्टर-20 स्थित हनुमान मंदिर, सेक्टर-100 स्थित वोडा महादेव मंदिर, सेक्टर-82 शिव मंदिर, चौड़ा गांव दुर्गा मंदिर, सेक्टर-12 नर्मदेश्वर मंदिर में शिव भक्तों ने भगवान शिव के जलाभिषेक कर मनोकामनाएं मांगी। मंदिर प्रशासन ने शिव भक्तों की भीड़ को देखते हुए, कतार में लगवाकर जलाभिषेक कराया। कई मंदिरों में सामुहिक अनुष्ठान भी कराया गया। मंदिरों के बाहर ही पूजा के सामान की दुकान लगाई गई। जिससे श्रद्धालुओं को दिक्कत न हो। इसके अलावा मंदिर परिसर और बाहर दोनों स्थानों पर पुलिस बल तैनात किया गया है। संदिग्ध पर नजर रखी जा रही है। सनातन धर्म मंदिर में सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। इसके अलावा सेक्टर-20 मंदिर में बाहर लाइन लगवाकर श्रद्धालुओं को अंदर प्रवेश दिया जा रहा है।

लोगों ने भू-उपयोग के परिवर्तन की मांग उठाई

नोएडा (शिखर समाचार)। नोएडा सिटीजन फोरम की ओर से सेक्टर-121 में सोमवार को जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विधायक पंकज सिंह के सामने सेक्टर 123 में भू-उपयोग के परिवर्तन की मांग उठाई गई। जनसंवाद में लोगों ने कहा कि प्राधिकरण कई स्थानों पर कूड़ा डंप कर रहा है, जो प्रदूषण का भी कारण बन रहा है। सेक्टर-123 में भी प्राधिकरण कूड़ा निस्तारण प्लांट लगाना चाहता है। यहां आस-पास में बड़ी आबादी रहती है। उन्होंने यहां पर कूड़ा निस्तारण प्लांट स्थापित न करने की मांग की। इस दौरान गरिमा त्रिपाठी, रश्मि द्विवेदी, होम्स 121 सोसायटी के अध्यक्ष चक्रधर मिश्रा, दिनेश सिंह आदि उपस्थित थे। इसके अलावा नोएडा विधायक पंकज सिंह ने ग्रैंड अजनारा हेरिटेज सेक्टर 74, आम्रपाली सिलिकॉन सिटी सेक्टर 76, आम्रपाली प्रिंसली इस्टेट सेक्टर 76, सेठी मैक्स रोयल सेक्टर 76, क्लियो काउंटी सेक्टर 121, अजनारा होम्स सेक्टर 121, प्रतीक लोरेल सेक्टर 120, एवं गौर ग्रैन्डयोर सेक्टर 119 में भी जनसंवाद का कार्यक्रम आयोजित कर लोगों की समस्याएं सुनीं। प्राधिकरण के अधिकारियों को इन समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए। पंकज सिंह ने प्राधिकरण के अधिकारियों से कहा कि समस्या के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी।

नोएडा में बंद कार के अंदर दो लोगों की मौत, एसी चलता रहा, दम घुटने की आशंका

नोएडा (शिखर समाचार)। शहर के खोड़ा गांव क्षेत्र में सोमवार को एक बंद कार में दो व्यक्तियों के मृत अवस्था में मिलने से सनसनी फैल गई। राह चलते लोगों की नजर जब कार की खिड़कियों से अंदर पड़े निर्जीव शरीरों पर पड़ी और भीतर कोई हरकत नहीं दिखी, तब शक गहराया। पुलिस को सूचना दी गई। थाना सेक्टर-58 पुलिस मौके पर पहुंची और कार का लॉक तोड़ कर शवों को बाहर निकाला। जांच के दौरान पता चला कि कार भीतर से सेंट्रल लॉक थी और एसी लगातार चल रहा था। शवों की स्थिति और घटनास्थल की परिस्थितियां इस ओर इशारा कर रही हैं कि दम घुटने से दोनों की मौत हुई है। मृतकों की पहचान प्रेम विहार खोड़ा कॉलोनी गाजियाबाद निवासी 27 वर्षीय सचिन और पास में ही रहने वाले 50 वर्षीय लक्ष्मी शंकर के रूप में हुई है। दोनों पड़ोसी थे और उनका आपसी मेलजोल था। फोरेंसिक टीम ने मौके पर जांच की और पाया कि शवों पर किसी तरह की चोट या संघर्ष के निशान नहीं थे। प्राथमिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि दोनों ने अत्यधिक शराब पी रखी थी। नशे की हालत में कार के दरवाजे लॉक हो गए और ऑक्सीजन की कमी के कारण दम घुट गया। घटना स्थल के पास कॉर्ल हूबर स्कूल के सामने रोड पर कार रात से ही खड़ी थी, लेकिन दोपहर बाद जब किसी ने ध्यान दिया तब जाकर हकीकत सामने आई। सूचना पर मृतकों के परिजन मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और आगे की जांच जारी है। अऊब्ढ सुमित शुक्ला के अनुसार, कार नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोलॉजी के पास सड़क किनारे खड़ी मिली। दोनों मृतकों की पहचान कर ली गई है और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

अवैध तमंचे व कारतूस के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) बहादुरगढ पुलिस ने चैकिंग के दौरान अवैध तमंचेव कारतूस के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के विरूद्ध मुकदमा दर्ज करके कार्रवाई की गई है। बहादुरगढ थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि पुलिस टीम ने ऑपरेशन शस्त्र में चैकिंग के दौरान गांव जखैडा के रास्ते पर एक संदिग्ध को देखकर जब उसकी तलाशी ली तो उसके पास से अवैध तमंचा व कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करते हुऐ उसके विरूद्ध अवैध शस्त्र अधिनियम की धारा में मुकदमा दर्ज करके कार्रवाई की है।

संपादकीय

भारत-फिलीपींस नौसेना अभ्यास: समुद्री मोर्चे पर भारत की निर्णायक उपस्थिति

भारत और फिलीपींस ने 4 अगस्त 2025 को दक्षिण चीन सागर में अपना पहला संयुक्त नौसेना अभ्यास करके न केवल आपसी सैन्य संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ा है, बल्कि पूरे एशिया-प्रशांत क्षेत्र को यह संदेश दिया है कि भारत अब केवल क्षेत्रीय संतुलन का समर्थक नहीं, बल्कि एक सक्रिय भागीदार बन चुका है। इस अभ्यास में भारत की ओर से युद्धपोत 'आईएनएस दिल्ली', तेलवाहक पोत 'आईएनएस शक्ति' और पनडुब्बी रोधी युद्धपोत 'आईएनएस किल्टन' शामिल हुए जबकि फिलीपींस की नौसेना ने बीआरपी मिगुएल मालवार और बीआरपी जोसे रिजाल को तैनात किया। यह सैन्य अभ्यास फिलीपींस के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड एक्सक्लूसिव इकनॉमिक जोन) में हुआ, जहां चीन भी अपने अधिकार का दावा करता है। इस इलाके में भारतीय युद्धपोतों की सक्रिय उपस्थिति एक नये कूटनीतिक समीकरण की आहट देती है, जो चीन के प्रभाव को संतुलित करने में मददगार हो सकती है। यह अभ्यास ऐसे समय में हुआ है जब फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर भारत के आधिकारिक दौरे पर हैं और उन्होंने रक्षा, औषधि (फार्मा) और कृषि क्षेत्र में सहयोग को लेकर कई समझौते किए हैं, जिनमें ब्रह्मोस सुपरसोनिक (अति-ध्वनि) प्रक्षेपास्त्र प्रणाली की खरीद भी शामिल है। यह अभ्यास न केवल दोनों देशों के बीच सैन्य विश्वास को गहरा करता है बल्कि यह भी दशार्ता है कि भारत की हिंद-प्रशांत नीति अब वास्तविकताओं पर आधारित है, न कि केवल भाषणों और मंचीय घोषणाओं तक सीमित। दक्षिण चीन सागर पिछले एक दशक से वैश्विक भू-राजनीतिक (जियो-पॉलिटिकल) तनाव का केंद्र बना हुआ है, जहां चीन अपने नाइन-डैश लाइन के जरिए लगभग पूरे समुद्री क्षेत्र पर दावा जताता रहा है। अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों ने इस क्षेत्र में बार-बार नेविगेशन की स्वतंत्रता (फ्रीडम ऑफ नेविगेशन) अभियानों के माध्यम से इस दावे का प्रतिकार किया है, लेकिन भारत की भूमिका अब तक तुलनात्मक रूप से संयमित रही है। ऐसे में भारत का यह पहला सामरिक (स्ट्रैटेजिक) अभ्यास न केवल रक्षा साझेदारी का प्रतीक है, बल्कि यह भारत की समुद्री दृष्टिकोण में आए बदलाव को भी रेखांकित करता है। भारत अब स्पष्ट कर रहा है कि यदि क्षेत्रीय देशों की संप्रभुता को चुनौती दी जाएगी तो वह केवल चिंता प्रकट नहीं करेगा, बल्कि ठोस कार्रवाई भी करेगा। इस अभ्यास की एक और अहम बात यह है कि इसे सिर्फ एक सैन्य कवायद न मानकर इसे क्षेत्रीय स्थिरता और बहुपक्षीय (मल्टी-लेटरल) सहयोग के संकेतक के रूप में देखा जाना चाहिए। यह अभ्यास हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की एक्ट ईस्ट (पूर्व की ओर सक्रियता) नीति की वास्तविक परिणति है, जिसमें वह रणनीतिक, सैन्य और आर्थिक तीनों मोर्चों पर साझेदारी को मजबूत कर रहा है। इससे यह स्पष्ट होता है कि भारत अब सिर्फ पश्चिमी सीमा या हिंद महासागर तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि दक्षिण चीन सागर जैसे जटिल क्षेत्र में भी अपनी सक्रिय भूमिका निभाने को तैयार है। हालांकि इस पहल के साथ कुछ चुनौतियाँ भी सामने आएंगी। सबसे पहली है चीन की प्रतिक्रिया। चीन ने पहले ही फिलीपींस पर दबाव बनाकर उसके अमेरिकी गठजोड़ (अलायंस) को ह्यउकसाने की नीतिह्न करार दिया है और अब भारत की सक्रियता पर उसकी निगरानी और अधिक तीखी हो सकती है। दूसरी चुनौती है भारत की समुद्री उपस्थिति को स्थायी बनाने के लिए आवश्यक संसाधनों और लॉजिस्टिक व्यवस्था (आवश्यक सामग्री आपूर्ति प्रणाली) का निर्माण, जो एक लंबे समय की रणनीति और निरंतर निवेश की मांग करता है। तीसरी चुनौती यह है कि भारत को अपनी इस नई भूमिका के प्रति घरेलू जनसमर्थन भी जुटाना होगा, जिससे यह स्पष्ट हो कि यह कदम किसी भी युद्ध नीति का नहीं, बल्कि क्षेत्रीय संतुलन और शांति के लिए जरूरी रणनीतिक सहभागिता का हिस्सा है।

~ मौलिक चिंतन ~

कोशिश किए बिना हार मान लेना सबसे बड़ी कायरता है।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

© विनय संकोची

शिबू सोरेन :'संथाल हूल' के विस्तार की से राजनीतिक शुरूआत

सुधीर पाल

सन् 1855 में जब सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, और फुलो-झानो ने 'दामिन-ए-कोह' की धरती पर अंग्रेजी राज, महाजनों और जमींदारों के खिलाफ बगावत का बिगुल फूंका, तो वह सिर्फ हथियारबंद विद्रोह नहीं था, वह एक नई शासन व्यवस्था की माँग थी–जिसमें आदिवासी समाज अपने तरीके से जी सके, अपने नियम बना सके और अपनी जमीन, जंगल और संस्कृति की रक्षा कर सके।

इसी विचार की एक और कड़ी शिबू सोरेन की चेतना में दिखाई देती थी। शिबू सोरेन का प्रारंभिक संघर्ष भी बिल्कुल वैसा ही था जैसा संथाल विद्रोह का – महाजनों के खिलाफ, जमींदारों के शोषण के खिलाफ, और पुलिसिया अत्याचारों के विरुद्ध। उन्होंने 'धान काटो आंदोलन', जंगल में समाज सुधार सभाएं, शराबबंदी अभियान, बाल विवाह विरोधी आंदोलन जैसे सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम चलाए। शुरूआत में उनका आंदोलन उग्र था – हिंसा भी हुई, पुलिस से टकराव हुआ। लेकिन फिर के.बी. सक्सेना जैसे अधिकारियों के हस्तक्षेप और शिबू सोरेन की वैचारिक परिपक्वता के कारण यह आंदोलन लोकतांत्रिक दिशा में मुड़ा।

जहाँ संथाल विद्रोह में राजा की जगह आदिवासी ग्राम प्रमुख की कल्पना थी, वहीं शिबू सोरेन के आंदोलन में भी गांवों की संप्रभुता की मांग थी। जहाँ संथाल विद्रोह में हूल था, वहाँ शिबू सोरेन के आंदोलन में हुंकार थी–लेकिन उद्देश्य एक था-हम अपनी जमीन, जंगल और आत्मा पर किसी बाहरी सत्ता को स्वीकार नहीं करेंगे।

शिबू सोरेन सिर्फ एक नेता नहीं हैं, वे उस क्रांति का नाम हैं, जो जमीन की गंध से उठी थी और संसद तक पहुंची। जब भारत की राजनीति में हाशिए पर खड़े समुदायों की बात होती है, तो झारखंड के आदिवासियों की पीड़ा और प्रतिरोध की गाथा में एक नाम सबसे पहले उभरता है–शिबू सोरेन। वे सिर्फ एक राजनेता नहीं, बल्कि झारखंड के जनांदोलन के प्रतीक हैं। उनका जीवन, उनके विचार और उनके संघर्ष आदिवासी अस्मिता, जमीन, जंगल और जल की रक्षा के लिए खड़े हुए उस विराट आंदोलन का हिस्सा है, जिसने एक राज्य को जन्म दिया और हाशिए पर खड़े लोगों को आवाज दी।

एक समय नक्सली, फिर जन नेता

शिबू सोरेन का शुरूआती जीवन एक तरह से विद्रोही राजनीति की गोद में पला। उन्होंने जमींदारी, महाजनी और बाहरी तत्वों के खिलाफ आवाज बुलंद की। उन्होंने आदिवासी किसानों को इकट्ठा कर धनकुबेरों की जमीनों पर हल चलाने की मुहिम शुरू की। यह आंदोलन कई बार हिंसक भी हुआ। सरकारी दस्तावेजों में उनका नाम खतरनाक तत्वों की सूची में आ गया। पुलिस उन्हें पकड़ नहीं पा रही थी, लेकिन जनता उन्हें गुरुजी के नाम से जानने लगी थी।

कई दस्तावेज बताते हैं कि वे नक्सलपंथी विचारधारा की ओर आकर्षित थे। लेकिन तभी उनकी मुलाकात हुई–के.बी. सक्सेना जैसे ईमानदार और संवेदनशील नौकरशाह से, जो उस वक्त बिहार सरकार में पदस्थ थे और बाद में भारत सरकार में सचिव बने। सक्सेना ने शिबू से कहा–तुम्हारी लड़ाई सही है, लेकिन रास्ता गलत है। अगर तुम्हें वाकई अपने लोगों को न्याय दिलाना है, तो बंदूक नहीं, संसद का रास्ता अपनाओ।

यह सलाह शिबू के जीवन का मोड़ बनी। उन्होंने आत्मनिरीक्षण किया और फैसला किया कि वे बंदूक की जगह वोट की ताकत से लड़ाई लड़ेंगे।

हूल बनाम हुंकार: दो युग, एक चेतना

जब भारत के आदिवासी आंदोलनों का इतिहास लिखा जाएगा, तो उसमें दो प्रमुख मोड़ हमेशा उभर कर सामने आएंगे,पहला, 1855 का संथाल विद्रोह और दूसरा, 1970-2000 के झारखंड आंदोलन का उत्कर्ष, जिसका नेतृत्व शिबू सोरेन ने किया। इन दोनों संघर्षों के समय, परिप्रेक्ष्य और रणनीतियाँ भिन्न हो सकती हैं लेकिन मूल चेतना, उद्देश्य और अस्मिता की रक्षा की भावना एक ही थी।

संथाल हूल तत्कालीन ब्रिटिश राज, महाजनी शोषण और जमींदारी व्यवस्था के खिलाफ आदिवासी समाज की पहली संगठित प्रतिक्रिया थी। संथालों को उनकी जमीन से बेदखल किया जा रहा था, उन पर टैक्स थोपा जा रहा था, और महाजन उन्हें सूदखोरी के जाल में फंसा रहे थे। यह केवल अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह नहीं था, बल्कि एक समांतर शासन व्यवस्था की स्थापना का प्रयास भी था। सिदो-कान्हू ने घोषणा की थी कि अब वे ब्रिटिश राज से स्वतंत्र हैं, और संथाल क्षेत्र अब उनके अपने पारंपरिक प्रमुखों के नियंत्रण में रहेगा। उन्होंने ग्रामसभाओं की बैठकें और सामूहिक निर्णय प्रणाली को सक्रिय किया यानी एक वैकल्पिक, लोक-आधारित शासन मॉडल। हूल का प्रमुख लक्ष्य था जमीन की रक्षा। महाजनी और जमींदारी शोषण का प्रतिरोध और सांस्कृतिक और सामाजिक ढांचे की पुनः स्थापना। संथाल विद्रोह ने एक परंपरागत गणराज्य की कल्पना की थी। शिबू सोरेन ने ग्राम सभा की सर्वोच्चता, पेसा अधिनियम, और जनजातीय स्वशासन की धारणा को संवैधानिक पहचान दिलाने का प्रयास किया।

1970 के दशक में शिबू सोरेन के नेतृत्व में झारखंड आंदोलन ने रफ्तार पकड़ी। इस आंदोलन का उद्देश्य था–अलग झारखंड राज्य की स्थापना, ताकि आदिवासी बहुल इलाकों को उनकी सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक पहचान मिल सके। 1972 में एके राय और बिनोद बिहार महतो के साथ मिलकर उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) की स्थापना की। यह पार्टी आदिवासियों की आवाज बनी। शिबू सोरेन ने जेएमएम के बैनर तले भूमि सुधार, वन अधिकार, और आदिवासी स्वशासन की माँग को लेकर आंदोलन चलाया। उनका आंदोलन सिर्फ भाषण नहीं था, वह आम जनता की चेतना का आंदोलन था। ग्रामीण क्षेत्रों में वह घर-घर जाकर लोगों को जगाते, बैठकें करते, और गीतों के जरिए लोगों को एकजुट करते। आदिवासी डोंग जैसे परंपरागत वाद्य यंत्रों की ध्वनि और शिबू के नारों की गूंज मिलती तो जंगल भी गवाह बन जाते।

जमीन और खनिज पर हक हूल और हुंकार दोनों के संघर्ष का केंद्र विंदु रहा। संथालों ने जमीन के लिए जान दी। संथाल हूल ने अस्मिता को जमीन से जोड़ा था। शिबू सोरेन ने संविधान के माध्यम से यही बात दोहराई–जंगल, जल, जमीन पर पहला हक आदिवासी का है। 1855 में संथालों की जमीन हड़पी जा रही थी। 1970 के बाद झारखंड में खनिज लूट के नाम पर जमीन अधिग्रहण, वन भूमि पर कब्जा, और विस्थापन की प्रक्रिया तेज हो गई। शिबू सोरेन ने कहा–झारखंड का खनिज झारखंडी का होना चाहिए। भूमि अधिग्रहण, खनिज लीज और विस्थापन के मुद्दे दोनों कालखंडों में प्रासंगिक रहे। शिबू सोरेन के आंदोलन ने भी आदिवासी भाषा, लिपि, रीति-नीति को सरकारी मान्यता दिलाने का प्रयास किया। शिबू सोरेन का आंदोलन इसके खिलाफ जनाधिकार का प्रतीक बना।

एक विद्रोही की जन्मकथा

शिबू सोरेन का जन्म 11 जनवरी 1944 को बिहार (अब झारखंड) के हजारीबाग (अभी रामगढ़) जिले के नेमरा गाँव में हुआ था। उनके पिता सोबन सोरेन को महाजनों ने पीट-पीट कर मार डाला, क्योंकि उन्होंने बगैर ब्याज के ऋण लौटाने का साहस किया था। यह घटना शिबू के भीतर गुस्से की ऐसी आग भर गई, जो आगे चलकर जन आंदोलन की चिंगारी बन गई।

यहीं से उनकी चेतना का रूपांतरण हुआ–एक बालक जो खेती करता था, जो जंगलों में महुआ बीनता था, धीरे-धीरे एक सामाजिक कार्यकर्ता और फिर विद्रोही बन गया। उस समय संथाल परगना और आसपास के इलाकों में महाजन और जमींदार आदिवासियों का शोषण कर रहे थे। जमीनों पर कब्जा हो रहा था, और आदिवासी अपने ही जंगल में परदेसी बनते जा रहे थे।

संघर्ष से सत्ता तक

शिबू सोरेन ने 1980 में पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। उन्होंने दुमका से लोकसभा सांसद बनकर संसद में प्रवेश किया। यह एक ऐतिहासिक क्षण था–एक ऐसा व्यक्ति जो कभी सरकारी फाइलों में अपराधी लिखा जाता था, अब संसद में अपनी जनता की बात रखने वाला जननायक बन गया। इसके बाद 1989, 1991, 1996, 2002, 2004 और 2009 में भी वे सांसद बने। केंद्र सरकारों में उन्हें कोयला मंत्री और जनजातीय मामलों के मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद मिले। उनके प्रयासों से कई जनजातीय क्षेत्रों में योजनाएं लागू हुईं, स्कूल खुले, सड़कें बनीं और वन अधिकार कानून की दिशा में भी माहौल बना। लेकिन उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि थी–झारखंड राज्य का निर्माण।

'निसार' : वैश्विक चेतना का उपग्रह

योगेश कुमार गोयल

श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 30 जुलाई की शाम जीएसएलवी-एफ16 रॉकेट के माध्यम से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी (नासा) द्वारा संयुक्त रूप से विकसित 'निसार' (नासा-इसरो सिंथेटिक अपरचर रडार) उपग्रह को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया गया। यह उपग्रह न केवल एक तकनीकी चमत्कार है, बल्कि विज्ञान, शोध, वैश्विक सहयोग और मानवीय प्रतिबद्धता का युगांतकारी प्रतीक भी है। 'निसार' को सूर्य-समकालिक ध्रुवीय कक्षा में 747 किमी. की ऊंचाई पर स्थापित किया गया है, जहां से यह अगले तीन से पांच वर्षों तक निरंतर पृथ्वी की निगरानी करेगा और प्रत्येक 12 दिन में पूरी पृथ्वी का स्कैन करेगा तथा एक बार में 240 किमी. क्षेत्र को कवर करने की अद्वितीय क्षमता रखता है। इस उपग्रह को धरती की गहराइयों और उसकी सतह पर होने वाले बदलावों की सटीक, विस्तृत और सतत निगरानी करने के लिए डिजाइन किया गया है। 'निसार' इसरो और नासा के दस वर्षों के संयुक्त परिश्रम का परिणाम है। 'निसार' उपग्रह की दो प्रमुख विशेषताएं (एल-बैंड और एस-बैंड की दोहरी रडार प्रणाली तथा स्वीपएसएआर तकनीक) इसे अत्याधुनिक उपग्रहों की श्रेणी में खड़ा करती हैं। इस उपग्रह के एल-बैंड रडार को नासा ने विकसित किया है, जो 1.25 गीगाहर्ट्ज फ्रीक्वेंसी और 24 सेमी तरंगदैर्ध्य पर काम करता है। यह रडार बर्फ, घने जंगलों और धरती की गहराई में होने वाले परिवर्तनों को मापने में सक्षम है। वहीं इसरो द्वारा विकसित एस-बैंड रडार 3.2 गीगाहर्ट्ज की फ्रीक्वेंसी और 9.3 सेमी तरंगदैर्ध्य पर कार्य करता है, जो सतह पर होने वाली सूक्ष्मतम हलचल को भी दर्ज कर सकता है। इस प्रकार 'निसार' का यह दोहरा रडार सिस्टम भूगर्भीय घटनाओं, प्राकृतिक आपदाओं, वनस्पति परिवर्तनों, कृषि गतिविधियों और मानवजनित प्रभावों की निगरानी के लिए बेहद उपयोगी सिद्ध होगा। यह उपग्रह दिन-रात, किसी भी मौसम में, बादलों, अंधकार या घने जंगलों की परवाह किए बिना सतत डेटा एकत्रित करता रहेगा। इसका रिजॉल्यूशन 5 से 10 मीटर के बीच होगा जिससे बड़े क्षेत्र में बहुत सूक्ष्म परिवर्तन भी पकड़ में आएंगे। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन के अनुसार, 'निसार' से मिलने वाला डेटा न केवल भारत और अमेरिका, बल्कि पूरी दुनिया के लिए अमूल्य होगा। उपग्रह प्रति दिन लगभग 80 टेराबाइट डेटा जनरेट करेगा जिसे पूरी तरह ओपन-सोर्स के रूप में मुफ्त में साझा किया जाएगा। इसका लाभ वैज्ञानिकों, शोधकताओं, नीति-निमार्ताओं, किसानों और आपदा प्रबंधन एजेंसियों को समान रूप से मिलेगा। 'निसार' से संबंधित डेटा कृषि के लिए भी उपयोगी होगा। यह उपग्रह फसलों की वृद्धि, मिट्टी की नमी, मौसमी प्रभाव, रोग और कीट आक्रमण, और संभावित नुकसान का पूवार्नुमान लगाने में सहायक सिद्ध होगा। इसके माध्यम से सरकारें कृषि बीमा योजनाओं को अधिक वैज्ञानिक, पारदर्शी और प्रभावी ढंग से लागू कर सकेंगी। पर्यावरणीय क्षेत्र में 'निसार' जलवायु परिवर्तन के प्रभावों की सटीक जानकारी प्रदान करेगा। यह समुद्र स्तर में वृद्धि, बर्फ पिघलने, तटीय कटाव, वनस्पति आवरण में परिवर्तन और भूजल स्तर की निगरानी करेगा। इससे पारिस्थितिक तंत्र की स्थिरता, जैव-विविधता संरक्षण, वनों की स्थिति और मानवजनित प्रभावों का अध्ययन किया जा सकेगा। आपदा प्रबंधन की दृष्टि से भी यह उपग्रह क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। इसके जरिए भूकंप, भूस्खलन, ज्वालामुखी विस्फोट, सुनामी जैसी आपदाओं के प्रारंभिक संकेतों को पहचाना जा सकेगा जिससे समय रहते चेतावनी देकर जान-माल की हानि को कम किया जा सकेगा। भारत और अमेरिका की साझेदारी ने दिखा दिया है कि जब दो राष्ट्र साझा उद्देश्य, पारदर्शिता और वैज्ञानिक उत्कंठा के साथ एकजुट होते हैं, तब विश्व को अभूतपूर्व उपलब्धियां मिलती हैं। 'निसार' के माध्यम से भारत और अमेरिका पूरे ग्रह को एक साथ देखना, समझना और संरक्षित करना सीख रहे हैं। यह मिशन मानवता के भविष्य की रक्षा, पर्यावरण संतुलन के पुनर्निर्माण और पृथ्वी की बदलती धड़कनों को जानने की दिशा में उठाया गया निर्णायक कदम है। यह उपग्रह वैज्ञानिक शोध एवं नवाचार को नई दिशा देने के साथ-साथ नई पीढ़ी को पृथ्वी और पर्यावरण के प्रति अधिक सजग बनाने में भी मदद करेगा। 'निसार' के माध्यम से विश्व को ऐसा शक्तिशाली उपकरण प्राप्त हुआ है, जो धरती की सतह, उसकी परतों, संसाधनों और संकटों को जानने की हमारी क्षमता को व्यापक और सटीक बनाएगा। यह केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि मानवीय चेतना का विस्तार है, ऐसा वैज्ञानिक यंत्र, जो हमारी पृथ्वी की नब्ज को सुन सकेगा और समय रहते बदलावों के प्रति हमें सचेत करेगा। इसीलिए 'निसार' को 'वैश्विक चेतना का उपग्रह' कहा जाना उपयुक्त होगा।

शिव स्वास है आस है प्यास है

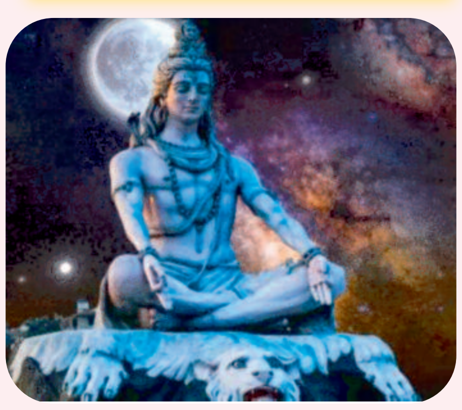

मन से देह तक का उपवास है ,शिव नैन है ज्योति है सितारा है ,शिव प्राण है आपान है वेदो का ज्ञान है ,शिव आदि है अनत है ,शिव संतो मे संत है शिव वाणी मुखधारा है,शिव आस पास हर अणु कण कण का प्यारा है ,शिव आंनद कन्द मकरंद मधुर चंद मात्राओ का रुप अनुप किनारा है

शिव जल थल अचल अम्बर नदी तट समुन्दर की लहरे के आवागमन का विस्तार है ,शिव रूप, अनुप अखंड अविरल बहने वाली धारा है शिव ताल थाप नृत्य संगीत का मधुर नजारा है

शिव फूल, पात ,डाल,पत्तियो पर फिसलता पानी की बूंद का सरल नजारा है ,शिव काम क्रोध लोभ मोह आदि अनन्त हर रूप का अनमोल ग्रन्थ हमारा है ,शिव कौन, मै,तुम, हम,जगत की उत्पत्ति का सारांश ओर विस्तृत रूप किनारा है, शिव डोलता, कुछ बोलता शिव कुछ मौन सी गभीर धारा है ,शिव शिव शिव शिव शिवाय ओमकार, त्रिनेत्र धारी,अमृत की धारा है शिव गंगधार को धारे,त्रिशूलधारी,त्रिपुरारी, अंनतकोटि देवआदि देव पार्वती का प्यारा है ....शिवे अनन्ते ना

कवियत्री अंजलि खन्ना

भारतीय हथकरघा के लिए नवाचार और स्थायित्व के साथ भविष्य बुनना

हथकरघा क्षेत्र भारत में सबसे बड़ा कुटीर उद्योग है, जो देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और 3.5 मिलियन से अधिक लोगों को आजीविका प्रदान करता है। स्थानीय बुनकरों द्वारा नैतिक रूप से निर्मित हथकरघा और दस्तकारी वस्त्र, बड़े पैमाने पर उत्पादित फास्ट फैशन का एक सार्थक विकल्प प्रस्तुत करते हैं। ऐसा करके, वे भारत की समृद्ध विरासत को आधुनिक विश्व के लिए एक व्यापक स्थिरता की कहानी में शामिल करते हैं।

टिकाऊ वस्त्र इको-सिस्टम के निर्माण के लिए ग्रामीण हथकरघा और हस्तशिल्प क्लस्टरों को सहायता देना महत्वपूर्ण है। ये क्लस्टर भारतीय शिल्पकला की उन जीवंत परम्पराओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन्हें परिवारों और समुदायों द्वारा पीढ़ियों से कायम रखा गया है। निजी क्षेत्र और सामाजिक उद्यमों ने इस क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में सराहनीय भूमिका निभाई है। उनका कार्य पर्यावरण अनुकूल सामग्रियों के साथ नवाचार, स्थानीय स्रोत, रि-साईकिलिंग और अप-साईकिलिंग, तथा पारंपरिक प्रथाओं के साथ प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने तक फैला हुआ है। ये प्रयास सहयोग के माध्यम से कारीगर समुदायों को सशक्त बनाने, शिल्पकारों और डिजाइनरों के बीच साझेदारी बनाने, उपभोक्ता जागरूकता बढ़ाने और कारीगरों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं। जापान के ओसाका में आयोजित विश्व एक्सपो 2025 और अमेरिका के सांता फे में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय लोक कला बाजार जैसे प्रतिष्ठित मंचों पर भारतीय शिल्पकारों की हालिया भागीदारी उनकी अनुकूलनशीलता और वैश्विक अपील को दशार्ती है।

भारत सरकार अनेक योजनाओं और पहलों के माध्यम से वस्त्र पारिस्थितिकी तंत्र (टेक्सटाइल इको-सिस्टम) का समर्थन करती है। इनमें कच्चे माल की खरीद, करघों और सहायक उपकरणों आदि की खरीद के लिए वित्तीय सहायता, महिला सशक्तिकरण के लिए प्रोत्साहन, कौशल विकास कार्यक्रम तथा पारंपरिक हथकरघों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु मार्केटिंग प्रयास शामिल हैं। पर्यावरण-अनुकूल और सर्कुलर प्रोडक्ट्स को बढ़ावा देने, जैविक कच्चे माल तक पहुँच में सुधार लाने और नैतिक प्रथाओं के माध्यम से प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी पहलों ने हथकरघा बुनकरों के लिए अवसरों का काफी विस्तार किया है। 'कौशल भारत' और 'डिजिटल भारत' जैसे अन्य कार्यक्रम कारीगरों को अपने कौशल को अपग्रेड करने और अपने कार्यस्थलों से सीधे बड़े बाजारों तक पहुंचने में सक्षम बना रहे हैं।

इस क्षेत्र के विकास को बनाए रखने के लिए हथकरघा परंपराओं का दस्तावेजीकरण और संरक्षण भी समान रूप से आवश्यक है। वस्त्र मंत्रालय के नेतृत्व में डिजिटल संग्रह, भारतीय वस्त्र एवं शिल्प कोष, पारंपरिक और समकालीन ज्ञान दोनों को संग्रहित करके इस उद्देश्य की पूर्ति करता है। यह मंच अनुसंधान डेटा, डिजाइनर और कारीगर प्रोफाइल, एक वर्चुअल संग्रहालय और डिजिटल प्रदर्शनियां उपलब्ध कराता है, जिससे यह विद्वानों, शिक्षार्थियों और शिल्प उत्साही लोगों के लिए एक मूल्यवान संसाधन बन जाता है।

हथकरघा क्षेत्र को अधिक लक्ष्य-उन्मुख और लाभदायक बनाने के लिए व्यवसाय-केंद्रित रणनीति आवश्यक है। को-ऑप्टेक्स, बोयानिका अथवा टाटा ट्रस्ट द्वारा अन्तरान जैसे हथकरघा मार्केटिंग संगठनों की केस स्टडी से पता चलता है कि व्यवस्थित योजना, चाहे वह समितियों, सहकारी समितियों के प्रोत्साहन के माध्यम से हो अथवा गैर-लाभकारी संस्थाओं के साथ सहयोग के माध्यम से हो, हथकरघा बुनकरों की आय और आजीविका में महत्वपूर्ण सुधार ला सकती है।

इसे हासिल करने के कई तरीके हैं। पारंपरिक और आधुनिक, दोनों बाजारों के लिए नए डिजाइन विकसित करने के साथ-साथ पारंपरिक डिजाइनों को पुनर्जीवित करना, खासकर थीम-आधारित प्रदर्शनियों के जरिए, ग्राहकों को शिक्षित करने और माँग बढ़ाने में मदद कर सकता है। अंगवस्त्रम, वेष्टी और मुंडू जैसे उत्पादों को भी प्रासंगिक बने रहने के लिए विचारशील डिजाइन नवाचार की आवश्यकता होती है। वर्तमान आंकड़ों से पता चलता है कि केवल 22% हथकरघा बुनकर साड़ियां बनाते हैं और 19% अंगवस्त्रम और इसी तरह के उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे 59% ऐसे बुनकर बचते हैं जिन्हें घरेलू साज-सज्जा और वस्त्र सामग्री की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित और सक्रिय किया जा सकता है। आधुनिक रुचियों के अनुरूप ढलते हुए, भारतीय हथकरघा को परिभाषित करने वाले अद्वितीय क्षेत्रीय कौशल और तकनीकों को संरक्षित करना महत्वपूर्ण है। जैविक फाइबर, प्राकृतिक रंगों और टिकाऊ सामग्रियों के उपयोग से हथकरघा उत्पादों का मूल्य और आकर्षण और अधिक बढ़ सकता है।

वस्त्र मंत्रालय संत कबीर और राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार जैसे पुरस्कारों के माध्यम से बुनकरों के योगदान को सक्रिय रूप से मान्यता प्रदान कर रहा है और उन्हें पुरस्कृत कर रहा है। हाल के वर्षों में, नई श्रेणियां शुरू की गई हैं, जैसे कि महिला बुनकरों, जनजातीय कारीगरों, दिव्यांग बुनकरों, नवोन्मेषी उत्पादक समूहों और हथकरघा के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने वाले डिजाइनरों के लिए पुरस्कार। इसमें एक उल्लेखनीय बात यह है कि युवाओं को युवा बुनकर पुरस्कार भी दिया जाता है, जोकि 30 वर्ष से कम आयु के ऐसे कारीगरों को दिया जाता है, जिन्होंने पारंपरिक तकनीकों में निपुणता प्राप्त कर ली है तथा नवाचार अथवा उद्यमिता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हैं। ये पुरस्कार न केवल प्रतिष्ठित हैं बल्कि पारदर्शी और लोकतांत्रिक भी हैं, तथा इनके साथ नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र भी दिए जाते हैं। संत कबीर, राष्ट्रीय एवं राज्य पुरस्कार विजेताओं को आजीवन 8,000 रुपये मासिक पेंशन दी जाती है। इसका उद्देश्य हथकरघा के क्षेत्र में नवाचार, विशेष रूप से ऐसी तकनीकों और सौंदर्यबोध को बढ़ावा देना है, जिनकी मशीनों अथवा पावरलूमों द्वारा नकल नहीं की जा सकती है।

भारतीय हथकरघा उद्योग का स्थायित्व बनाए रखने के लिए परंपरा और नवाचार दोनों को अपनाने की आवश्यकता है। भारत कपास, रेशम, ऊन, जूट और नारियल के रेशों जैसे प्राकृतिक फाइबर से समृद्ध है, और यहाँ बाँस, केले के फाइबर, हेम्प और मिल्कवीड जैसी नई सामग्रियों की खोज तेजी से हो रही है। कृषि अपशिष्ट की एक बड़ी मात्रा भी अभी तक पूरी तरह से उपयोग में नहीं आ पाई है। इस प्रचुरता के बावजूद, वास्तव में टिकाऊ उत्पादन के लिए बड़े पैमाने पर यार्न और वस्त्र प्रसंस्करण को मजबूत करने की अभी भी आवश्यकता है।

वस्त्र क्षेत्र में उद्यमों के सर्कुलर उत्पादन में तेजी आ रही है। वर्तमान समय में भारत की गहन भौतिक संस्कृति के बारे में जागरूकता बढ़ रही है, यह केवल यार्न और फैब्रिक में ही नहीं, बल्कि परिधानों के सहायक उपकरणों में भी बढ रही है, जिनका पर्यावरणीय प्रभाव के लिए मूल्यांकन किया जा रहा है। बचे हुए कपड़ों और धागों का उपयोग करके बनाए गए पुनर्चक्रित संग्रह लोकप्रिय हो रहे हैं, जो पारंपरिक, टिकाऊ प्रथाओं के पुनरुद्धार में योगदान दे रहे हैं। यह आंदोलन पर्यावरण के प्रति जागरूक फैशन की ओर एक व्यापक वैश्विक बदलाव को दशार्ता है।

आज, तेजी से बढ़ते शहरी प्रवास और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे के साथ, पारंपरिक बुनकर की अपने करघे पर भूमिका प्रतीकात्मक से कहीं ज्यादा बढ़ गई है, अब यह हरित तकनीक और सांस्कृतिक संरक्षण का एक सशक्त उदाहरण बन गई है। भारत की हथकरघा विरासत एक ऐसा मार्ग प्रशस्त करती है जो पर्यावरण और शिल्प से जुड़े लोगों का सम्मान करती है और देश को ज़िम्मेदार एवं नैतिक फैशन के क्षेत्र में अग्रणी बनाती है।

संक्षिप्त समाचार

दोस्ती का झांसा देकर लव जिहाद, बीए छात्रा से की शर्मनाक हरकतें, अब धर्म परिवर्तन और धमकियों से दहशत में परिवार

इकौना, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जिले से एक बहुत ही दुखद और खौफनाक मामला सामने आया है, जिसने इलाके में सनसनी फैला दी है। यह मामला इकौना थाना क्षेत्र का है, जहां एक बीए तृतीय वर्ष की छात्रा ने अपने सहपाठी समीर अहमद पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने बताया है कि आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, पीड़िता ने बताया कि शुरुआत में समीर ने उसे दोस्ती का झांसा देकर उसके साथ प्रेम संबंध बना लिए। धीरे-धीरे समीर ने उसे अकेले मिलने के लिए बुलाने लगा और उसके साथ अश्लील हरकतें करने लगा। इसके बाद, 27 अप्रैल को समीर ने उसे इकौना के पास नहर के किनारे बुलाया। वहां उसने जबरदस्ती उससे छेड़छाड़ की और उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो बना लिए।

पीड़िता का आरोप है कि इन तस्वीरों और वीडियो का इस्तेमाल कर समीर अब उससे धर्म परिवर्तन कर निकाह करने का दबाव बना रहा है। इसके साथ ही, आरोपी ने धमकी दी है कि वह उसकी अश्लील तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल कर देगा और उसकी जान भी ले सकता है। इन धमकियों से युवती और उसके परिवार को बहुत डर लग रहा है।

शिव मंदिर में पूजन सामग्री बेच रहे थे वाहिद, अलाउद्दीन और शमशेर

महराजगंज, एजेंसी। खबर यूपी के महराजगंज ज़िले से है। जहां इटहिया शिव मंदिर परिसर में मुस्लिम युवकों के पूजन सामग्री बेचने पर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने हंगामा कर दिया। मंदिर परिसर में मुस्लिम युवकों की दुकानें बंद कराने पर दोनों पक्ष में नोकझोंक भी हुई, जिससे अफरा-तफरी मच गई। वहीं पूरे मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

पुलिस-प्रशासन के प्रयास से सहमति बनी कि मुस्लिम दुकानदार पूजन सामग्री के अलावा अन्य सामान मेला परिसर में बेच सकते हैं। इसके बाद तीनों दुकानदारों ने दुकान में रखी पूजन सामग्री हटा ली। ईटहिया पंचमुखी शिव मंदिर में एक माह तक श्रावणी मेला चलता है। यहां पूजन सामग्री, खिलौने और श्रृंगार की दुकानें लगती हैं। वाहिद अलाउद्दीन तथा शमशेर ने यहां दुकान लगाने के लिए मंदिर समिति से 2500 रुपये की रसीद कटाकर भूमि आवंटित कराई है। सावन माह की शुरुआत से ही वे नारियल, बेलपत्र और फूल पत्ती जैसी पूजन सामग्री बेच रहे हैं। बजरंग दल के जिला संयोजक राहुल संगठन के अन्य सदस्यों संग पहुंचे और मुस्लिम दुकानदारों द्वारा पूजन सामग्री बेचने का विरोध करते हुए दुकान बंद करने का दबाव बनाया। दुकानदारों के मना करने पर विवाद शुरू हो गया। पुलिस ने बजरंगदल के कार्यकर्ताओं को समझाकर शांत कराया। उप जिलाधिकारी नंदप्रसाद मौर्य ने बताया कि दोनों पक्षों में सहमति बना ली गई है।

थूक जिहाद का वायरल वीडियो मचा रहा बवाल, पुलिस ने की कड़ी कार्रवाई

बागपत, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में बागपत जिले के खेकड़ा कस्बे में एक ढाबे पर रोटी पर थूकने का वीडियो वायरल होने के बाद हड़कंप मच गया है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने ढाबा संचालक और आरोपी कर्मचारी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

वायरल वीडियो खेकड़ा कस्बे के पाठशाला रोड स्थित एक ढाबे का है, जिसे आबिद का ढाबा बताया जा रहा है। वीडियो में एक मुस्लिम युवक तंदूर पर रोटियां सेंकने से पहले रोटी पर थूकता हुआ नजर आ रहा है। उसी समय ढाबे के अंदर ग्राहक खाना खाते दिखाई दे रहे हैं।

यह वीडियो बीते शुक्रवार दोपहर करीब 12:15 बजे सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो को वहां खाना खाने गए एक व्यक्ति ने चुपचाप बनाकर इंटरनेट पर डाल दिया। इसके बाद इलाके में थूक जिहाद को लेकर माहौल गरमा गया और सोशल मीडिया पर भी चर्चा तेज हो गई। जिस ढाबे पर यह घटना हुई है, वह सड़क पर अवैध कब्जा करके बनाया गया था। वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है कि कैसे कर्मचारी जानबूझकर रोटियों पर थूक रहा है और उन्हें तंदूर में सेंककर ग्राहकों को परोस रहा है।

वाराणसी जिलाधिकारी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा, राहत कार्यों का जायजा लिया

वाराणसी, एजेंसी। शहर के भीतर तक बाढ़ का असर होने की संभावना के बीच जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने रविवार को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र व राहत शिविर सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज हुकुलगंज, चित्रकूट कान्वेंट इंटरमीडिएट कालेज और प्राथमिक विद्यालय सरैया का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

डीएम ने अधिकारियों को राहत सामग्री और अन्य व्यवस्थाओं के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। बाढ़ राहत शिविर हुकुलगंज के निरीक्षण के दौरान नायब तहसीलदार ने आसपास के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों और शिविर में पहुंचे परिवारों के बारे में जिलाधिकारी को अवगत कराया।

जिलाधिकारी ने कहा कि जितने भी परिवार के लोग अपने घर में दूसरे या तीसरे तल पर रह रहे हैं, उनके खाने पीने की सामग्री या राहत किट प्रदान की जाए। उन्होंने राहत शिविरों को पूरी क्षमता के साथ संचालित कराने के निर्देश दिए। कहा कि लोगों के राहत और सुरक्षा में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने राहत शिविर में पुरुष व महिला सिपाहियों की तैनाती के भी निर्देश दिए। उन्होंने शाम तक शिविर में ही खाने बनाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। कहा कि सभी विस्थापित परिवारों के लिए बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित कराएं।

जिलाधिकारी ने नगर निगम के अधिकारियों को राहत शिविर के परिसर व शौचालय की समुचित साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराने, जल जमाव वाले क्षेत्रों में एंटीलार्वा, फागिंग और चूने का छिड़काव कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएमओ से फोन पर बात कर मेडिकल टीम तैनात करने के निर्देश दिए। कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के लोगों से संवाद करें और उनकी समस्या का समाधान कराएं।

जिलाधिकारी ने चित्रकूट कान्वेंट इंटरमीडिएट में बन रहे भोजन के बारे मे पूछताछ करते हुए गुणवत्ता की जानकारी ली। इसके अलावा उन्होंने खाद्य सामग्री के स्टोर रूम, शौचालय की साफ सफाई का स्थलीय निरीक्षण भी किया। उन्होंने कालेज की छत से बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया। उन्होंने सभी निरीक्षण के राहत शिविर में मौजूद छोटे बच्चों से बातचीत कर उन्हें मिठाई और बिस्किट वितरित किया। उन्होंने स्कूल के बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न होने पाए इसके संबंध में नायब तहसीलदार को निर्देश दिया।

जिलाधिकारी ने आर के लाज में रुके बाढ़ प्रभावित लोगों को यूनाइटेड पब्लिक स्कूल में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया। इसके अलावा उन्होंने प्राथमिक विद्यालय, सरैया का भी निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और बच्चों को मिठाई वितरित किया। उन्होंने कहा कि सभी राहत शिविरों में राहत सामग्री और भोजन पैकेट की आपूर्ति समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण होनी चाहिए। किसी भी स्थिति में खाद्यान्न की गुणवत्ता या मात्रा से समझौता नहीं होना चाहिए।

उन्होंने सभी राहत शिविरों में वैकल्पिक प्रकाश व्यवस्था के लिए जनरेटर की व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। उन्होंने राहत शिविरों में भोजन, दवा, साफ-सफाई और महिलाओं व बच्चों की आवश्यकताओं की पूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसीएम तृतीय, नायब तहसीलदार, लेखपाल सहित अन्य अधिकारी व सम्बन्धित क्षेत्र के पार्षद उपस्थित रहे।

एमजी रोड पर मेट्रो निर्माण में सुरक्षा खामियां, इंतजामों की कमी से राहगीर परेशान

आगरा, एजेंसी। उप्र मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (यूपीएमआरसी) ने साढ़े छह किमी लंबी एमजी रोड पर बिना संरक्षा के इंतजाम के कार्य शुरू करा दिया है। डिवाइडर पर लगी लाइट को हटा दिया गया है। छोटी लाइटें लगाई गई हैं। पर्याप्त रोशनी नहीं है। हर चौराहा और लिंक रोड पर साइनेज नहीं लगाए गए हैं। न ही ठीक तरीके से जल निकासी के इंतजाम किए गए हैं। यहां तक वाहनों की गति सीमा का बोर्ड भी अधिकांश जगहों पर नहीं लगा है।

भगवान टाकीज चौराहा से अवंतीबाई चौराहा तक एमजी रोड पर सात माह पूर्व यूपीएमआरसी ने बैरीकेडिंग की थी। दो माह पूर्व चार रिग मशीनों से खोदाई शुरू की गई। वर्तमान में नौ मशीनों से पाइलिंग की जा रही है। संरक्षा के नाम पर सिर्फ बैरीकेडिंग की गई है। कुछ जगहों पर हरा पर्दा लगाया गया है।

बैरीकेडिंग के ऊपरी हिस्से में एलईडी लाइट्स लगी हैं। दोनों तरफ कैट आई नहीं लगाई गई है। इससे वाहन चालकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। प्रशासनिक अधिकारियों से इसकी कई शिकायतें भी हो चुकी हैं। अभी तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। एमजी रोड पर इस साल के अंत तक खोदाई का कार्य पूरा होगा।

संयुक्त महाप्रबंधक जनसंपर्क पंचानन मिश्र का कहना है कि सिविल कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है। जलभराव न हो, इसका पूरा ध्यान रखा जा रहा है। जिन जगहों पर गड्ढे हो गए हैं। उन्हें भरवाया जा रहा है। जल्द ही संबंधित जगहों पर साइनेज लगाए जाएंगे।

मंडलायुक्त और डीएम की अध्यक्षता में संरक्षा समिति की हर माह बैठक होती है। साइनेज से लेकर बोर्ड लगाने के निर्देश दिए जाते हैं। मकसद होता है कि मार्ग दुर्घटना पर अंकुश लगाना। इसके बाद भी यूपीएमआरसी अधिकारियों द्वारा कार्य नहीं कराया गया है। साढ़े छह किमी लंबी एमजी रोड पर यूपीएमआरसी द्वारा गड्ढों को भरने का कार्य किया जा रहा है। शनिवार को भी कर्मचारियों ने एमजी रोड के दोनों तरफ से मिट्टी को उठाया और गड्ढों को भरा गया। यह कार्य आगे भी जारी रहेगा।

दो युवकों को खंभे से बांधकर पिटाई का फोटो प्रसारित, पुलिस विभाग में मची खलबली

प्रतापगढ़, एजेंसी। प्रतापगढ़ जनपद में अपराध पर लगाम नहीं लग पा रही है। कभी हत्या तो कभी लूट और कभी मारपीट की घटनाएं होती रहती हैं। हालांकि पुलिस अपराधियों पर लगाम कसने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। ऐसे में अपराधियों व बदमाशों से मुठभेड़ भी हो जाती है और वे पकड़े जा रहे हैं। इसके बाद भी आपराधिक घटनाएं नहीं रुक रही हैं।

यह मामला भी पढ़ें। दो युवकों को खंभे से बांधकर पीटे जाने की फोटो रविवार को प्रसारित हुई। इसकी जानकारी होने पर पुलिस विभाग में खलबली मच गई। मामला कोटा भवानीगंज संग्रामगढ़ का बताया जा रहा है। फोटो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद पुलिस के संज्ञान में आई। थानाध्यक्ष संग्रामगढ़ सत्येन्द्र सिंह भदौरिया ने बताया कि दोनों युवकों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। अभी तक कोई शिकायत लेकर नहीं आया है।

सांसद जियाउर्रहमान बर्क समेत 22 आरोपियों को कोर्ट ने समन जारी, कई आरोपी हुए भूमिगत, गैर-जमानती वारंट का खतरा

संभल, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा के मामले में कोर्ट ने बड़ी कार्रवाई की है। एमपी-एमएलए कोर्ट (अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट) ने समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क, मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली समेत 22 अन्य आरोपियों को समन भेजा है। सभी को 8 अगस्त को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया गया है। हालांकि, सूत्रों की मानें तो इनमें से 6 आरोपियों ने समन लेने से बचने के लिए छुपने की कोशिश की है। अगर आरोपित समन मिलने के बाद भी कोर्ट में नहीं आते हैं, तो उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया जा सकता है।

मिली जानकारी के मुताबिक, हिंसा के आरोपों में सांसद बर्क पर भड़काऊ भाषण देने और लोगों को हिंसा के लिए उकसाने का आरोप है। मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली पर पुलिस को गुमराह करने और झूठे सबूत पेश करने के मामले में जांच चल रही है। बाकी आरोपियों पर जानलेवा हमला, सरकारी काम में बाधा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और आपराधिक साजिश रचने जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। इस मामले की जांच के दौरान कुल 12 मुकदमों में से 11 में चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। हालांकि, सांसद जियाउर्रहमान बर्क की गिरफ्तारी पर हाई कोर्ट ने फिलहाल रोक लगा दी है। जफर अली मार्च में गिरफ्तार हुए थे, लेकिन अब वे जमानत पर बाहर हैं। पुलिस ने बताया कि अब केस की नियमित सुनवाई शुरू होगी। पुलिस ने हिंसा के सिलसिले में कुल 7 प्राथमिकी दर्ज की थीं। इन मामलों में एक एफआईआर में सांसद और विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहैल इकबाल का नाम भी था, लेकिन जांच में उन्हें आरोपों से मुक्त कर दिया गया और क्लीन चिट दे दी गई। गौरतलब है कि इस हिंसा की शुरुआत 19 नवंबर 2024 को हरि हर मंदिर के दावे को लेकर सिविल जज की अदालत में वाद दायर होने के बाद हुई। 24 नवंबर को मस्जिद के सर्वे के दौरान हिंसा भड़क गई, जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए थे। अब कोर्ट की कार्रवाई और पुलिस की जांच इस मामले की अगली दिशा तय करेगी।

कानपुर सीएसजेएमयू में हिंदी का नया पाठ्यक्रम लागू, इन तीन साहित्यकारों को किया शामिल

कानपुर, एजेंसी। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर में अब हिंदी साहित्यकार गिरिराज किशोर, गणेश शंकर विद्यार्थी और सुमन राजे की रचनाओं को पढ़ाया जाएगा। केंद्र सरकार की राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत विश्वविद्यालय ने चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम को अंतिम रूप दिया है। इसमें कानपुर के तीनों साहित्यकारों की कृतियों को स्थान दिया गया है।

गणेश शंकर विद्यार्थी की संस्मरण कृति जेल जीवन की झलक को परास्नातक पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। नए पाठ्यक्रम को विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद से पारित होने के बाद राज्यपाल ने भी अपनी अनुशंसा दी है, जिसके बाद इसे लागू कर दिया गया है।

सीएसजेएमयू की हिंदी पाठ्यक्रम समिति तथा शोध विकास समिति की संयोजक एवं एएनडी कालेज की प्राचार्य डा. ऋतम्भरा ने बताया कि चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में दो साहित्यकारों गिरिराज किशोर और डा. सुमन राजे को शामिल किया गया है। गिरिराज किशोर की कस्तूरबा गांधी पर लिखे उपन्यास बा और डा. सुमन राजे की कृति वसुधंरा - एक काव्यनाटिका को स्नातक स्तर पर और गणेश शंकर विद्यार्थी की कृति जेल जीवन की झलक को परास्नातक में पढ़ाया जाएगा।

विश्वविद्यालय की पाठयक्रम समिति एवं विद्या परिषद (बोर्ड आफ स्टडीज के सदस्य प्रो. राकेश शुक्ल ने बताया कि विश्वविद्यालय के हिंदी पाठ्यक्रम को 2019 में इन साहित्यकारों की रचनाओं को शामिल किया गया था लेकिन एनईपी लागू होने के बाद पाठ्यक्रम बदल गया। आधुनिक हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि, गांधीवादी दर्शन, अंबेडकर विचार दर्शन, लोहिया दर्शन के साथ पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचार दर्शन को भी शामिल किया गया है।

पाठयक्रम समिति के विशेष आमंत्रित सदस्य डा. राजेश तिवारी ने बताया कि इस पाठ्यकत में कुछ नए प्रश्नपत्र जोड़े गए हैं, जिसमें शोधात्मक लेखन, समान भाषा विज्ञान तथा हिंदी रंगमंच शामिल है। सदस्य डा. इंदू यादव के अनुसार नए पाठ्यक्रम को रोजगारोन्मुखी बनाया गया है। इसमें कार्यालयी हिंदी और कंप्यूटर, समाचार-लेखन और प्रसारण तथा भाषा प्रौद्योगिकी को शामिल किया गया है।

गोंडा की दुर्घटना पर मुख्यमंत्री दुखी, मृतकों के परिवारीजन को पांच-पांच लाख की आर्थिक सहायता की घोषणा

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को गोंडा में सड़क हादसे में 11 लोगों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करने के साथ चार घायलों की समुचित चिकित्सा व्यवस्था करने के निर्देश देने के साथ ही मृतकों के परिवारीजन को पांच-पांच लाख की आर्थिक सहायता की घोषणा भी की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोंडा में सड़क दुर्घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने एक्स पर अपना शोक संदेश पोस्ट करने के साथ ही गोंडा जिला प्रशासन को निर्देश भी दिया है। उन्होंने कहा कि यह जनहानि अत्यंत दु:खद एवं हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। इस दुर्घटना में दिवंगत हुए लोगों के परिवारीजन को पांच-पांच लाख की आर्थिक सहायता प्रदान करने तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को सद्गति एवं शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दु:ख सहन करने की शक्ति तथा घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं।

दिल्ली हावड़ा ट्रैक में मरम्मत में लापरवाही बनी हादसे की वजह, बेपटरी हुए थे जनसाधारण एक्सप्रेस के कोच

कानपुर, एजेंसी। कानपुर के पास दिल्ली हावड़ा रेलवे ट्रैक पर ट्रेन हादसे में लापरवाही सामने आई है। साबरमती जनसाधारण एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 15269) के दो कोच लूप लाइन की मरम्मत में लापरवाही के कारण ही बेपटरी हुए। माना जा रहा कि हादसे से लगभग एक घंटा पहले लोको निरीक्षकों की देखरेख में खत्म हुए काम के बाद कोई खामी रह जाने से ही कोच पटरी से उतरे।

सिग्नल एवं टेलीकम्युनिकेशन विभाग की ओर से प्वाइंट को सुरक्षित रखने में खामी, सिविल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से लाक क्लिप ठीक से नहीं लगाने व लाइन की मरम्मत में अनदेखी के तीनों बिंदुओं पर शनिवार को पूर्वोत्तर परिमंडल के मुख्य रेल संरक्षा आयुक्त प्रणजीव सक्सेना ने टीम के साथ घटनास्थल पर जांच की। उन्हें कुछ महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। तीन से चार दिन में वह अपनी प्राथमिक रिपोर्ट देंगे।

बिहार के मुजफ्फरपुर जंक्शन से अहमदाबाद के साबरमती बीजी जा रही जनसाधारण एक्सप्रेस सेंट्रल स्टेशन से लगभग 25 किलोमीटर दूर पनकीधाम रेलवे स्टेशन से आगे भाऊपुर के आउटर यार्ड पर दो ट्रेनों को निकालने के लिए लूप लाइन पर ले जाते समय शुक्रवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। ट्रेन के डिब्बे लहराने, झटके लगने व तेज आवाज के साथ आग लगने की अफवाह से यात्री कोचों से कूद पड़े थे। इसमें 15 यात्रियों को मामूली चोटें आई थीं, जबकि पांच को अस्पताल भेजना पड़ा था। दो यात्रियों के पैर में गंभीर चोट पर एलएलआर अस्पताल लाया गया था।

राजधानी-शताब्दी जैसी 26 ट्रेनों को अलग-अलग स्टेशनों पर रोकना पड़ा था। वंदे भारत व स्वर्ण शताब्दी समेत आठ ट्रेनें दूसरे मार्गों से भेजी गई थीं। 56 ट्रेनें सेंट्रल स्टेशन पर दो से पांच घंटा तक देरी से आई थीं। शनिवार सुबह पूर्वोत्तर परिमंडल के रेल संरक्षा आयुक्त प्रणजीव सक्सेना ने तकनीकी अफसरों की टीम के साथ भाऊपुर स्टेशन यार्ड में घटनास्थल पर जांच की। उन्होंने यार्ड के लूप लाइन संख्या चार के प्वाइंट चार पर जनसाधारण एक्सप्रेस के इंजन से छठवें व सातवें कोच के बेपटरी होने वाले स्थल पर गहनता से पड़ताल की।

मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज रजनीश अग्रवाल, कानपुर सेंट्रल के उप मुख्य यातायात प्रबंधक आशुतोष सिंह, मंडल इंजीनियर-पांच आयुष सिंह व मुख्य चिकित्सा अधीक्षक रविन्द्र प्रसाद के साथ उन्होंने एक-एक बिंदु को समझा। यहां से वह जनसाधारण के हटाए गए तीनों कोचों की जांच करने के लिए न्यू कोचिंग कांप्लेक्स गए। फिर एलएलआर अस्पताल में घायलों से मुलाकात कर बात की। दोनों गंभीर रूप से घायल यात्रियों व साधारण घायल तीनों यात्रियों को मुआवजा राशि भी दी गई।

उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि ट्रेन हादसे की जांच शुरू हो गई है। तीन से चार दिन में प्राथमिक रिपोर्ट आ जाएगी। विस्तृत रिपोर्ट के लिए अभी समय लगेगा।

प्रयागराज मंडल के रेलवे जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि भाऊपुर यार्ड में घटना का समय 4:20 बजे होने की बात सामने आई है। 120 लोगों के बयान लिए जाएंगे। पहले यह 4:15 बजे बताया गया था। रेल संरक्षा आयुक्त पूर्वोत्तर परिमंडल प्रणजीव सक्सेना ने गहनता से जांच की। अब पांच अगस्त को सुबह 10:30 बजे से मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय प्रयागराज के संकल्प हाल में ट्रेन के इंजन में मौजूद टूंडला के लोको पायलट चमन अहमद व लोको निरीक्षक सुनील शर्मा, गार्ड समेत अन्य रेलकर्मियों के बयान दर्ज होंगे। इसके बाद जांच टीम किसी निष्कर्ष पर पहुंचेगी। ट्रेन की रफ्तार 25 किलोमीटर ही थी, उससे अधिक या कम, इसे भी जांच के बिंदु में शामिल किया गया है।

जनसाधारण एक्सप्रेस के दो कोच बेपटरी होने के बाद से दिल्ली-हावड़ा रेलमार्ग पर ट्रेनों की चाल शनिवार को भी बिगड़ी रही। 100 से अधिक ट्रेनें घंटों देरी से सेंट्रल स्टेशन आईं। इससे प्रतीक्षालय, प्लेटफार्मों पर यात्री व उनके स्वजन बेहाल रहे। अभी इसका असर एक से दो दिन रहेगा। लगभग 1708 यात्रियों ने टिकट रद करा दूसरे साधनों से यात्रा की।

शुक्रवार शाम भाऊपुर आउटर यार्ड पर हादसे के बाद ट्रेनों की चाल बिगड़ गई थी। राजधानी-कानपुर सेंट्रल शताब्दी जैसी ट्रेनें पांच घंटा तक देरी से सेंट्रल स्टेशन पहुंचीं। रात 10 बजे आने वाली ट्रेनें सुबह तीन बजे पहुंचीं। हंसपुरम की शिवा, उनके जीजा अनूप शुक्ला, बहन पूजा समय पर पहुंचे, लेकिन पांच घंटे तक भुवनेश्वर तेजस राजधानी का इंतजार करते रहे।

मधुमेह और वजन घटाने की दवाओं को बाजार में उतारने की मची होड़

- सेमाग्लूटाइड के जेनेरिक संस्करण बाजार में लॉन्च की तैयारी

नई दिल्ली।

मधुमेह और वजन घटाने की दवाओं की वैश्विक मांग बढ़ने के कारण, भारतीय फार्मा कंपनियां सेमाग्लूटाइड के जेनेरिक संस्करणों (जीएलपी-1) को बाजार में लाने की तैयारी है। सेमग्लूटाइड एक दवा है जो मधुमेह और मोटापे के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाती है। इस दवा का पेटेंट मार्च 2026 में खत्म हो जाएगा, जिसके बाद भारतीय कंपनियां इसके जेनेरिक संस्करण को बाजार में लाएंगी। भारत में अभी सेमाग्लूटाइड गोली और इंजेक्शन के रूप में उपलब्ध है जिसे डेनमार्क की कंपनी नोवो नॉर्डिस्क बनाती है।

दवा के जेनेरिक संस्करण का लॉन्च बेहद महत्वपूर्ण होगा क्योंकि भारतीय ग्राहकों के लिए कीमतें मौजूदा 17,000-26,000 रुपए मासिक से काफी कम होने की उम्मीद है जिससे ज्यादा मरीज इसका लाभ उठा पाएंगे। डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज, सिप्ला, सन फार्मा, मैनकाइंड फार्मा और अन्य कंपनियां लॉन्च करने की तैयारी में है। ये कंपनियां पेप्टाइड के उत्पादन को बढ़ा रही हैं और दूसरे इंतजाम के लिए साझेदारी कर रही हैं और नियामकीय रणनीतियों के अनुरूप ढलने की कोशिश में हैं ताकि तेजी से बढ़ते जीएलपी-1 बाजार में अपनी हिस्सेदारी बना सकें।

उम्मीद है कि दशक के अंत तक इस दवा का वैश्विक बाजार 150 अरब डॉलर से भी ज्यादा हो जाएगा। हैदराबाद की कंपनी डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज (डीआरएल) की योजना, 2026 से 87 देशों में सेमाग्लूटाइड को वैश्विक स्तर पर लॉन्च करने की है जिसके तहत पेटेंट खत्म होते ही भारत और ब्राजील में इसे पहले ही दिन लॉन्च किया जाएगा। कंपनी के सीईओ ने कहा है कि उनकी दवा की कीमत नोवो नॉर्डिस्क की दवा की प्रतिमाह 17,000 रुपए से कम होगी। कंपनी अगले दशक में चरणबद्ध लॉन्च के लिए 26 पेप्टाइड आधारित जीएलपी-1 दवाएं भी तैयार कर रही है जिसके लिए 2026 में पेप्टाइड और बायोसिमिलर उत्पादन बढ़ाने के लिए 2,700 करोड़ रुपए का पूंजीगत खर्च किया जाएगा।

सिप्ला आंतरिक स्तर पर साझेदारी के जरिये पहले चरण के लॉन्च का लक्ष्य रखा है। कंपनी के एमडी और वैश्विक सीईओ ने कहा कि पिछले पांच सालों में हमने जीएलपी-1 को थेरेपी के क्षेत्र में एक बड़े मौके के तौर पर देखा है।

भारती एयरटेल की कुल आमदनी 49,615 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान

-अप्रैल-जून 2025 की तिमाही में शानदार प्रदर्शन की बैठक में होगी घोषणा

नई दिल्ली।

देश की दूसरी सबसे बड़ी टेलिकॉम कंपनी भारती एयरटेल इस बार अप्रैल-जून 2025 की तिमाही में शानदार प्रदर्शन कर सकती है। कंपनी के नतीजे मंगलवार अगस्त को घोषित किए जाएंगे। विश्लेषकों का मानना है कि इस तिमाही में कंपनी की आमदनी और मुनाफा दोनों में अच्छी बढ़त देखने को मिल सकती है। इसकी वजह भारत में मोबाइल ग्राहकों की संख्या में इजाफा और औसत प्रति यूजर आय में सुधार माना जा रहा है।

भारती एयरटेल ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि कंपनी के बोर्ड की बैठक 5 अगस्त को होनी है। इस बैठक में कंपनी अप्रैल-जून तिमाही के स्टैंडअलोन और कंसॉलिडेटेड वित्तीय नतीजों पर मुहर लगाएगी। ये तिमाही 30 जून 2025 को खत्म हो गई है। बाजार के चार प्रमुख ब्रोकरेज संस्थानों नुवामा, कोटक, प्रभुदास लीलाधर और जेएम फाइनेंशियल ने अपने अनुमान जारी किए हैं। सभी ने भरोसा जताया है कि एयरटेल का प्रदर्शन मजबूत रहेगा। नुवामा का मानना है कि एयरटेल की कुल आमदनी 49,615 करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है, जो पिछली तिमाही 48,362 करोड़ थी यानी करीब 2.6 फीसदी की ग्रोथ। साल दर साल तुलना करें तो यह बढ़त 27.6 फीसदी मानी जा रही है। भारत के मोबाइल सर्विस बिजनेस में ग्राहकों की संख्या बढ़ने से करीब 3.4फीसदी ग्रोथ आ सकती है, हालांकि एआरपीयू में केवल मामूली बढ़त का अनुमान है।

जेन स्ट्रीट की हेराफेरी ने भारत के डेरिवेटिव बाजार की खामियों को किया उजागर

नई दिल्ली।
देश के नियामकों ने एक हाई फ्रीक्वेंसी वाली ट्रेडिंग फर्म, जेन स्ट्रीट को बाजार में हेराफेरी करते पिछले दिनों पकड़ा था, लेकिन सच यह है कि इसने सालों की बढ़ोतरी के बाद भारत के डेरिवेटिव बाजार के मूल में मौजूद गहरी संरचनात्मक खामियों को उजागर कर दिया है। एक तो वायदा और विकल्प यानी एफऐंडओ कारोबार के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले सूचकांक त्रुटिपूर्ण हैं। दूसरा नीति निर्माताओं का यह दावा पूरी तरह सही नहीं है कि डेरिवेटिव बाजार कुशल मूल्य निर्धारण को सक्षम बनाता है, बाजार में नकदी की स्थिति में सुधार करता है और निवेशकों को जोखिम प्रबंधन की अनुमति देता है। इंडेक्स डेरिवेटिव्स में विशाल मात्रा केवल दो सूचकांकों तक सीमित है। निफ्टी 50 और बैंक निफ्टी और कुछ हद तक फिननिफ्टी। सूचकांक निर्माण को अक्सर एक अजीबो-गरीब अभ्यास माना जाता है। इसमें भार, नकदी, मुक्त प्रवाह, क्षेत्रवार प्रतिनिधित्व जैसे कार्यप्रणाली संबंधी मुद्दों पर बहस होती है और फिर सूचकांकों में शेयरों को जोड़ने और हटाने के लिए समय-समय पर इन सबकी समीक्षा होती है। ऐसे तकनीकी निर्णय ट्रेडिंग और सट्टेबाजी के लिए गौण लग सकते हैं, लेकिन इनके गहरे निहितार्थ होते हैं। इंडेक्स एफऐंडओ बाजार पर करीब काबिज दो सूचकांकों में से, बैंक निफ्टी और भी ज्यादा विषम है। इसके दो घटक यानी एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक इसके भार का आश्चर्यजनक रूप से 53 फीसदी हिस्सा रखते हैं। सूचकांक के शीर्ष पांच शेयरों का कुल भार 82 फीसदी है। यदि यह सूचकांक एक ऐसा उत्पाद होता जो केवल बैंकिंग शेयरों की दिशा का संकेत देता, तो यह हानिरहित होता। लेकिन यदि कोई म्युचुअल फंड बैंकिंग क्षेत्र का फंड प्रस्तुत करना चाहता है, तो वह बैंक निफ्टी को मानक सूचकांक के रूप में इस्तेमाल करेगा। समस्या यहीं से शुरु होती है। सेबी चाहता है कि निवेश प्रबंधक मानक सूचकांक को गंभीरता से लें, लेकिन एक ऐसा सूचकांक कितना सार्थक हो सकता है जहां 53 फीसदी भार दो शेयरों में है? यदि एक बैंकिंग क्षेत्र के फंड ने 25-30 शेयरों में निवेश किया है, जिसमें से 10 फीसदी एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को आवंटित हैं, तो ऐसे फंड के लिए मानक सूचकांक कितना सार्थक होगा?

ऑटो पीएलआई योजना में 84 में से 16 कंपनियों ने किए मानदंड पूरे

-16 कंपनियों को कुल 107 मॉडलों व कलपुर्जों के लिए मिली मंजूरी

नई दिल्ली। सरकार ने करीब दो साल पहले वाहन एवं वाहन कलपुर्जा उद्योग के लिए 25,938 करोड़ रुपए की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना लागू की थी, लेकिन इसके लिए पात्र 84 आवेदकों में से महज 16 कंपनियां ही अपने मॉडलों के लिए स्थानीय मूल्यवर्धन संबंधी मानदंडों को पूरा कर पाई हैं जो प्रोत्साहन पात्रता के लिए जरुरी है। इन 16 कंपनियों को कुल 107 मॉडलों व कलपुर्जों के लिए मंजूरी मिल गई है। इन कंपनियों ने 31 जुलाई तक के आंकड़ों के आधार पर प्रोत्साहन हासिल करने के लिए पात्रता के स्थानीय मूल्यवर्धन संबंधी मानदंडों को पूरा कर लिया है। भारत में मोटर बनाने के लिए जरुरी दुर्लभ खनिजों के आयात पर चीन के प्रतिबंधों के कारण 50 फीसदी स्थानीयकरण के लक्ष्य तक पहुंचना वाहन विनिर्माताओं के लिए कठिन हो सकता है। यही कारण है कि वाहन उद्योग स्थानीयकरण की गणना में मोटरों को शामिल न करने के लिए सरकार से अनुरोध कर रहा है। शुरू में इस योजना को 1 अप्रैल 2022 से मार्च 2027 तक लागू किया गया था, लेकिन बाद में उसे एक साल बढ़ाकर 2028 कर दिया गया। एक वाहन विनिर्माता के पहले मॉडल को 50 फीसदी स्थानीय मूल्यवर्धन को पूरा करने पर पीएलआई योजना के तहत प्रोत्साहन के लिए 17 अगस्त 2023 को मंजूरी दी गई थी। स्थानीय मूल्यवर्धन मानदंडों को पूरा करने वाले मॉडल रखने वाली कंपनियों के रिकॉर्ड से एक अलग तस्वीर सामने आती है। प्रमुख ओईएम और वाहन क्षेत्र के नए निवेशकों के बीच 20 कंपनियों में से महज 7 कंपनियों के पास ही ऐसे मॉडल हैं जिनके लिए आवेदन किया गया और स्थानीय मूल्यवर्धन की मंजूरी मिली है। इनमें से 15 कंपनियों के इलेक्ट्रिक वाहन सड़क पर मौजूद हैं। चार ऐसी कंपनियां हैं जिनके पास एक भी ईवी मॉडल नहीं है। ध्यान देने की बात यह भी है कि ओईएम चैंपियन श्रेणी में ऐसी कोई भी बहुराष्ट्रीय कंपनी नहीं है जिसे स्थानीय मूल्यवर्धन मानदंडों को पूरा करने की मंजूरी मिली हो। इनमें सुजूकी, ह्युंडै, किया और पीसीए ऑटोमोबाइल्स समेत सभी घरेलू कंपनियां हैं। वाहन कलपुर्जा के मामले में यह आंकड़ा काफी कमजोर है, जहां 64 पात्र कंपनियों में से महज 9 कंपनियों को ही पीएलआई प्रोत्साहन के लिए मंजूरी मिल पाई है लेकिन करीब 3 कंपनियों को ट्रैक्शन मोटर्स या हब मोटर्स के साथ एकीकृत व्हील रिम बनाने की मंजूरी मिल गई है। चीन में दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर पाबंदियों के कारण उनकी मुश्किलें बढ़ गई हैं।

वारेन बफे के लगातार शेयर बेचने से निवेशक घबराए

पिछली तिमाही में 26154 करोड़ के शेयर बेचे, बफेट के पास 30 लाख करोड़ की नगदी

नई दिल्ली।

शेयर बाजार के शहंशाह वारेन बुफेट की कंपनी वर्कशायर हैथवे ने पिछली तिमाही में 26154 करोड रुपए के शेयर बेचे हैं।पिछले 3 साल की 11 तिमाही से वह लगातार शेयर बेचकर नगदी जमा कर रहे हैं। वर्तमान में कंपनी के पास 30 लाख करोड रुपए की रिकॉर्ड नगदी जमा हो चुकी है।

वारेन ने कोका कोला और बैंक ऑफ अमेरिका जैसी बड़ी कंपनियों के शेयर सबसे ज्यादा बेचे हैं। इनके शेयरों का मूल्य,बाजार मूल्य से ज्यादा है।वारेन और उनकी टीम को शेयर बाजार में निवेश करने के लिए कोई अच्छी कंपनियां नहीं मिल रही हैं। जिसके कारण उनका नगदी का भंडार बढ़ता चला जा रहा है।पिछली तिमाही में 6।9 अरब डॉलर के शेयर बेचे, और 3.9 बिलियन डॉलर के शेयर खरीदे हैं। पिछले साल वारेन की कंपनी ने एप्पल और बैंक ऑफ अमेरिका मैं अपनी हिस्सेदारी घटाई है। वारेन बुफेट को शेयर बाजार की अच्छी समझ है।उन्होंने जो भी कमाया है शेयर बाजार के माध्यम से कमाया है। शेयर बाजार की वह नस-नस से वाकिफ हैं। जिस तरह से वह शेयर बाजार में अपनी हिस्सेदारी कम कर रहे हैं। उससे निवेशकों के बीच में एक भय देखने को मिल रहा है। विभिन्न देशों के बीच में जिस तरह से सामरिक एवं व्यापारिक मतभेद देखने को मिल रहे हैं। जो बार-बार तृतीय विश्व युद्ध की ओर इशारा कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में शेयर बाजार के निवेशकों का भरोसा डगमगा रहा है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 11 पैसे की बढ़त के साथ ही 87.65 पर बंद हुआ। आज सुबह विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा से भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बढ़कर 87.22 पर खुला। डॉलर सूचकांक में गिरावट और एशियाई मुद्राओं में तेजी के कारण भी भारतीय रुपया बढ़त के साथ खुला। स्थानीय मुद्रा अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.22 पर खुली, जो शुक्रवार के 87.54 के बंद भाव से 32 पैसे ज्यादा है। डॉलर सूचकांक 100 के करीब पहुंच गया, जिससे रुपया 100 पैसे नीचे आकर अगस्त के पहले दिन 87.52 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं पिछले सप्ताह विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारतीय शेयरों की लगातार बिकवाली और तेल की कीमतों में तेजी से रुपए में लगातार चौथे हफ्ते गिरावट आई थी। इस दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 47,666 करोड़ रुपए की बिक्री की। कारोबारियों को आज रुपये के87.00 से 87.50 के बीच और इस सप्ताह 87.00 से 87.80 के बीच कारोबार की उम्मीद है।

दिलीप बिल्डकॉन के शेयरों में 4.4 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी... विश्लेषकों ने दी सेल की सलाह

मुंबई। गुरुग्राम मेट्रो रेल प्रोजेक्ट मिलने और पहली तिमाही के शानदार नतीजों के बाद 4 अगस्त, दिलीप बिल्डकॉन के शेयरों में 4.4 प्रतिशत के उछल के साथ 478 के उच्च स्तर पर पहुंच गया। यह प्रोजेक्ट आरबीएल बैंक के साथ साझेदारी में 1,503.6 करोड़ का है। इसके तहत कंपनी मिलेनियम सिटी सेंटर से सेक्टर 9 और द्वारका एक्सप्रेसवे (1.85 किमी) तक एक वायडक्ट (उठा हुआ मार्ग) और 14 ऊंचे स्टेशन तैयार करेगी। इसमें सेक्टर 33 में डिपो तक का रैंप और भक्तावर चौक पर एक अंडरपास का निर्माण होना है। इस पूरे प्रोजेक्ट को 30 महीने में पूरा करने का लक्ष्य दिया गया है। 29 जुलाई को घोषित पहली तिमाही के नतीजों के अनुसार, कंपनी का शुद्ध लाभ बीते साल की तुलना में 94 प्रतिशत बढ़कर 271 करोड़ हो गया। यह बढ़ोतरी मार्जिन में सुधार और 170 करोड़ के एक्सेप्शनल गेन के कारण हुई। हालांकि, कुल आय में 16 प्रतिशत की गिरावट आई, जो ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन) ऑर्डरों में कमी को दिखाती है। दिलीप बिल्डकॉन के सीईओ देवेंद्र जैन ने बताया कि ईपीसी सेगमेंट में चुनौतियां होने के बावजूद, कोयला खनन और एचएएम (हाइब्रिड एन्युइटी मॉडल) सड़क परियोजनाओं से सहायता मिल रही है। उन्होंने भविष्य में पर्याप्त नए ऑर्डर मिलने की उम्मीद जाहिर की। कंपनी ने अपनी ग्रोथ को बढ़ावा देने के लिए 1,000 करोड़ तक के एनसीडी (नॉन-कंवर्टिबल डिबेंचर) और कमर्शियल पेपर्स जारी करने को भी मंजूरी दी है। विश्लेषकों के अनुसार, दिलीप बिल्डकॉन के शेयर का औसत टारगेट मूल्य 453 है, जो मौजूदा कीमत से लगभग 1 प्रतिशत कम है। छह विश्लेषकों ने इस शेयर के लिए सेल की सलाह दी है। पिछले एक महीने में शेयर में 11 प्रतिशत की गिरावट आई है, लेकिन पिछले दो साल में कंपनी के शेयर ने 43 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। कंपनी की मौजूदा बाजार कीमत करीब 6,696 करोड़ है।

वीआई दे रहा जियो से 50 रुपए सस्ता प्लान, 30जीबी एक्सट्रा डेटा भी

नई दिल्ली।

जियो के प्लान दूसरी कंपनियों से बेनिफिट के मामले में बेहतर हैं, लेकिन कुछ मामलों में दूसरी कंपनियां अपने प्लान्स से जियो को टक्कर दे रही हैं। वोडाफोन-आइडिया (वीआई) का 1749 रुपए वाला प्लान इन्हीं में से एक है। वैलिडिटी के मामले में यह जियो के 1799 रुपए वाले प्लान से आगे है। जियो से 50 रुपए सस्ते प्लान में वोडाफोन-आइडिया अपने यूजर्स को 30जीबी एक्सट्रा डेटा दे रहा है। जियो इसमें यूजर्स को नेटफ्लिक्स का ऐक्सेस मिलेगा, जो वोडाफोन-आइडिया में नहीं मिलता। जियो का यह प्लान 84 दिन की वैलिडिटी के साथ आता है। इस प्लान में आपको रोज 3जीबी डेटा मिलेगा। एलिजिबल यूजर्स को कंपनी अनलिमिटेड 5जी डेटा भी दे रही है। प्लान डेली 100 फ्री एसएमएस और देशभर में सभी नेटवर्क के लिए अनलिमिटेड कॉलिंग देता है। जियो यूजर्स को इस प्लान के साथ नेटफ्लिक्स बेसिक का फ्री ऐक्सेस मिलेगा। साथ ही जियो हॉटस्टार और जियो टीवी भी ऑफर करता है। प्लान में कंपनी जियो एआई क्लाउड पर 50जीबी स्टोरेज भी दे रही है। वोडाफोन-आइडिया का यह प्लान 180 दिन की वैलिडिटी के साथ है। इसमें कंपनी हर दिन 1.5जीबी डेटा देती है। प्लान में बिना किसी अडिशनल चार्ज 45 दिन के लिए 30जीबी एक्ट्रा डेटा भी दिया जा रहा है। कंपनी के 5जी नेटवर्क कवरेज वाले एरिया में रहने वाले यूजर्स को अनलिमिटेड 5जी डेटा भी मिलेगा। यह प्लान रात 12 बजे से सुबह 6 बजे तक अनलिमिटेड डेटा भी ऑफर करता है। साथ ही इसमें वीकेंड डेटा रोलओवर और डेटा डिलाइट्स भी दिया जा रहा है। प्लान में अनलिमिटेड कॉलिंग और हर दिन 100 फ्री एसएमएस मिलते हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 418 , निफ्टी 157 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही आई टी , वाहन और धातु शेयरों में उछाल के कारण आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 418 अंकों के उछाल के साथ 81,018.72 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 157.40 बढ़कर 24,722.75 पर पहुंच गया। आज कारोबार के दौरान टाटा स्टील के शेयर में 4 फीसदी की बढ़त आई। वहीं अन्य धातु और वाहन क्षेत्र में अच्छी तेजी दर्ज की गयी। बाजार में उछाल का कारण दूनिया भर के बाजारों में आई बढत और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की खरीदारी से आई है।

बाजार में सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों मे टाटा स्टील के शेयरों में 4.31 फीसदी की बढ़त आई. इसके बाद भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयरों में 3.55 फीसदी , अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन में 3.24 फीसदी , टेक महिंद्रा में 2.53 फीसदी , और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के शेयरों में 2.39 फीसदी तक की बढ़त रही।वहीं पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन के शेयर सबसे अधिक 1.01 फीसदी तक गिरे। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक के शेयरों में 0.99 फीसदी , आईसीआईसीआई बैंक में 0.60 फीसदी , हिंदुस्तान यूनिलीवर में 0.25 प्रतिशतफीसदी , और आईटीसी के शेयर में 0.04 फीसदी की गिरावट रही।

बाजार जानकारों के अनुसार धातु ओर वाहन क्षेत्र के शेयरों में आये उछाल के साथ ही अमेरिकी डॉलर की कमजोरी, के साथ ही कंपनियों के तिमाही परिणामों में सुधार से भी बाजार को बल मिला और वह ऊपर आया।

इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सेंसेक्स 192 अंक करीब 0.25 फीसदी बढ़त के साथ ही 80,804 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 82 अंक तकरीबन 0.34 फीसदी बढ़कर 24,648 पर खुला। आज वाहन क्षेत्र के शेयरों में सबसे अधिक तेजी रही। शुरुआती कारोबार में ही निफ्टी ऑटो इंडेक्स 1.29 फीसदी उछल गया। इसके अलावा पीएसयू बैंक, मेटल, रियल्टी, मीडिया, रियल्टी, इन्फ्रा और कमोडिटीज शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं। आईटी, दवा, उर्जा और निजी बैंक शेयर गिरावट के साथ ही नीचे आये। लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में सपाट कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 4 अंक की हल्की गिरावट के साथ ही 56,635 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 16 अंक नीचे आकर 17,652 पर था।

वहीं अमेरिका में टैरिफ और रोजगार रिपोर्ट के ताजा डेटा के कारण शुक्रवार को बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। इस दौरान अमेरिकी शेयर बाजारों में जमकर गिरावट रही। डाउ जोन्स 1.23 फीसदी, एसएंडपी 1.60 फीसदी और नैस्डैक कंपोजिट 2.24 फीसदी गिरा। इससे अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अगले महीने ब्याज दरों को घटाने की संभावनाएं बढ़ीं हैं। वहीं एशियाई बाजारों में मिश्रित रुख रहाहे। चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.23 फीसदी, हांगकांग के हैंग सेंग इंडेक्स में 0.50 फीसदी की बढ़त रही जबकि दक्षिण कोरिया के कोस्पी में 0.77 फीसदी की बढ़त आई। जापान के निक्केई 225 में सुबह के समय 1.63 फीसदी की गिरावट रही।दूसरी ओर विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने लगातार बिकवाली का सिलसिला जारी रखा और 3,366 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर बेचे जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,186 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

अनिल अंबानी पर ईडी का दोहरा वार, दर्जन भर बैंकों को भी भेजे पत्र से बढ़ीं मुश्किलें

-मंगलवार को ईडी के समक्ष होना है पेश

मुंबई। देश के सबसे चर्चित उद्योगपतियों में शुमार अनिल अंबानी इस बार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निशाने पर हैं। जांच एजेंसी ने उन्हें 5 अगस्त को पूछताछ के लिए समन जारी किया है, साथ ही उन 12 से 13 बैंकों को भी पत्र भेजे हैं जिन्होंने उनकी कंपनियों को ऋण दिए थे। इस तरह से अब ये जांच मनी लॉन्ड्रिंग और बैंक फ्रॉड के नए दायरे में प्रवेश कर गई है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार, उद्रयोगपती अनिल अंबानी मामले में ईडी ने भारतीय स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई, एचडीएफसी, यूको बैंक और पंजाब एंड सिंध बैंक सहित प्रमुख सार्वजनिक व निजी बैंकों को पत्र लिखकर उनसे रिलायंस हाउसिंग फाइनेंस, रिलायंस कम्युनिकेशंस और रिलायंस कॉमर्शियल फाइनेंस को दिए गए लोन की विवरणात्मक जानकारी मांगी है। ईडी के अधिकारियों का कहना है कि ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया, चूक की समय-सीमा और वसूली की स्थिति जैसे बिंदुओं पर फोकस किया जा रहा है। संभव है कि बैंक अधिकारियों को भी पूछताछ के लिए तलब किया जाए, जिनकी निगरानी में ये लोन स्वीकृत हुए थे और जो बाद में एनपीए में तब्दील हो गए।

3,000 करोड़ की लोन हेराफेरी की जांच

ईडी की यह जांच साल 2017 से 2019 के बीच के उस कथित मामले से जुड़ी है, जिसमें यस बैंक द्वारा अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस समूह की कंपनियों को दिए गए करीब 3,000 करोड़ रुपये के लोन की गंभीर अनियमितताएं सामने आई थीं। रिपोर्ट के अनुसार, इन ऋणों के जारी होने से ठीक पहले कुछ प्रवर्तकों को फंड ट्रांसफर भी किए गए थे, जिससे यह संदेह गहराया कि यह प्रणालिबद्ध लेन-देन योजना हो सकती है।

चीनी कंपनियों के साथ कोई साझेदारी नहीं, अदाणी समूह ने ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट को बकवास बताया

अहमदाबाद।

देश के दिग्गज कारोबारी समूह अदाणी ने ब्लूमबर्ग की उस रिपोर्ट को निराधार और भ्रामक बातकर पूरी तरह से खारिज किया है, जिसमें समूह के चीनी कंपनियों बीवॉयडी और बीजिंग वेलियन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी के साथ संभावित गठजोड़ का दावा किया गया था।

कंपनी की ओर से जारी बयान में, अदाणी समूह के प्रवक्ता ने कहा कि वे 4 अगस्त 2025 की ब्लूमबर्ग रिपोर्ट का खंडन करते हैं, इससे भारत में बैटरी निर्माण और स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए बीवॉयडी के साथ सहयोग की संभावना तलाशने की बात कही गई थी। अडानी समूह के प्रवक्ता ने कहा, यह रिपोर्ट निराधार, गलत और भ्रामक है। अदानी समूह भारत में बैटरी निर्माण के लिए बीवॉयडी के साथ किसी भी प्रकार के सहयोग की संभावना नहीं तलाश रहा है। इसके अतिरिक्त, अडानी समूह ने दो टूक कहा कि वे बीजिंग वेलियन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी के साथ किसी भी प्रकार की साझेदारी के लिए कोई बातचीत नहीं कर रहे हैं।

समूह का यह खंडन तब आया है, जब अदानी समूह अगले पांच वर्षों में करीब 100 अरब डॉलर के पूंजीगत व्यय निवेश की तैयारी कर रहा है। अदानी समूह थर्मल और रिन्यूएबल एनर्जी उत्पादन, ट्रांसमिशन, डिस्ट्रीब्यूशन, एलएनजी, एलपीजी, सीएनजी, पीएनजी, बैटरी स्टोरेज, हाइड्रोजन ट्रक, ईवी चार्जिंग स्टेशन, पंप हाइड्रो और खनन सहित कई अन्य क्षेत्रों में कारोबार करता है। यह भारत का दूसरा सबसे बड़ा और सबसे कुशल सीमेंट निर्माता होने के साथ-साथ एयरोस्पेस और डिफेंस, डेटा सेंटर और रियल एस्टेट सेक्टर में भी मौजूद है।

बीएसएनएल ने 30 दिन तक वैलीडिटी वाले रिचार्ज प्लान्स की वैधता घटाई

नई दिल्ली। सरकारी टेलीकॉम कंपनी बीएसएनएल ने अपने बजट फ्रेंडली रिचार्ज प्लान्स की वैधता घटा दी है। पहले जहां बीएसएनएल के 147 रुपए वाले प्लान में 30 दिन तक अनलिमिटेड कॉलिंग, नेशनल रोमिंग और 10जीबी डेटा मिलता था, अब इसकी वैधता घटाकर 25 दिन कर दी है। इस तरह की वैधता में कमी कंपनी की दूसरी सस्ती योजनाओं जैसे 99 रुपए और 197 रुपए वाले प्लान्स में भी देखी जा रही है। बीएसएनएल के इस फैसले को टेलीकॉम इंडस्ट्री में बढ़ते प्रतिस्पर्धा और कमाई बढ़ाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। निजी कंपनियां भी अपनी योजनाओं की वैधता कम करके ग्राहकों को बार-बार रिचार्ज कराने पर मजबूर कर रही हैं, और अब बीएसएनएल भी इस रास्ते पर है। वहीं दूसरी ओर, एयरटेल ने कॉलिंग और एसएमएस के लिए लंबी अवधि वाले प्लान पेश किए हैं, जो बिना डेटा के भी उपभोक्ताओं को ज्यादा दिन तक सेवा प्रदान करते हैं। एयरटेल का 469 रुपए का 84 दिन वाला प्लान और 1849 रुपए का सालभर वाला प्लान ग्राहकों को निरंतर संपर्क बनाए रखने का विकल्प देता है।

सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ जीत की सरल योजना का खुलासा किया

लंदन (एजेंसी)। भारत ने लंदन के ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट में इंग्लैंड को 6 रन से हराकर पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला बराबर की। पारी में 5 और मैच में कुल 9 विकेट लेकर जीत के सूत्रधार रहे मोहम्मद सिराज को प्लेयर ऑफ द मैच मिला। जीत के बाद सिराज ने योजना का खुलासा किया जो इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट के लिए बनाई थी।

सिराज ने कहा, 'सच कहूं तो, यह बहुत अच्छा लग रहा है। हम पहले दिन से ही कड़ी टक्कर देना चाहते थे और यह नतीजा देखकर बहुत अच्छा लगा। हमारी योजना थी कि इसे सरल रखा जाए और एक ही जगह पर गेंद डाली जाए। आज जब मैं उठा तो मुझे विश्वास था कि मैं आज यह कर सकता हूं। अगर मैंने वह कैच ठीक से पकड़ा होता, तो शायद हमें आज यहां आने की जरूरत ही न पड़ती। लेकिन ब्रूक ने वाकई बहुत अच्छा खेला। यह दिल तोड़ने वाला पल था। वह बस मुझे गेंद को बीच में रखने के लिए कह रहे थे। अपने पिता को और यहां तक पहुंचने के लिए की गई आपकी कड़ी मेहनत को याद करो।'

गौर हो कि भारत ने टॉस हारने के बाद पहली पारी में करुण नायर के अर्धशतक (57) की बदौलत 224 रन बनाए। नायर के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज पहली पारी में चल नहीं सका। लेकिन मोहम्मद सिराज (4) और प्रसिद्ध कृष्णा (4) ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को 247 पर रोक दिया जिसमें जैक क्रॉली और हैरी ब्रूक ने अर्धशतक लगाए।

इंग्लैंड द्वारा मामूली बढ़त (23) के बाद भारत ने दूसरी पारी में यशस्वी जायसवाल के शतक (118) और आकाशदीप (66), रविंद्र जडेजा (53) तथा वाशिंगटन सुंदर (53) के अर्धशतकों की बदलौत 396 रन बनाए। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम की शुरूआत खराब रही लेकिन हैरी ब्रुक ने 19 रन पर मिले जीवनदार का फायदा उठाते हुए जो रूट (105) के बाद शतकीय पारी (ब्रुक 111) खेली। लेकिन करीबी मुकाबले में भारत ने मोहम्मद सिराज (5) और प्रसिद्ध कृष्णा (4) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत 6 विकेट से जीत दर्ज की।

भारत ने रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को हराया, सीरीज बराबर

लंदन (एजेंसी)। भारत ने उतार-चढ़ाव से भरे बेहद रोमांचक पांचवें और अंतिम टेस्ट के पांचवें दिन सोमवार को यहां मोहम्मद सिराज के करिश्माई प्रदर्शन से इंग्लैंड को 6 रन से हराकर श्रृंखला 2-2 से बराबर कर दी जिसे क्रिकेट की दो दिग्गज टीमों के बीच बेहद कड़े मुकाबले के रूप में हमेशा याद किया जाएगा।

सिराज ने तूफानी गेंदबाजी का नजारा पेश करते हुए 104 रन देकर 5 विकेट चटकाए और टीम की जीत के नायक साबित हुए। उन्होंने श्रृंखला में कुल 23 विकेट चटकाए और दोनों टीमों में सबसे सफल गेंदबाज रहे। भारत के 374 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने चौथे दिन जब छह विकेट पर 339 रन बनाए थे जब खराब रोशनी और बारिश के कारण खेलना रोकना पड़ा था। इंग्लैंड को अंतिम दिन जीत के लिए 35 रन जबकि भारत को चार विकेट की दरकार थी।

सिराज की अगुआई में भारत ने हालांकि इंग्लैंड को 85.1 ओवर में 367 रन पर समेट दिया और रोमांचक जीत दर्ज की। प्रसिद्ध कृष्णा ने भी 126 रन देकर 4 विकेट चटकाए। कंधे में चोट बावजूद क्रिस वोक्स एक हाथ में बल्ले थामे अंतिम बल्लेबाज के रूप में क्रीज पर उतरे और काफी दर्द के बावजूद मैदान पर डटे रहे लेकिन अंततः सिराज ने गस एटकिंसन (17) को बोल्ड करके भारत को जीत दिला दी।

इंग्लैंड ने लीड्स में पहला मैच पांच विकेट से जीत दर्ज की थी जबकि भारत ने बर्मिंघम में जोरदार वापसी करते हुए दूसरा टेस्ट 336 रन से जीता था। लाड्‌र्स में तीसरे टेस्ट में मेजबान टीम ने 22 रन की रोमांचक जीत दर्ज की जबकि मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट ड्रॉ रहा। इसके बाद भारत ने जो रूट और हैरी ब्रूक की शतकीय पारियों के बावजूद चौथी शाम चार विकेट चटकाकर जोरदार वापसी की और फिर श्रृंखला के अंतिम दिन जीत दर्ज की।

सूर्यकुमार यादव सर्जरी के बाद फिट होने के लिए एनसीए पहुंचे, एशिया कप की तैयारी शुरू

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव सर्जरी के बाद एशिया कप से पहले पूरी तरह फिट होने के लिए इस समय राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (NCA) में है। सूर्यकुमार यादव ने हाल ही में पुनर्वास और फिटनेस आकलन के लिए बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के सेंटर में रिपोर्ट की थी। पूरी तहर फिट न होने के कारण उन्हें पश्चिम क्षेत्र के चयनकर्ताओं ने दलीप ट्रॉफी के लिए 15 सदस्यीय टीम से बाहर रखा। ऐसा माना जा रहा है कि सूर्यकुमार ने उन्हें सूचित कर दिया था कि उन्होंने सीओई जांच करा ली है।

म्यूनिख में हुई उनकी हर्निया की सर्जरी के बाद वह पुनर्वास की प्रक्रिया में है। सूर्यकुमार का अगला बड़ा टूर्नामेंट 9 से 28 सितंबर तक UAE में होने वाला एशिया कप है। इस तेजतररर टी-20 बल्लेबाज से इस टूर्नामेंट में भारत की कप्तानी करने की उम्मीद है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के अधिकारियों के अनुसार उन्हें इस आयोजन से पहले पूरी तरह फिट होने का भरोसा है। उन्हें आखिरी बार आईपीएल के दौरान मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हुए देखा गया था।

इस बीच पता चला है कि श्रेयस अय्यर पिछले हफ्ते फिटनेस टेस्ट के लिए सीओई आये थे। अब वह मुंबई लौट गये हैं और माना जा रहा है कि यह दौरा नियमित जांच के लिए था। बताया जा रहा है कि वह पूरी तरह फिट हैं और खेलने के लिए तैयार हैं। एशिया कप के लिए चुने जाने तक, उन्हें दलीप ट्रॉफी में खेलना चाहिए।

अय्यर आखिरी बार आईपीएल फाइनल में पंजाब किंग्स फ्रैंचाइजी की कप्तानी करते हुए देखे गए थे। आईपीएल के बेहद सफल सीजन के बाद एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए भारतीय टेस्ट टीम में उनके शामिल होने की काफी अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन अपेक्षित चयन नहीं हो पाया। उल्लेखनीय है कि चार दिवसीय दलीप ट्रॉफी मैच 28 अगस्त से बेंगलुरु में शुरू होंगे, लेकिन पश्चिम क्षेत्र की टीम जिसे सीधे सेमीफाइनल में जगह दी गई है। अपना पहला मैच चार सितंबर से खेलेगी।

फरहान और अयूब का शानदार प्रदर्शन, पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज जीती

फ्लोरिडा (अमेरिका) (एजेंसी)। साहिबजादा फरहान और सैम अयूब के अर्धशतकों की बदौलत पाकिस्तान ने सोमवार को फ्लोरिडा में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरा और अंतिम टी20 मैच 13 रनों से जीतकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सैम अयूब और साहिबजादा फरहान की सलामी जोड़ी ने पावरप्ले में बिना किसी नुकसान के 47 रन जोड़कर पाकिस्तान को शानदार शुरुआत दिलाई।

उन्होंने लय बरकरार रखी और पारी के मध्य तक टीम का स्कोर बिना किसी नुकसान के 82 रन तक पहुंचाकर पाकिस्तान का दबदबा और बढ़ा दिया। फरहान ने अपना तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक पूरा किया। अयूब ने भी अपने साथी के साथ मिलकर अपना दूसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक पूरा किया और पाकिस्तान के लिए 100 रनों की शुरुआती साझेदारी पूरी की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 138 रन जोड़े, इससे पहले कि शमर जोसेफ ने 17वें ओवर में फरहान को 74 रन पर आउट कर दिया। हसन नवाज ने रोस्टन चेज की गेंद पर अपना विकेट गंवाने से पहले कुछ बड़े शॉट खेले, इसके बाद हारिस रन आउट हो गए और वेस्टइंडीज ने मैच में वापसी की। खुशदिल शाह और फहीम अशरफ ने अंतिम ओवर में 19 रन ठोक डाले और पाकिस्तान ने अपनी पारी 189/4 पर समाप्त की।

जवाब में 190 रनों का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाज एलिक अथानाजे और जेरलानी एंड्रयू ने भी अपनी टीम को शानदार शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 44 रन जोड़े, इससे पहले कि हारिस राउफ ने 5वें ओवर में एंड्रयू को 24 रन पर आउट कर दिया। कप्तान शाई होप का बल्ले से रनों का सूखा जारी रहा और 9वें ओवर में मोहम्मद नवाज ने उन्हें सात रन पर आउट कर दिया।

अथानाजे ने 11वें ओवर में अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक पूरा किया, उन्होंने अपने कुल स्कोर में 10 रन और जोड़े, इससे पहले कि अगले ओवर में अयूब ने उन्हें 60 रन पर आउट कर दिया। रोस्टन चेज ने 15 रन बनाए लेकिन वे रन नहीं बना पाए और 18 गेंदों में जीत के लिए 41 रन शेष रहते रिटायर हो गए। शेरफेन रदरफोर्ड ने 35 रनों पर महत्वपूर्ण अर्धशतक बनाया और अपनी टीम को जीत दिलाने की कोशिश की, लेकिन घरेलू टीम अंततः लक्ष्य से 13 रन पीछे रह गई। फरहान को उनके शानदार अर्धशतक के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जबकि नवाज को प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार दिया गया।

दलीप ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन कर टेस्ट टीम में वापसी का प्रयास करेंगे श्रेयस

मुम्बई (एजेंसी)। इसी माह शुरु होने जा रही दलीप ट्रॉफी में अब श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे और सरफराज खान जैसे क्रिकेटर भी खेलते दिखेंगे। भारतीय टीम से बाहर चल रहे श्रेयस का प्रयास घरेलू क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन का टीम इंडिया में वापसी करना है।इसी को देखते हुए श्रेयस ने पश्चिम क्षेत्र की ओर से दलीप ट्रॉफी में हिस्सा लेने के लिए अपने को उपलब्ध बताया है। दलीप ट्रॉफी 28 अगस्त से शुरू होगी। श्रेयस के अलावा मुंबई के मध्यक्रम के बल्लेबाज सरफराज खान और ऑलराउंडर शिवम दुबे ने भी इसके लिए अपने को उपलब्धत बताया है।इन क्रिकेटरों ने मुंबई क्रिकेट संघ को अपने खेलने की जानकारी दे दी है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के एक अधिकारी ने कहा कि श्रेयस अय्यर ने हमें सूचित किया है कि वह दलीप ट्रॉफी में खेलने के लिए उपलब्ध है। वहीं सरफराज, शिवम दुबे और तुषार देशपांडे जैसे अन्य खिलाड़ियों ने अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है। अय्यर ने भारत के लिए 14 टेस्ट खेले हैं। उसमें उन्होंने 5अर्धशतक और एक शतक लगाया है। अय्यर ने इंग्लैंड के खिलाफ फरवरी 2024 के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लाल गेंद वाला क्रिकेट नहीं खेला है। उन्हें हालांकि चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में जगह मिली थी। श्रेयस को घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने के कारण पिछले सात टीम से बाहर कर दिया गया था हालांकि इस बार उन्हें केन्द्रीय अनुबंध भी मिल गय है। जिससे अब वह घरेलू क्रिकेट में और बेहतर प्रदर्शन कर टीम में वापसी करना चाहते हैं।

यश ढुल ने डीपीएल 2025 का पहला शतक जड़ सेंट्रल दिल्ली किंग्स को दिलाई जीत

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल 2025) के दूसरे दिन का पहला मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसमें सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को 8 विकेट से मात दी। यह मैच 3 अगस्त को दिल्ली के ऐतिहासिक अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया। इस मुकाबले के हीरो रहे युवा बल्लेबाज यश धुल, जिन्होंने सीजन का पहला शतक जड़कर अपनी टीम को जीत दिलाई। 175 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। सलामी बल्लेबाज यश धुल ने विपक्षी गेंदबाजों की जमकर धुनाई करते हुए महज 55 गेंदों पर शतक पूरा किया। उन्होंने अपनी पारी में कुल 15 चौके-छक्के (8 चौके और 7 छक्के) जड़े। यश धुल ने 56 गेंदों में 101 रन बनाए और 180.36 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए विपक्षी टीम को कोई मौका नहीं दिया। उनकी इस विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 17.3 ओवर में ही 177 रन बना लिए और 8 विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया। यश के अलावा युगल सैनी ने भी उपयोगी योगदान दिया और 24 गेंदों में 36 रन बनाए। वहीं कप्तान जोंटी सिद्धू 19 गेंदों पर 23 रन बनाकर नाबाद लौटे। नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स की ओर से दोनों विकेट कुलदीप यादव ने चटकाए, लेकिन बाकी गेंदबाज बिखरे नजर आए।

राजगीर में एशिया रग्बी अंडर-20 सेवेन्स चैंपियनशिप नजर आयेंगी शीर्ष खिलाड़ी

पटना। बिहार के राजगीर स्टेडियम में आने वाले दिनों में एशिया के शीर्ष रग्बी खिलाड़ी खेलते हुए नजर आयेंगे। इन देशों की टीम लेगी। यहां इसी माह 9 और 10 अगस्त को होने वाली एशिया रग्बी अंडर-20 सेवेन्स चैंपियनशिप 2025 में 12 देशों की टीमें हिस्सा लेंगी। इसमें भारत के अलावा हांगकांग, चीन, यूएई, उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान, श्रीलंका, मलेशिया और नेपाल के रग्बी खिलाड़ी भाग लेंगे। इस आयोजन को लेकर रग्बी इंडिया के प्रेसिडेंट राहुल बोस ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के प्रौत्सान के कारण ही बिहार में रग्बी जैसे खेल को भी विकसित होने का अवसर मिला है। 9 और 10 अगस्त को होने वाले इस अंतरराष?ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए 7 अगस्त से ही टीम राजगीर पहुंचने लगेंगी। साथ ही कहा कि राजगीर में आने वाले खिलाड़ियों का भव्य स्वागत होगा। वहीं 8 अगस्त को राजगीर स्पोर्ट्‌स कॉम्प्लेक्स में रंगारंग उद्घाटन समारोह रखा गया है। इस टूर्नामेंट में एशिया के 32 रग्बी खेलने वाले देशों में से केवल शीर्ष 12 रैंकिंग वाली टीमें ही शामिल हो रही हैं। ऐसे में यहां बेहद रोमांचक खेल देखने को मिलेगा। यह आयोजन बिहार के लिए इसलिए भी विशेष है, क्योंकि रग्बी यहां 14 प्राथमिकता वाले खेलों में शामिल है। हाल ही में नेशनल गेम्स में बिहार की महिला टीम ने रजत पदक जीता था। रग्बी चैम्पियनशिप से राज्य के उभरते हुए खिलाड़ियों को भी प्रौत्साहन मिलेगा।

रूट घरेलू धरती पर सबसे अधिक टेस्ट शतक लगाने वाले क्रिकेटर बने

ओवल। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट में शतक लगाने के साथ ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। रुट ने दूसरी पारी में 152 गेंदों में 12 चौकों की सहायता से 105 रन बनाये। यह रूट के टेस्ट करियर का 39वां शतक है। इसी के साथ ही रूट घरेलू धरती पर सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने इंग्लैंड में 24वां टेस्ट शतक लगाकर शीर्ष पर पहुंच गये। रूट ने इस शतक के साथ ही श्रीलंका के पूर्व बल्लेबाज महेला जयवर्धने, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग और साउथ अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर जैक्स कैलिस का रिकार्ड तोड़ा। इन तीनों ने ही अपने धरती पर टेस्ट क्रिकेट में 23-23 शतक लगाये हैं। रूट ने इसके अलावा श्रीलंका के पूर्व दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार संगकारा को भी पीछे छोड़ा है। संगकारा इससे पहले टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले ले खिलाड़ियों की सूची में चौथे स्थान पर थे लेकर अब वह पांचवें स्थान पर फिसल गये हैं। संगकारा ने कुल 38 टेस्ट शतक लगाए थे। टेस्ट में सबसे अधिक शतक का रिकॉर्ड महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम 51 शतक का है। उसके बाद जैक कैलिस के नाम 45 और पोंटिंग के नाम 41 शतक हैं। रूट ने इसके अलावा भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ की बराबरी की है। रूट और स्मिथ ने भारत के सामने 16-16 शतक लगाये हैं। रूट ने भारत के खिलाफ 13 टेस्ट शतक लगाये हैं। वह एक टीम के खिलाफ सबसे अधिक टेस्ट शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। अब तक केवल भारतय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर के नाम ही ये रिकार्ड था। गावस्कर ने वेस्टइंडीज के विरुद्ध 13 टेस्ट शतक जड़े थे।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय पुरूष हॉकी टीम का ऐलान, युवा खिलाड़ियों को मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस महीने के आखिर में होने वाले एशिया कप की तैयारी के मद्देनजर 15 अगस्त से शुरू हो रहे ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए हॉकी इंडिया ने हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में 24 सदस्यीय भारतीय पुरूष टीम का ऐलान किया है जिसमें कर्नाटक के पूवन्ना सीबी नया चेहरा होंगे। अगले साल नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले विश्व कप के लिए एशिया कप क्वालीफायर टूर्नामेंट है जो 29 अगस्त से बिहार के राजगीर में खेला जाएगा। इसकी तैयारी के लिए भारतीय टीम 15 से 21 अगस्त तक पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैच खेलेगी। टीम की कमान ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत के ही पास है जबकि गोलकीपिंग का जिम्मा कृशन पाठक और सूरज करकेरा संभालेंगे। डिफेंस में सुमित, जरमनप्रीत सिंह, संजय, अमित रोहिदास, नीलम संजीप सेस, जुगराज सिंह और नए खिलाड़ी कर्नाटक के पूवन्ना होंगे। मिडफील्डर में युवा राजिंदर सिंह को शामिल किया गया है जिनकी अक्सर तुलना पूर्व कप्तान सरदार सिंह से होती है। उनके अलावा राजकुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, रबिचंद्र सिंह मोइरांगथम, विष्णु कांत सिंह भी मिडफील्ड में होंगे। फॉरवर्ड पंक्ति में मनदीप सिंह, शिलानंद लाकड़ा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, सेल्वम कार्ति और आदित्य लालागे रहेंगे।

एशिया कप से पहले इस दौरे की अहमियत के बारे में मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा, 'हमारा फोकस शारीरिक अनुकूलन बेहतर करने और तकनीकी पहलुओं पर रहेगा।' टीम में युवा खिलाड़ियों को चुने जाने के बारे में उन्होंने कहा, 'हमने कुछ युवाओं को दबाव में खेलने की उनकी क्षमता परखने और जरूरी एक्सपोजर देने के लिए चुना है।' भारतीय टीम 8 अगस्त को बेंगलुरू से ऑस्ट्रेलिया रवाना होगी जहां भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र पर शिविर चल रहा है।

टीम – गोलकीपर : कृशन बी पाठक और सूरज करकेरा

डिफेंडर : हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), सुमित , जरमनप्रीत सिंह, संजय, अमित रोहिदास, नीलम संजीप सेस, जुगराज सिंह , पूवन्ना सीबी

मिडफील्डर : राजिंदर सिंह, राजकुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, रबिचंद्र सिंह मोइरांगथम, विष्णु कांत सिंह

फॉरवर्ड : मनदीप सिंह, शिलानंद लाकड़ा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, सेल्वम कार्ति और आदित्य लालागे

ओली को कप्तानी के योग्य नहीं मानते वॉन , बोले हैरी को दें जिम्मेदारी

ओवल। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भारत के खिलाफ जारी पांचवें क्रिकेट टेस्ट मैच में एक ऐसी मांग कर दी जिससे सभी हैरान हो गये। वॉन ने कहा कि ओली पोप टीम की कप्तानी करने के योग्य नहीं हैं, इसलिए उन्हें हटा दिया जाना चाहिये। नियमित कप्तान बेन स्टोक्स के चोटिल होने के कारण इस मैच में ओली इंग्लैंड टीम की कप्तानी कर रहे हैं। ओली वैसे तो पहले भी टेस्ट मैच में कप्तानी कर चुके हैं पर वॉन उन्हें इस भूमिका के काबिल नहीं मानते। इस पूर्व कप्तान वॉन के अनुसार ऑली की जगह प हैरी ब्रूक को कपतान बनाया जाना चाहिये। वॉन ने इंग्लैंड के लिए 51 टेस्ट में कप्तानी की है, जिसमें से वह 26 में जीते थे। वॉन के अनुसार हैरी अच्छे बल्लेबाज हैं। उन्होंने केवल 30 टेस्ट में 9 शतक लगाये हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट के चौथे दिन शतक लगाकर अपनी टीम को बेहतर हालत में पहुंचाया। उनकी पारी की बदौलत ही इंग्लैंड टीम 6 विकेट पर 339 रन बना पायी। से महज 35 रन दूर है. वॉन ने कहा, 'हैरी ब्रूक, मुझे एक लीडर की तरह दिखते हैं।' इस क्रिकेटर को इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड का सीमित ओवरों के लिए कप्तान बनाया गया था। वहीं वॉन से जब पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मैं ओली को ऐसे व्यक्ति के रूप में देखता हूं जो शानदार उप-कप्तान हैं। वे कप्तान को सलाह देने के लिए एक शानदार व्यक्ति हैं। कभी-कभी ऐसा भी होता है कि उप-कप्तान शानदार कप्तान नहीं होते। जैसे मार्कस ट्रेस्कोथिक मेरे लिए बेहतरीन उप-कप्तान थे पर वह कप्तानी नहीं कर पाये।'

अमन कुश्ती विश्व चैंपियनशिप में डेब्यू के लिए तैयार, सुजीत ने भी बनाई भारतीय टीम में जगह

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत (57 किग्रा) को विश्व चैंपियनशिप के चयन ट्रायल में कोई खास चुनौती नहीं मिली तो वहीं सुजीत कलकल ने शानदार कौशल दिखाते हुए सोमवार को पुरुषों के 65 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह पक्की कर ली। क्रोएशिया के जगरेब में अगले महीने होने वाली विश्व चैंपियनशिप 2024 में पेरिस ओलंपिक में कांस्य जीतने के बाद सहरावत का विश्व स्तर का दूसरा टूर्नामेंट होगा। इस 22 साल के पहलवान ने जून में प्रतिस्पर्धी कुश्ती में वापसी करते हुए मंगोलिया रैंकिंग सीरीज में कांस्य पदक जीता था। वह हालांकि यहां ट्रायल में मंगोलिया की तुलना में कहीं बेहतर नजर आये। उन्होंने अपने पहले मुकाबले में सुमित के खिलाफ मात्र एक अंक गंवाने के बाद शुरुआती पीरियड में ही तकनीकी श्रेष्ठता से जीत दर्ज की। उन्होंने फाइनल में राहुल को एकतरफा अंदाज में बिना कोई अंक गवायें तकनीकी श्रेष्ठता से मात दी। अमन ने कहा, ''मुझे लगता है कि मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौट आया हूं। मेरी फिटनेस अच्छी है और मेरी लय भी वापस आ गई है। मैं विश्व चैंपियनशिप के लिए तैयार हूं।'' उन्होंने कहा, ''मैंने मंगोलिया रैंकिंग सीरीज में कुछ गलतियां की थी लेकिन वह एक साल बाद मेरी पहली प्रतियोगिता थी। मुझे लगता है कि मैंने इतना बुरा प्रदर्शन नहीं किया था, मैं एक समय 11-6 से आगे भी चल रहा था, लेकिन मैं उस हार (मंगोलिया में) को स्वीकार करता हं।''

इस जीत की तुलना किसी से भी नहीं की जा सकती, राहुल ने इंग्लैंड पर जीत के बाद दिया पहला बयान

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ रोमांच की पराकाष्ठा पर पहुंचे पांचवें टेस्ट मैच में भारत की यादगार जीत के बाद टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में शामिल लोकेश राहुल ने सोमवार को इसे अपने अब तक के करियर की सबसे यादगार श्रृंखला करार दिया। इस मैच से पहले श्रृंखला में 2-1 से आगे इंग्लैंड को आखिरी दिन मैच और श्रृंखला जीतने के लिए 35 रन की जरूरत थी। भारत के सामने चार विकेट लेने की मुश्किल चुनौती थी। मोहम्मद सिराज की शानदार गेंदबाजी से भारतीय टीम ने इंग्लैंड को 367 रन पर आउट कर छह रन की रोमांचक जीत दर्ज की।

इस श्रृंखला में सलामी बल्लेबाज के दौर पर 532 रन बनाने वाले राहुल ने कहा, 'यह जीत मेरे लिए सब कुछ है। मैं पिछले कई साल से क्रिकेट खेल रहा हूं। मैं चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम का हिस्सा रहा हूं। मैंने टीम को विश्व कप ट्रॉफी उठाते हुए देखा है लेकिन इस जीत की तुलना किसी से भी नहीं की जा सकती है।' श्रृंखला के सभी मैच पांचवें दिन तक चले और क्रिकेट जगत ने इसे पांच मैचों की सबसे रोमांचक श्रृंखला में एक करार दिया। राहुल ने कहा, 'पिछले काफी समय से इस बात पर चर्चा हो रही है कि टेस्ट क्रिकेट का भविष्य क्या होगा लेकिन हमने जिस तरह से खेला है, उससे हमने उन सभी सवालों का जवाब दे दिया है।'

उन्होंने टीम के युवा खिलाड़ियों के जज्बे की तारीफ की। इस श्रृंखला से पहले हमें जीत का दावेदार नहीं माना जा रहा था लेकिन हमने हर मैच में संघर्ष किया और श्रृंखला को 2-2 से बराबर करने में सफल रहे। उन्होंने कहा, 'यह श्रृंखला भले ही ड्रॉ रही हो लेकिन हमने हर मैच में जज्बा दिखा। यह भारतीय टेस्ट क्रिकेट के लिए, यह सबसे ऊपर रहेगा और यहीं से बदलाव की शुरुआत होती है।'

राहुल ने कहा कि यह सिर्फ आगाज और यह टीम भविष्य में कई श्रृंखलाएं जीतेगी। रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गजों के संन्यास के बाद टीम श्रृंखला में जीत की दावेदार नहीं थी लेकिन उसने हर मैच में इंग्लैंड को कड़ी टक्कर दी। उन्होंने कहा, 'भारतीय टेस्ट टीम भविष्य में कई मैच और श्रृंखला जीतेगी। टीम में रोहित (शर्मा), विराट (कोहली) और रविचंद्रन (अश्विन) की गैरमौजूदगी के बारे में सोच कर मैं दो सप्ताह तक चिंतित था। मैं अचानक से अलग तरह की भूमिका में आ गया था। हर कोई मुझे से इंग्लैंड की परिस्थितियों के बारे में पूछ रहा था।'

उन्होंने गिल की कप्तानी की तारीफ करते हुए कहा, 'गिल ने शानदार तरीके से कप्तानी की। वह खिलाड़ियों से शानदार तरीके से घुलमिल गए। वह रणनीतिक तौर पर शानदार थे, उन्होंने गेंदबाजी में कुछ शानदार बदलाव किए जिससे हम विकेट लेने में सफल रहे। वह शानदार टेस्ट कप्तान बनेंगें।

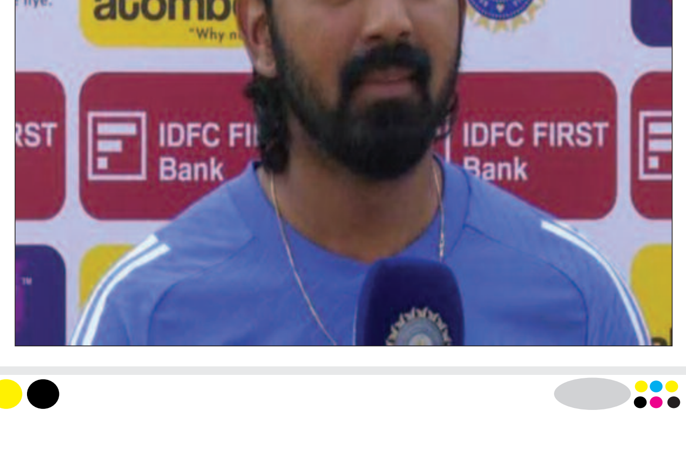

कैसे बनाएं अपने लिविंग रूम को खूबसूरत और हटके? ट्राई करें ये बेहतरीन प्रोडक्ट्स

घर का सबसे अहम हिस्सा लिविंग रूम होता है क्योंकि यहीं मेहमानों का स्वागत होता है, परिवार के साथ अच्छा समय बिताया जाता है और यही वो जगह है जो आपके पूरे घर की पहली छाप छोड़ती है।

घर का सबसे अहम हिस्सा लिविंग रूम होता है क्योंकि यहीं मेहमानों का स्वागत होता है, परिवार के साथ अच्छा समय बिताया जाता है और यही वो जगह है जो आपके पूरे घर की पहली छाप छोड़ती है। लेकिन क्या आपका लिविंग रूम अब बोरिंग और पुराना हो गया है? क्या आपको भी लगता है कि इस जगह को थोड़ा नयापन चाहिए, वो भी बिना ज़्यादा खर्च किए? अगर हाँ, तो आपको बस अपनी सजावट में थोड़ा क्रिएटिव टच जोड़ने की ज़रूरत है। आइए जानते हैं कुछ बेहतरीन और आसान डेकोरेशन टिप्स जो आपके लिविंग रूम की खूबसूरती बढ़ा देंगे।

दीवारों को सजाएँ

दीवारें किसी भी कमरे का मूड सेट करती हैं। आप अपने लिविंग रूम की दीवारों को हल्के पेस्टल शेड्स से पेंट कर सकते हैं या वॉलपेपर लगा सकते हैं। आजकल ट्रेंडी वॉल आर्ट भी काफी पसंद किए जा रहे हैं।

कुशन और पर्दों से मूड बदलें

लिविंग रूम में सोफ़े या कुर्सी का लुक बदलना मुश्किल हो सकता है, लेकिन आप कुशन कवर और पर्दों को बदलकर पूरे कमरे का लुक आसानी से बदल सकते हैं। चटख, कॉन्ट्रास्टिंग रंगों और पैटर्न वाले कपड़ों का इस्तेमाल करें। मौसम के हिसाब से कपड़े चुनें, गर्मियों में सूती और सर्दियों में मखमल या रेशमी।

पौधे लगा सकते हैं

पौधे न केवल ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि आपके घर को एक प्राकृतिक और ताज़ा रूप भी देते हैं। स्नेक प्लांट, मनी प्लांट या एरेका पाम जैसे इनडोर पौधे आपके लिविंग रूम को सुंदर और शांत बना सकते हैं। कोने की मेज या खिड़की पर छोटे पौधे सजाएँ।

प्रकाश व्यवस्था का सर्वोत्तम उपयोग करें

सिर्फ़ अच्छी रोशनी ही लिविंग रूम के रूप को निखार सकती है। हल्की पीली लाइटें, फ्लोर लैंप या फेयरी लाइटें कमरे को आरामदायक और आकर्षक बना सकती हैं। सेंटर लाइट के साथ कुछ साइड लैंप भी लगाएँ।

एक्सेसरीज़ से जोड़ें अपना निजी स्पर्श

फोटो फ्रेम, कैंडल स्टैंड, बुक शेल्फ़ या हाथ से बनी कलाकृतियाँ, ये सभी आपके लिविंग रूम को अनोखा और आपके व्यक्तित्व के अनुरूप बना सकते हैं।

लिविंग रूम को नया रूप देना कोई महंगा या मुश्किल काम नहीं है। बस थोड़ी सी रचनात्मक सोच, कुछ किफायती सजावट के आइडिया और सही संयोजन से, आप अपने लिविंग रूम को स्टाइलिश, सुंदर और खास बना सकते हैं। तो देर किस बात की? इन सुझावों को आज़माएँ और अपने घर को एक नया और ताज़ा एहसास दें।

नया घर बनाते समय इन बातों का जरूर रखें ध्यान वरना उठाना पड़ेगा भारी नुकसान

दुनिया भर में लोग अपने घर में खुशियां, अच्छा स्वास्थ्य और समृद्धि लाने के लिए अलग-अलग मान्यताओं का पालन करते हैं। इन सभी का उद्देश्य घर में रहने वाले लोगों के जीवन को बेहतर बनाना और घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखना है।

दुनिया भर में लोग अपने घर में खुशियां, अच्छा स्वास्थ्य और समृद्धि लाने के लिए अलग-अलग मान्यताओं का पालन करते हैं। इन सभी का उद्देश्य घर में रहने वाले लोगों के जीवन को बेहतर बनाना और घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखना है। जब आप घर बनवा रहे होते हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है ताकि वह रहने के लिए एक अच्छा और सुखद स्थान बन जाए। क्योंकि घर रोज-रोज नहीं बनता, इसलिए घर बनवाते समय वास्तु का ध्यान रखना जरूरी हो जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में सकारात्मक ऊर्जा लाने के लिए कुछ नियमों का पालन किया जाता है। इससे घर में रहने वाले लोगों की खुशियां और तरक्की बढ़ती है। वास्तु शास्त्री अंशुल त्रिपाठी बता रहे हैं कि घर बनवाते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

भूमि पूजन घर बनवाने से पहले भूमि पूजन करना बहुत शुभ माना जाता है। धरती को मां माना जाता है, इसलिए घर बनवाते समय खुदाई शुरू करने से पहले उसका सम्मान करना जरूरी होता है। इसे शुभ शुरुआत माना जाता है और इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है।

कुआं

घर बनवाते समय उत्तर-पूर्व दिशा में कुआं खोदें और उसी पानी का इस्तेमाल घर बनवाने में करें। इससे सौभाग्य की प्राप्ति होती है। दक्षिण-पश्चिम दिशा में कुआं बनवाना अशुभ माना जाता है, इससे घर में परेशानी आ सकती है।

दरवाजा

दक्षिण-पश्चिम दिशा में कोई दरवाजा नहीं होना चाहिए। उत्तर या पूर्व दिशा में दरवाजा शुभ माना जाता है। दरवाजे अंदर की ओर खुलने चाहिए, ताकि घर में सकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करे। बाहर की ओर खुलने वाले दरवाजे से सकारात्मक ऊर्जा बाहर की ओर प्रवाहित होती है।

पानी की निकासी

घर का गंदा पानी भी उत्तर-पूर्व दिशा में ही निकलना चाहिए।

पुराना घर खरीदते समय

अगर आप पुराना घर खरीद रहे हैं, या खरीदने के बारे में सोच रहे हैं, तो उसे जरूर रंगवा लें। अगर आप खुद रंगवा सकते हैं या उसमें मदद कर सकते हैं, तो और भी अच्छा रहेगा। ऐसा करने से घर में कभी भी आर्थिक तंगी नहीं आएगी।

घर बनवाते समय इन बातों का रखें ध्यान

मुख्य द्वार के सामने लगे पेड़ को हटाना।

बेडरूम में पलंग को दीवार से सटाकर रखें।

रसोई में गैस चूल्हे का मुंह पूर्व या उत्तर दिशा में होना चाहिए।

मंदिर घर के उत्तर-पूर्व कोने में होना चाहिए।

वास्तु शास्त्र का हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

घर का लेआउट और व्यवस्था हमारे स्वास्थ्य और खुशी को प्रभावित कर सकती है।

घर हमेशा दिखता है बिखरा और गंदा? ऑर्गेनाइज करने के लिए फॉलो करें 7 टिप्स, लाइफ बनेगी आसान

आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में साफ-सुथरे और ऑर्गेनाइज्ड घर की चाहत तो सबको होती है, लेकिन समय की कमी, थकान और दिनभर के तनाव के बीच अक्सर घर बिखरा हुआ और अस्त-व्यस्त नजर आता है। चाहे आप गृहिणी हों, ऑफिस जाने वाले प्रोफेशनल या स्टूडेंट – गंदा और बिखरा घर मानसिक शांति को भी प्रभावित करता है। साइकोलॉजिकल स्टडीज़ भी बताती हैं कि साफ और व्यवस्थित घर में रहने वाले लोग अधिक फोकस्ड और मानसिक रूप से शांत रहते हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम कुछ आसान आदतों और स्मार्ट टिप्स को अपनाकर अपने घर को साफ और ऑर्गेनाइज रख सकें। यहां हम आपको बता रहे हैं 7 आसान और कारगर टिप्स, जिन्हें फॉलो करके न सिर्फ आपका घर हमेशा चमकता रहेगा, बल्कि आपकी लाइफ भी बेहतर और आसान बन जाएगी।

1. हर चीज़ की तय जगह बनाएं

घर में जितनी चीजें हैं, अगर उनकी एक फिक्स जगह तय हो जाए तो आधा काम वहीं खत्म हो जाता है। चाबियों के लिए की-होल्डर, रिमोट्स के लिए बॉक्स और जूतों के लिए शू-रैक जैसे साधारण उपाय घर को ऑर्गेनाइज रखने में मदद करते हैं।

2. वन इन, वन आउटफ्र रूल अपनाएं

जब भी कोई नई चीज़ घर लाएं, तो एक पुरानी या अनुपयोगी चीज़ को बाहर निकाल दें। इससे फालतू सामान जमा नहीं होगा और घर में जगह भी बनी रहेगी।

3. 10 मिनट क्लीनिंग रूटीन

हर दिन सिर्फ 10 मिनट का समय घर की सफाई को दें। आप चाहें तो सुबह उठते ही या रात सोने से पहले ये कर सकते हैं। इससे गंदगी जमा नहीं होगी और सफाई एक बोझ की तरह महसूस नहीं होगी।

4. स्मार्ट स्टोरेज का करें इस्तेमाल

बाजार में आजकल स्टोरेज बॉक्स, प्लास्टिक कंटेनर और ऑर्गेनाइज़र डिवाइडर उपलब्ध हैं। इनका इस्तेमाल करके आप कपड़ों, बर्तनों, किताबों या बच्चों के खिलौनों को अच्छी तरह जमा सकते हैं।

5. साप्ताहिक %डिक्लटर डे%

हफ्ते में एक दिन ऐसा रखें जब आप घर की अनावश्यक चीजों की छंटाई करें। पुराने अखबार, खराब इलेक्ट्रॉनिक्स या बेकार कपड़े – जो भी ज़रूरी नहीं है, उसे अलग करें।

6. रात में 5 मिनट का राउंड

सोने से पहले घर का एक चक्कर लगाएं और देखें कि कौन सी चीज अपनी जगह से हट गई है। उन्हें वापस रख दें। इससे सुबह उठने पर घर साफ मिलेगा और दिन की शुरुआत बेहतर होगी।

7. नो डंप ज़ोनफ्र बनाएं

ऐसे स्थान तय करें जहां कोई भी चीज़ बिना सोचे-समझे न रखी जाए, जैसे डाइनिंग टेबल, सेंटर टेबल या एंट्रेंस एरिया। यह आदत आपके घर की सुंदरता बनाए रखेगी।

हमेशा बिखरी हुई रहती है अलमारी, इन 5 तरीकों से रखें ऑर्गेनाइज नहीं होगी कपड़े ढूंढने में तकलीफ

क्या आपकी अलमारी हर बार खोलते ही बिखर जाती है? क्या कपड़े ढूँढ़ना एक मुश्किल काम बन गया है और बार-बार व्यवस्थित करने के बावजूद सब कुछ उलझा हुआ सा लगता है?

क्या आपकी अलमारी हर बार खोलते ही बिखर जाती है? क्या कपड़े ढूँढ़ना एक मुश्किल काम बन गया है और बार-बार व्यवस्थित करने के बावजूद सब कुछ उलझा हुआ सा लगता है? दरअसल, हम अनजाने में कुछ ऐसी गलतियाँ कर देते हैं जिनकी वजह से हमारी अलमारी हमेशा अव्यवस्थित रहती है। लेकिन अगर आप चाहें, तो छोटे-छोटे बदलावों से अलमारी को पूरी तरह साफ़, सुथरा और व्यवस्थित बना सकते हैं, तो आइए जानते हैं कि आप अपनी अलमारी को कैसे व्यवस्थित कर सकते हैं ताकि आपके कपड़े व्यवस्थित और व्यवस्थित रहें।

पुराने और टाइट कपड़े हटाएँ

कई बार हम अलमारी में ऐसे कपड़े रख देते हैं जो अब हमें फिट नहीं आते या जिन्हें हमने पहनना बंद कर दिया है। ये कपड़े न सिर्फ़ जगह घेरते हैं बल्कि ज़रूरत के कपड़े ढूँढ़ना भी मुश्किल बना देते हैं। अगर आपके पास भी ऐसे कपड़े हैं, तो समय-समय पर उन्हें व्यवस्थित करना ज़रूरी है।

व्यवस्था प्रणाली अपनाएँ

जब अलमारी में कपड़ों को व्यवस्थित तरीके से रखने या रोज़मर्रा के कपड़ों को एक साथ रखने जैसी कोई व्यवस्था नहीं होती, तो चीज़ें जल्दी बिखर जाती हैं। अगर आप अपने कपड़ों को रोज़ाना सही और व्यवस्थित तरीके से रखें, तो चीज़ें आसानी से बिखर सकती हैं।

गलत हैंगर का इस्तेमाल

कई लोग भारी जैकेट या कोट के लिए कमज़ोर प्लास्टिक के हैंगर इस्तेमाल करते हैं जिससे कपड़े गिर जाते हैं या खराब हो जाते हैं। हर कपड़े के लिए सही हैंगर का इस्तेमाल करना बहुत ज़रूरी है ताकि कपड़े अपनी शेप में रहें और अलमारी साफ़-सुथरी दिखे। इसलिए भारी कपड़ों के लिए अलग और हल्के कपड़ों के लिए अलग हैंगर रखें।

अलमारी में जगह कम होना

कई लोगों की अलमारी में जगह कम होती है और अगर कपड़े ज़्यादा हों, तो उनका बिखरना स्वाभाविक है। ऐसे में शेल्फ डिवाइडर, स्टोरेज बॉक्स या मल्टी-लेयर हैंगर जैसे स्मार्ट स्टोरेज उपाय मददगार हो सकते हैं। ऐसा करने से कम जगह में ज़्यादा चीजें आ सकती हैं।

गलत तरीके से तह किए हुए कपड़े

कई बार कपड़ों को गलत तरीके से तह करने से चीज़ें खराब हो जाती हैं और अलमारी अव्यवस्थित लगती है। सही तह करने की तकनीक अपनाकर और उन्हें श्रेणी के अनुसार व्यवस्थित करके, आप जगह भी बचा सकते हैं और अलमारी को साफ़ भी रख सकते हैं।

कम बजट में घर को दें इंस्टाग्राम जैसा एस्थेटिक लुक, ये चीजें करेंगी कमाल

आजकल सोशल मीडिया पर खासकर इंस्टाग्राम पर कई ऐसे खूबसूरत रूम डेकोरेशन रील्स दिखती हैं जिन्हें देखकर मन करता है कि काश हमारा घर भी ऐसा ही स्टाइलिश और क्लासी होता। लेकिन हर कोई महंगे इंटीरियर पर खर्च नहीं कर सकता। ऐसे में अगर आप भी अपने आशियाने को नया लुक देना चाहते हैं तो परेशान न हों। कुछ सिंपल और किफायती चीजों से आप अपने घर को भी इंस्टाग्राम-लायक बना सकते हैं। आइए जानें कुछ आसान, सुंदर और बजट-फ्रेंडली आइडियाज।

घर को एलिगेंट लुक देने वाले इनडोर प्लांट्स

बड़े साइज के पौधे घर में एक अलग ही ताजगी और खूबसूरती लेकर आते हैं। आप एरेका पाम या स्नेक प्लांट जैसे पौधे लगा सकते हैं, जो दिखने में स्टाइलिश होते हैं और हवा को भी शुद्ध करते हैं। इनका रख-रखाव भी आसान है और ये ज्यादा महंगे भी नहीं होते।

लाइट कलर के पर्दों से बदलें कमरों का माहौल

पर्दों का रंग और फैब्रिक पूरे कमरे की फील को बदल सकता है। अगर आप अपने रूम को बड़ा, खुला और शांत दिखाना चाहते हैं तो व्हाइट, बेबी पिंक या बेज कलर के हल्के पर्दे लगाएं। ये रंग कमरे को आरामदायक और क्लासी लुक देते हैं।

फेयरी लाइट्स से लाएं रोशनी में जादू

हल्के रंग के पर्दों के साथ अगर आप फेयरी लाइट्स जोड़ देंगे तो आपका कमरा शाम के समय किसी मूवी सीन जैसा लगेगा। ये लाइट्स सॉफ्ट और वॉर्म इफेक्ट देती हैं, जिससे रूम और भी ज्यादा एस्थेटिक नजर आता है।

स्टैंडिंग लैम्प से बढ़ाएं रॉयल टच

अगर आप कमरे में मॉडर्न लुक लाना चाहते हैं तो एक अच्छा स्टैंडिंग लैम्प जरूर लगाएं। ये न सिर्फ लाइटिंग को बेहतर बनाता है बल्कि कमरे की शोभा भी बढ़ाता है। अगर आप किताबें पढ़ते हैं या घर से काम करते हैं, तो ये बेहद काम की चीज है।

वॉल आर्ट और फोटो फ्रेम से दीवारों को सजाएं

खाली दीवारें अक्सर उबाऊ लगती हैं। आप चाहें तो मोटिवेशनल कोट्स, सिंपल वॉल आर्ट या फिर अपनी यादों से भरे फोटो फ्रेम्स दीवारों पर लगा सकते हैं। इससे घर में पर्सनल टच आता है और हर दीवार एक कहानी कहने लगती है।

अरोमा डिफ्यूजर और कैंडल्स से महकाएं कमरा

कमरे की खुशबू उसका माहौल बदल सकती है। एक अच्छा अरोमा डिफ्यूजर आपके रूम को महकाने के साथ-साथ मन को भी शांत करता है। आप चाहें तो लैवेंडर, लेमन ग्रास या रोज फ्लेवर की कैंडल्स भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे कमरे में सुकून का एहसास होगा।

आपको अपने घर को खूबसूरत बनाने के लिए हजारों रुपये खर्च करने की जरूरत नहीं है। सिर्फ कुछ छोटे बदलाव और बजट-फ्रेंडली चीजों से भी आपका घर बिल्कुल इंस्टाग्राम जैसा दिख सकता है – क्लासी, शांत और आपके दिल के बेहद करीब।

'कांतारा 2' की रिलीज से पहले ऋषभ की आगामी फिल्म का एलान, योद्धा की भूमिका में दिखेंगे अभिनेता

अश्विन गंगाराजू के निर्देशन में बन रही आगामी ऐतिहासिक-एक्शन ड्रामा फिल्म में ऋषभ शेट्टी शानदार किरदार में नजर आने वाले हैं। इसकी घोषणा खुद मेकर्स ने आज 30 जुलाई को फिल्म का पोस्टर जारी करते हुए किया है। इस पोस्टर ने दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर एक अलग रोमांच पैदा कर दिया है।

फिल्म निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर ऋषभ शेट्टी की आगामी फिल्म का एक पोस्टर रिलीज किया है, जिसके टाइटल की घोषणा अभी नहीं की है। इसमें देखा जा सकता है कि एक योद्धा चेहरे पर कपड़ा बांधे और पीठ पर दो तलवारें लिए हुए दिखाई दे रहा। साथ ही हजारों संख्या में सैनिक रणभूमि में युद्ध करने के लिए आतुर दिखाई दे रहे हैं। इसके अलावा उन सैनिकों का सामना करने के लिए एक तोप और कई बंदूकें दिखाई दे रही हैं। पोस्ट के कैप्शन में मेकर्स ने लिखा, 'सभी विद्रोही युद्ध में नहीं गढ़े जाते। कुछ को भाग्य द्वारा चुना जाता है और यह एक विद्रोही की कहानी है।' इसके आगे मेकर्स ने लिखा उन्हें यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि इस प्रोडक्शन की 36वीं फिल्म का हिस्सा शानदार अभिनेता ऋषभ शेट्टी होंगे।

दो भाषाओं में शूट होगी फिल्म

ऋषभ शेट्टी अभिनीत इस आगामी फिल्म का निर्माण सितारा एंटरटेनमेंट बैनर के तले किया जाएगा। इसके साथ ही फिल्म को तेलुगु और कन्नड़ दोनों भाषाओं में एक साथ शूट किया जाएगा और मेकर्स इसे तेलुगु, तमिल, कन्नड़, हिंदी और मलयालम सहित कई भाषाओं में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। अश्विन गंगाराजू द्वारा निर्देशित इस फिल्म की कहानी 18वीं सदी के बंगाल की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी।

ऋषभ शेट्टी का वर्कफ्रंट

ऋषभ शेट्टी की फिल्मों की बात करें, तो अभिनेता इस समय अपनी आगामी फिल्म कांतारा चैप्टर 1 की तैयारियों में व्यस्त हैं, जो जल्द सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। यह फिल्म 2 अक्टूबर 2025 को थिएटर्स में रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन खुद ऋषभ शेट्टी ने ही किया है। वहीं इस फिल्म का निर्माण विजय किरागांदुर द्वारा किया जा रहा है और इसे होमबेल फिल्म्स का सहयोग प्राप्त है।

फिजियोथेरेपिस्ट से एक्ट्रेस बनीं हैं आकांक्षा सिंह

फिल्मों और टीवी की चकाचौंध से भरी दुनिया में नाम कमाना आसान नहीं होता है। अगर कोई इंसान एक नहीं, बल्कि दो अलग-अलग क्षेत्रों में कामयाबी पाए, तो वह वाकई खास होता है। अभिनेत्री आकांक्षा सिंह ऐसी ही एक मिसाल हैं। आज वह एक जानी-मानी अभिनेत्री हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि अभिनय में सफलता पाने से पहले आकांक्षा एक प्रशिक्षित फिजियोथेरेपिस्ट रही हैं। उनकी मां खुद एक थिएटर कलाकार थीं, जिससे घर का माहौल कला से जुड़ा था। यही वजह रही कि आकांक्षा को बचपन से ही मंच और अभिनय से लगाव हो गया। उन्होंने पहले पढ़ाई पर ध्यान दिया और फिजियोथेरेपी में डिग्री हासिल की। इस पढ़ाई के दौरान उन्होंने शरीर, इलाज और देखभाल के बारे में गहराई से सीखा। इस दौरान उन्होंने थिएटर करना जारी रखा। साल 2012 में उन्हें टीवी शो ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा का ऑफर मिला और इस शो के जरिए उन्होंने छोटे पर्दे की दुनिया में कदम रखा। आकांक्षा ने इस शो में दो बच्चों की मां और विधवा मेघा व्यास भटनागर का किरदार निभाया, जो भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने इस भूमिका को इतनी सादगी और गहराई से निभाया कि दर्शक उनके कायल हो गए। इस किरदार के लिए उन्हें इंडियन टेली अवार्ड्स भी मिला।

टीवी पर सफल शुरुआत के बाद, वह 2015 में होटल इंडस्ट्री पर आधारित शो गुलमोहर ग्रैंड में अनाहिता मेहता फर्नांडीज के रोल में दिखीं। इसके बाद, 2016 में बॉक्स क्रिकेट लीग में एक प्रतियोगी के रूप में शामिल हुईं और 2017 में ऐ जिंदगी के एक एपिसोड में वकील की भूमिका निभाई। आकांक्षा ने फिल्मों में भी अपनी किस्मत आजमाई। 2017 में उन्होंने हिंदी फिल्म बद्रीनाथ की दुल्हनिया से फिल्मी करियर की शुरुआत की, जिसमें वह किरण कक्कड़ के छोटे लेकिन असरदार रोल में नजर आईं। उसी साल तेलुगु फिल्म मल्ली रावा से उन्होंने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा। इस फिल्म में उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई और उनके अभिनय को खूब सराहा गया। साल 2018 में उन्होंने नागार्जुन के साथ तेलुगु फिल्म देवदास में काम किया, जो दर्शकों को काफी पसंद आई। उसी साल वह दो शॉर्ट फिल्मों मेथी के लड्डू और कैद में भी नजर आईं। 2019 में उन्होंने कन्नड़ फिल्म पैलवान में सुदीप के साथ अभिनय किया, जो कई भाषाओं में रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की। ओटीटी पर भी आकांक्षा ने खुद को साबित किया। उन्होंने 2021 में डिज्नी प्लस हॉटस्टार की वेब सीरीज परंपरा से ओटीटी डेब्यू किया और फिर 2022 में एस्केप लाइव में एक पुलिस अफसर की भूमिका निभाई। उसी साल उन्होंने रंगबाज- डर की राजनीति और तेलुगु एंथोलॉजी मीट क्यूट में भी दमदार उपस्थिति दर्ज की। 2022 की ही फिल्म रनवे 34 में उन्होंने अजय देवगन की पत्नी समायरा खन्ना का किरदार निभाया, जो उनकी दूसरी बड़ी हिंदी फिल्म थी। आकांक्षा ने तमिल और तेलुगु की द्विभाषी फिल्म क्लैप, तमिल फिल्म वीरपांडियापुरम, और तेलुगु फिल्म सिवुडु में भी अभिनय किया। 2024 और 2025 में वह रणनीति- बालाकोट एंड बियॉन्ड, बेंच लाइफ, षष्ठीपूर्ति, और खाकी- बंगाल चैप्टर जैसी प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनीं। फिजियोथेरेपिस्ट से अभिनेत्री बनी आकांक्षा सिंह हिंदी, तेलुगु, तमिल, और कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में एक भरोसेमंद चेहरा बन चुकी हैं।

अब कभी एक्टिंग नहीं करेंगे कायोज ईरानी

अभिनेता कायोज ईरानी फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर में अपनी बेहतरीन अदाकारी के लिए जाने जाते हैं। अब उन्होंने सरजमीं से फिल्म निर्देशन में डेब्यू किया है। उन्होंने इस बात को माना है कि वह एक्टिंग के लिए नहीं बने हैं। बॉलीवुड में एक्टिंग करने के बाद कायोज ने फिल्म बनाने की तरफ अपना रुख किया। उन्होंने 2021 में वेब सीरीज अजीब दास्तान का निर्देशन किया।

कायोज ने फिल्म निर्देशन में डेब्यू किया

कायोज ने कार्तिक आर्यन की फिल्म धमाका में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया। फिल्म बनाने का अनुभव लेने के बाद कायोज ने फैसला किया कि वह अपने अनुभव का इस्तेमाल फिल्म सरजमीं में करेंगे। इसके बाद उन्होंने इस फिल्म से निर्देशन में कदम रखा। उन्होंने बताया काजोल और पृथ्वीराज ने मुझे कभी यह नहीं लगने दिया कि मैं नया निर्देशक हूं। जब भी वो सेट पर रहे उन्होंने हमें बहुत इज्जत दी। उन्होंने मुझे सुना और यह एहसास दिलाया कि मैं उनका हिस्सा हूं।

एक्टिंग नहीं करेंगे कायोज

कायोज ने यह माना कि उनका एक्टिंग की तरफ लौटने का कोई विचार नहीं है। उन्होंने कहा कि वह कैमरे के पीछे सहज महसूस करते हैं। एक्टिंग उनके लिए नहीं है। उन्होंने कहा मुझे नहीं लगता कि आप हमें दोबारा एक्टिंग करते हुए देख पाएंगे क्योंकि मैं फिल्म बना रहा हूं। मैं हमेशा से यही करना चाहता था। मैं कैमरे के पीछे सहज हूं। यही मेरा मकसद था। आपको निराश करने के लिए मैं शर्मिंदा हूं। मुझे नहीं लगता कि एक्टिंग मेरे लिए है। करण जौहर की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर में अदाकारी करने के अलावा कायोज ने यंगिस्तान और द लीजेंड ऑफ मिशेल मिश्रा में भी अदाकारी की।

फिल्म सरजमीं के बारे में

फिल्म सरजमीं में काजोल, पृथ्वीराज सुकुमारन और इब्राहिम अली खान अहम किरदार में हैं। इसके निर्माता करण जौहर, हीरू जौहर, अपूर्व मेहता और अदार पूनावाला हैं। फिल्म धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले रिलीज हुई है। फिल्म में काजोल, पृथ्वीराज और इब्राहिम की आदाकारी की काफी तारीफ हुई है।

चुनौतीपूर्ण है 'तुम से तुम तक' में मीरा का किरदार

टीवी एक्ट्रेस डॉली चावला ने अपने नए धारावाहिक 'तुम से तुम तक' में निभाए जा रहे किरदार मीरा के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि यह किरदार उनके वास्तविक जीवन से बिल्कुल अलग है, जिसके कारण इसे निभाना चुनौतीपूर्ण है। डॉली ने बताया, मैं मीरा का किरदार निभा रही हूं, जो आर्या (शरद केलकर) के ऑफिस, खाने और दवाइयों सहित हर चीज का ध्यान रखती है। उसे यह पसंद नहीं कि कोई और आर्या के करीब आए या उसे महत्व दे। अब जब ऑफिस में अनु (निहारिका चौकसे) आई, तो मीरा को जलन हो रही है। वह अपने बॉस के अलावा किसी की नहीं सुनती। उन्होंने कहा, लोगों ने मेरे पिछले हर काम को पसंद किया है और मुझे उम्मीद है कि वे मीरा को भी उतना ही प्यार देंगे, भले ही वे उसके नकारात्मक किरदार को नापसंद करें। हर किरदार चुनौतीपूर्ण होना चाहिए, तभी उसे निभाने में मजा आता है। मीरा मेरे असल व्यक्तित्व से बहुत अलग है और यही इसे रोमांचक बनाता है। इस किरदार को अपनाने में समय लगा, लेकिन मैं इसे लेकर उत्साहित हूं।

डॉली ने शो को हां कहने की वजह भी बताई। उन्होंने कहा, जब प्रोडक्शन हाउस से कॉल आया, तो मैं बहुत उत्साहित थी। यह प्रोडक्शन हाउस मेरे लिए परिवार जैसा है। जब उन्होंने मुझे मीरा के किरदार के बारे में बताया, तो मैं खुश हो गई। यह शो सात भाषाओं में पहले से मौजूद है, इसलिए प्रदर्शन का दबाव है, लेकिन हिंदी में इसे बनाना शानदार है। 'तुम से तुम तक', आर्या और अनु के बीच उम्र के अंतर वाले प्रेम की कहानी है। प्रतीक शर्मा और पार्थ शाह के प्रोडक्शन हाउस स्टूडियो एलएसडी के बैनर तले बने इस धारावाहिक में शरद केलकर और निहारिका चौकसे मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह शो रोजाना जी टीवी पर प्रसारित होता है।

सैयारा का टाइटल ट्रैक बनाते समय डिप्रेशन में था

अहान पांडे और अनीत पड्डा की फिल्म 'सैयारा' के गाने, खासकर टाइटल ट्रैक कई म्यूजिक चार्ट में छाया हुआ है। टाइटल ट्रैक को बनाने वाले म्यूजिक कंपोजर तनिष्क बागची ने इस गाने को बनाने के पीछे की कहानी बताई है। इंटरव्यू में उन्होंने 'सैयारा' के गाने को प्रोडक्ट ऑफ पेन बताया है। तनिष्क से जब इंटरव्यू में पूछा जाता है कि क्या सबसे अच्छा गाना या म्यूजिक दर्द में बाहर आता है? जवाब में वो इस पर हामी भरते हैं। फिर तनिष्क बताते हैं- 'आप यकीन नहीं करोगे, जब सैयारा बन रहा था, तब मैं बहुत ज्यादा डिप्रेशन में था। मैं रोज दवाई ले रहा हूं। सो नहीं पा रहा था। सफलता तो थी, लेकिन फिर भी एक खालीपन था जिसे मैं समझ नहीं सका। मेरे पास घर था, करियर था, सब कुछ था लेकिन उदासी भी थी। अर्सलान निजामी फैमिली इशू से गुजर रहे थे। फहीम अब्दुल्ला का एग्जाम था। मोहित सर और हम सब खुलकर बात करते थे। हमने अपने अंदर का भारीपन एक-दूसरे के साथ शेयर किया। सैयारा में शामिल हर कलाकार ने इसमें अपना दर्द डाला। मुझे लगता है यही वजह है कि इसका असर इतना गहरा है।' इंटरव्यू में जब आगे तनिष्क से पूछा गया कि आपने तो इतने सारे अच्छे गाने बनाए हैं लेकिन इस बार ऐसा क्या हुआ, जो ऑडियंस को इतना पसंद आया? इस पर वो कहते हैं- 'हमने कभी भी हिट फिल्म बनाने का लक्ष्य नहीं रखा था। हम बस यही चाहते थे कि फिल्म रियल, सिंपल और ईमानदार हो। कोई ड्रामा नहीं, कोई बनावट नहीं। जब यह बना तो मैंने इसे लूप पर सुना। पहली बार, मेरे अपने गाने ने मुझे ठीक करना शुरू किया। तभी मुझे एहसास हुआ कि यह दूसरों को भी ठीक करेगा। बता दें कि 'सैयारा के टाइटल ट्रैक ग्लोबल म्यूजिक वर्ल्ड में धूम मचा रखी है। फिल्म का ये गाना अब कई इंटरनेशनल चार्ट्स में टॉप पर पहुंच गया है। बिलबोर्ड ग्लोबल 200 और स्पॉटिफाई की टॉप ग्लोबल सॉन्ग के लिस्ट में नंबर 1 बन चुका है।

करण जौहर के साथ गहराइयां 2 भी करना चाहते हैं सिद्धांत चतुर्वेदी

गली बॉय और गहराइयां से पहचान बनाने वाले सिद्धांत चतुर्वेदी अब धड़क 2 में नजर आ रहे हैं उन्होंने सीए से एक्टिंग तक के सफर, आउटसाइडर होने की चुनौतियों और नई फिल्म के अनुभवों पर खुलकर बात की...

बतौर आउटसाइडर इंडस्ट्री में अपने सफर को कैसे परिभाषित करेंगे?

मेरा सफर कभी भी पूरी तरह सहज नहीं रहा। वैसे भी, जिंदगी का रास्ता अक्सर ऊबड़-खाबड़ ही होता है। जब मैंने चार्टर्ड अकाउंटेंसी की दुनिया छोड़कर अभिनय का फैसला किया, तो यह मेरे लिए एक बहुत बड़ी आंतरिक लड़ाई थी। एक तरफ सुरक्षित करियर और परिवार का सपोर्ट था, जबकि दूसरी तरफ अभिनय की दुनिया में कदम रखते ही अनिश्चितता का साया मंडरा रहा था। कोई वादा नहीं, कोई गारंटी नहीं, न लॉन्चिंग की सुविधा। उस वक्त मुझे बस खुद पर यकीन करना था। मैंने खुद से कहा, अगर मैं डूबा भी तो खुद की वजह से डूबूंगा लेकिन कोशिश में कमी नहीं रखूंगा। यह मेरे भीतर की गहन जंग थी, जिसमें खुद को लगातार समझाना पड़ता था कि मेरे सपने टूटने नहीं चाहिए।

आपको क्या चीज प्रेरणा देती है कि आप एक्टिंग के लिए ही बने हैं?

मुझे मुझे लगता है आत्मविश्वास दो तरीकों से आता है, भरोसा और अनुभव। भरोसा तब मजबूत होता है जब आपमें यह विश्वास हो कि मैं कर सकता हूं और अनुभव के साथ यह और भी पक्का होता जाता है। बचपन में जब मैं शादियों, पारिवारिक कार्यक्रमों या गांव के आयोजनों में डीजे पर नाचता था, तो लोग बहुत खुश होते थे। उन दिनों मुझे फिल्मी डायलॉग बोलने का भी बहुत शौक था। धीरे-धीरे मुझमें भरोसा पैदा हुआ कि मैं एक्टिंग कर सकता हूं।

सेंसर बोर्ड के कट्स से फिल्म पर क्या असर पड़ा?

नहीं, मुझे नहीं लगता कि कोई खास फर्क पड़ा है। फिल्म देखकर हमें नहीं लगा कि कुछ छूटा है जो मामूली बदलाव हुए वे इतने छोटे है कि दर्शकों को पता भी नहीं चलेगा। सेंसर बोर्ड ने भी काफी समझदारी दिखाई और एक नपा-तुला रास्ता निकाला है। इमोशन और सीन्स की गहराई वैसी की वैसी बनी हुई है।

किस फिल्म के सीक्वल में काम करना चाहेंगे?

सीक्वल करने में मुझे कोई दिक्कत नहीं है। अगर गहराइयां 2 बनती है, तो मैं जरूर करना चाहूंगा। उस फिल्म में जो इमोशनल गहराई थी, वह मुझे अब भी बहुत ज्यादा अपील करती है। मुझे लगता है कि आज के दौर में वैसी फिल्में ही दर्शकों के दिल को छूती हैं। आम लव स्टोरीज का दौर अब थोड़ा पुराना हो गया है।

इतने बड़े बैनर से जुड़ना आपके लिए कैसा रहा?

धर्मा प्रोडक्शंस के साथ यह मेरा दूसरा प्रोजेक्ट है। इससे पहले मैंने गहराइयां में करण जौहर के साथ काम किया था और वहां हमारी अच्छी ट्यूनिंग बनी। करण सर ने खुद मुझे कॉल करके इस फिल्म का नरेशन सुनने के लिए बुलाया। शाजिया (डायरेक्टर) और राहुल ने कहानी सुनाई और मुझे तुरंत लगा कि यह स्क्रिप्ट दमदार है। उस समय नाम धड़क 2 नहीं था। यह एक स्वतंत्र कहानी की तरह थी। मुझे यह किसी प्रेशर की तरह नहीं लगी।

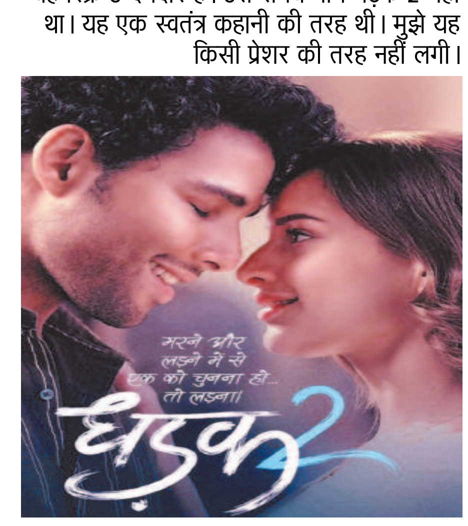

दिल्ली पुलिस ने बंगाली भाषा को 'बांग्लादेशी' बताया, भड़की सीएम ममता

-कहा - यह निंदनीय, अपमानजनक, राष्ट्र-विरोधी और बंगाली भाषी लोगों का अपमान

कोलकाता, (एजेंसी)। बंगाली और बंग्लादेशी भाषा को लेकर राजनीति गरमा गई है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने दिल्ली पुलिस द्वारा लिखे गए पत्र पर आपित्त जताई। उन्होंने दिल्ली पुलिस द्वारा 3 अगस्त को लिखे गए पत्र को 'निंदनीय, अपमानजनक, राष्ट्रविरोधी और असंवैधानिक' बताया है। दिल्ली पुलिस द्वारा लिखे पत्र में बंगाली या बांग्ला भाषा को ÷बांग्लादेशी भाषा÷ कहा था। बंगाली कलाकारों, ममता बनर्जी के साथ-साथ उनकी कट्टर प्रतिद्वंद्वी पार्टी सीपीएम (सीपीएम) समेत अन्य दलों ने भी इसका विरोध किया, साथ ही उन्होंने एक्स पर पोस्ट में देशभर के लोगों से इसका विरोध करने की अपील भी की है।

ममता बनर्जी ने एक्स पर लिखा कि अब देखिए कैसे भारत सरकार के गृह मंत्रालय के सीधे नियंत्रण में दिल्ली पुलिस बंगाली को 'बांग्लादेशी' भाषा बता रही है। बंगाली हमारी मातृभाषा है, रवींद्रनाथ टैगोर और स्वामी विवेकानंद की भाषा है, वह भाषा जिसमें हमारा राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत लिखे गए हैं, वह भाषा जिसे करोड़ों भारतीय बोलते और लिखते हैं और वह भाषा जो भारत के संविधान द्वारा पवित्र और मान्यता प्राप्त है, उसे अब बांग्लादेशी भाषा बताया जा रहा है। यह निंदनीय, अपमानजनक, राष्ट्र-विरोधी और असंवैधानिक है।

ममता बनर्जी ने आगे लिखा कि यह भारत के सभी बंगाली भाषी लोगों का अपमान है। वे ऐसी भाषा का प्रयोग नहीं कर सकते जो हम सभी को नीचा और अपमानित करे। हम भारत की बंगाली-विरोधी सरकार के खिलाफ कड़े विरोध का आग्रह करते हैं, जो भारत के बंगाली-भाषी लोगों का अपमान करने के लिए ऐसी संविधान-विरोधी भाषा का प्रयोग कर रही है।

बता दें दिल्ली पुलिस ने नई दिल्ली स्थित पश्चिम बंगाल के राजकीय अतिथिगृह को पत्र लिखकर बांग्लादेश से अवैध रूप से आए आठ संदिग्ध व्यक्तियों के 'बांग्लादेशी भाषा' में लिखे दस्तावेज़ों के अनुवाद में सहायता मांगी थी। पुलिस ने इस विवाद पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, इस वजह से इसकी प्रमाणिकता की पुष्टि नहीं की जा सकती है। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने गृह मंत्री अमित शाह से माफी मांगने की मांग की, जिनके मंत्रालय के अंतर्गत दिल्ली पुलिस आती है।

बीजेपी आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने ममता बनर्जी पर 'वोट बैंक की राजनीति' के लिए गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाते कहा कि उनकी एक्स पोस्ट को 'एक बुरी तरह से रची राजनीतिक चाल' बताया है। पश्चिम बंगाल बीजेपी अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने टीएमसी पर भारतीय बंगालियों के लिए 'भय फैलाने की रणनीति' अपनाने और अवैध प्रवासियों को ÷बचाने÷ का आरोप लगाया है।

फिल्म डायरेक्टर श्रीजीत मुखर्जी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा-'यह बांग्लादेशी भाषा नहीं

हैज्यह बांग्ला या बंगाली है, वही भाषा जिसमें आपका राष्ट्रगान मूल रूप से लिखा गया था और यह भारत की 22 आधिकारिक भाषाओं में से एक है।' गायक सुरोजित चटर्जी ने लिखा, 'बांग्ला को बांग्लादेशी भाषा कहा गया है. ठीक इसी तरह की अज्ञानता की मैं जिम्मेदार लोगों से अपेक्षा करता हूं. बिल्कुल भी आश्चर्य नहीं हुआ।

फिर दिखी आतंकियों की हलचल-कुलगाम के बाद अब हीरानगर में मुठभेड़ की आशंका, सेना अलर्ट

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती इलाकों में एक बार फिर आतंकियों की संदिग्ध गतिविधियों के संकेत मिले हैं। शनिवार को कठुआ जिले के हीरानगर क्षेत्र में दो अज्ञात लोगों की संदिग्ध मौजूदगी ने सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर ला दिया है। घटना हीरानगर वार्ड नंबर 13 की है, जहां खेतों में घास काटने गईं दो-तीन महिलाओं ने ढोकला क्षेत्र की झाड़ियों के पास दो संदिग्ध व्यक्तियों की हलचल देखी। इन महिलाओं ने तत्परता और साहस का परिचय देते हुए तुरंत स्थानीय लोगों और पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस, बीएसएफ और एसओजी की टीमों ने संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया। सूचना मिलते ही डीएसपी अश्वनी शर्मा के नेतृत्व में एसओजी टीम, थाना प्रभारी आशीष शर्मा तथा बीएसएफ के अधिकारी और जवान मौके पर पहुंचे। पूरे ढोकला नर्सरी क्षेत्र की घेराबंदी कर घने खेतों, झाड़ियों और पगडंडियों में देर रात तक सघन तलाशी अभियान चलाया गया। हालांकि, इस तलाशी के दौरान कोई संदिग्ध गिरफ्त में नहीं आया और कोई ठोस सुराग भी नहीं मिले, लेकिन गश्त और सुरक्षा को और कड़ा कर दिया गया है।

नागरिक सतर्कता बनी सुरक्षा की मजबूत कड़ी-

इस घटनाक्रम में महिलाओं की सजगता ने साबित कर दिया कि अब सीमावर्ती इलाकों के नागरिक भी देश की सुरक्षा में सजग भागीदार बन रहे हैं। प्रशासन ने ग्रामीणों से अपील की है कि स्वतंत्रता दिवस जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना दें। गौरतलब है कि हीरानगर, सांबा और कठुआ जैसे इलाके पाकिस्तान समर्थित आतंकियों के बार-बार घुसपैठ प्रयासों का शिकार रहे हैं। हाल ही में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में ड्रोन के जरिए भेजी गई हेरोइन की खेप को जब्त किया था। 15 अगस्त के मद्देनज़र सुरक्षा एजेंसियां पहले से ही अलर्ट मोड में हैं और ड्रोन या सीमा पार घुसपैठ की संभावनाओं पर नजर रखी जा रही है।

कांग्रेस सांसद सुधा सुबह सैर पर निकलीं....बाइक सवार ने गले से सोने की चेन छीन ली

-घटना के बाद सांसद ने गृहमंत्री अमित शाह को लिखा खत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में कांग्रेस सांसद सुधा रामकृष्णन के साथ चेन छीनने की घटना सामने आई है। यह वारदात चाणक्यपुरी इलाके में सोमवार सुबह करीब 6-15 बजे हुई। सांसद रामकृष्णन, जो तमिलनाडु के मयिलादुथुराई से हैं, अपने साथी सांसद डीएमके की रजती के साथ पोलिश दूतावास के पास टहल रही थीं, तभी स्कूटर सवार एक बदमाश ने उनकी चेन छीन ली। बदमाश ने हेलमेट पहन रखा था, इसकारण उसका चेहरा छिपा हुआ था। घटना में कांग्रेस सांसद रामकृष्णन की गर्दन पर चोट आई है और उनके कपड़े भी फटे है। उन्होंने इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र भी लिखा है। दिल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश में कई टीमें तैनात की हैं। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और चश्मदीदों से भी पूछताछ कर रही है। तमिलनाडु भवन और आसपास के इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सांसद सुधा ने पत्र में बताया कि वे पिछले एक साल से नई दिल्ली में तमिलनाडु हाउस (कमरा नंबर 301) में रह रही हैं, क्योंकि उन्हें अभी तक आधिकारिक आवास नहीं मिला है। वे नियमित रूप से संसदीय कार्यवाही और समिति बैठकों में भाग लेती हैं। सुधा ने बताया कि समय मिलने पर वह सुबह की सैर के लिए निकलती हैं। 4 अगस्त को सुबह करीब 6 बजे सुधा और राज्यसभा की एक अन्य सांसद सैर के लिए निकलीं। पोलैंड दूतावास के गेट-3 और गेट-4 के पास एक अज्ञात व्यक्ति, जो हेलमेट पहने हुए स्कूटी चला रहा था, ने उनकी सोने की चेन झपट ली। सांसद ने बताया कि स्कूटी सवार धीरे-धीरे विपरीत दिशा से आया, जिसके कारण उन्हें कोई शक नहीं हुआ। झपटमारी से उनकी गर्दन पर कुछ निशान भी पड़ गए। उन्होंने खत में लिखा है कि इस अचानक हुई वारदात से वे चोटिल हुईं। वह किसी तरह गिरने से बच गईं। इसके बाद दोनों सांसदों ने मदद की गुहार लगाई।

नकली नोट तस्करी के मामले में पुलिस बढ़ाएगी जांच का दायरा, नेपाल सीमा तक

-अयोध्या में आरोपी अब तक पांच लाख रुपये के नकली नोट खपा चुके

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में पकड़ी गई नकली नोट तस्करी के मामले में पुलिस नेपाल तक जांच का दायरा बढ़ा रही है। 31 जुलाई को रामजन्मभूमि पुलिस ने पूर्वी चंपारण जिले के राजाबाबू को गिरफ्तार किया था, जिसके पास से 5,000 रुपये के नकली नोट बरामद हुए थे। उसके भाई राज बाबू और पिता संजय बाबू की तलाश जारी है। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि राजाबाबू के पिता संजय नेपाल से नकली नोट लाकर उन्हें उपलब्ध कराते थे, जिन्हें राजाबाबू और राज धार्मिक स्थानों पर खपाते थे। यह गिरोह 2023 से सक्रिय है और अब तक पांच लाख रुपये के नकली नोट खपा चुका है। राजाबाबू की गिरफ्तारी हनुमानगढ़ी क्षेत्र में आदर्श सोनी की दुकान पर हुई, जहाँ राजा ने नकली 500 रुपये का नोट चलाया था। दुकानदार को संदेह होने पर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद राजाबाबू को तोताद्रि मठ के रास्ते से पकड़ा गया, जबकि उसका भाई राज फरार हो गया। मामले में पुलिस टीम का गठन किया है, जो नेपाल और उससे सटे बिहार के सीमावर्ती क्षेत्रों में पड़ताल करेगी ताकि नकली नोट तस्करी के तार और वांछितों का पता लगाया जा सके। पुलिस बिहार से आरोपितों के आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटाएगी।

निमिषा प्रिया के जिंदा बचने की उम्मीद हो रही कम, पीड़ित के भाई ने फांसी की मांग की

-अटॉर्नी जनरल और जज को पत्र लिखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमन में मौत की सजा का सामना कर रही भारतीय नर्स निमिषा प्रिया के जिंदा बचने की उम्मीदें कम होती जा रही हैं। निमिषा को 16 जुलाई 2025 को ही फांसी मिलनी थी लेकिन भारत के एक मुस्लिम धर्मगुरु के हस्तक्षेप के बाद सजा को अनिश्चित काल के लिए स्थगित किया गया। निमिषा को जिस यमनी नागरिक की हत्या के मामले में फांसी होनी है, अब उसके भाई ने पत्र लिखकर मांग की है कि उन्हें जल्द से जल्द सजा दी जाए। मृतक के भाई ने पत्र में साफ लिखा है कि परिवार सुलह या मध्यस्थता के लिए बिल्कुल तैयार नहीं है। दरअसल केरल निवासी निमिषा प्रिया 2017 के मामले में फांसी की सजा का सामना कर रही हैं जिसमें उन्होंने गलती से एक यमनी नागरिक तलाल अब्दो महदी की हत्या कर दी थी। महदी के भाई अब्दुल फत्तेह अब्दो महदी ने यमन के अटॉर्नी जनरल और जज अब्दुल सलाम अल-हूती के नाम एक पत्र लिखकर सोशल मीडिया पर साझा किया है। पत्र में मृतक के भाई ने लिखा कि उनका परिवार चाहता है, निमिषा प्रिया को फांसी दी जाए। मूल रूप से अरबी भाषा में लिखे पत्र में महदी के भाई ने लिखा है, 16 जुलाई को फांसी की सजा स्थगित करने के बाद आधे महीने से ज्यादा समय हो चुका है और फांसी की सजा की नई तारीख तय नहीं हुई है। हम पीड़िता के वारिस, बदले की सजा को लागू करने के अपने वैध अधिकार का पूरी तरह से पालन करते हैं और सुलह या मध्यस्थता के सभी कोशिशों से इंकार करते हैं। पत्र में महदी के भाई ने मांग की कि फांसी की सजा को लागू करे और फांसी की नई तारीख तय की जाए।

विदेश में नौकरी दिलाने और वीजा के नाम पर 1 करोड़ से अधिक की ठगी

गांधीनगर (एजेंसी)। गांधीनगर में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है जहाँ 10 लोगों से ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और कनाडा में परमानेंट रेजिडेंसी (पीआर) वीजा और नौकरी दिलाने के नाम पर 1 करोड़ से अधिक की ठगी की गई है। इस धोखाधड़ी का खुलासा फर्जी दस्तावेजों के द्वारा हुआ है। मामले में मुख्य आरोपी उर्जित कवि, अहमदाबाद का निवासी।

जब एयर इंडिया की फ्लाइट में टहलने लगे कॉक्रोच, यात्रियों ने की शिकायत

-कोलकाता एयरपोर्ट पर उतारकर की गई सफाई, मुंबई आ रही थी फ्लाइट

जम्म (एजेंसी)। मुंबई, (ईएमएस)। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को से मुंबई आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट में कॉक्रोच होने की यात्रियों ने शिकायत की कि उनकी सीटों के नीचे कॉक्रोच टहल रहे हैं। इसके बाद दोनों यात्रियों को दूसरी सीटों पर शिफ्ट किया गया। कोलकाता में जब फ्लाइट उतरा तो सीटों के नीचे सफाई की गई। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि कोलकाता होकर सैन फ्रांसिस्को से मुंबई जाने वाली फ्लाइट संख्या एआई180 में कॉक्रोच पाए गए थे जिसकी वजह से कुछ यात्रियों को असुविधा हुई। केबिन क्रू ने तुरंत यात्रियों के लिए दूसरी सीट की व्यवस्था की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एअर इंडिया ने कहा कि फ्लाइट ने फ्यूल भरने के लिए कोलकाता में लैंडिंग की। इसी दौरान ग्राउंड क्रू ने विमान की सफाई की। इसके बाद फ्लाइट मुंबई के लिए रवाना हुई। एयरलाइन ने कहा कि नियमित तौर पर साफ-सफाई के बावजूद ग्राउंड ऑपरेशन के दौरान कभी-कभी कॉक्रोच फ्लाइट में आ जाते हैं।

वहीं एक अन्य घटना में कोलकाता जा रहा एअर इंडिया एक्सप्रेस का विमान तकनीकी खराबी के कारण रविवार शाम बेंगलुरु वापस लौट आया था। जानकारी के मुताबिक एअरबस ए320 विमान द्वारा संचालित उड़ान आईएक्स2718 करीब दो घंटे से ज्यादा समय तक हवा में रही और इसके बाद वापस लौट गई। 'एअर इंडिया एक्सप्रेस' के एक प्रवक्ता ने सोमवार को बयान जारी कर कहा कि बेंगलुरु से उड़ा विमान तकनीकी खराबी के कारण हवाई अड्डे पर वापस लौट आया। विमान ने सुरक्षित लैंडिंग से पहले ईंधन और वजन कम करने के लिए हवा में चक्कर लगा रहा। यात्रियों को कोलकाता ले जाने के लिए दूसरे विमान की व्यवस्था की गई।

तेजस्वी यादव को नोटिस... बिफरे पप्पू यादव ने इलेक्शन कमीशन को संदिग्ध आयोग बता दिया

भाजपा के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया

पटना (एजेंसी)। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव को दो मतदाता पहचान पत्र मामले में चुनाव आयोग (ईसी) द्वारा नोटिस जारी करने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

सांसद पप्पू यादव ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इशारे पर काम कर रहा है और यह खुद संदिग्ध आयोग बन गया है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग अलादीन का चिराग नहीं है। उनका यह बयान तब आया जब आयोग ने तेजस्वी यादव को उनके ईपीआईसी (ईपीआईसी) कार्ड का विवरण मांगने के लिए नोटिस भेजा। सांसद यादव ने कहा कि भाजपा और मोदी जी भ्रम फैला रहे हैं। चुनाव आयोग अपने आप में एक संदिग्ध आयोग है। उन्होंने कहा है कि वे हर हाल में भाजपा के प्रवक्ता हैं।

दरअसल पटना में मौजूद निर्वाचन निबंधन अधिकारी ने तेजस्वी से उस ईपीआईसी कार्ड का विवरण देने को कहा था, जिसका जिक्र उन्होंने अपनी प्रेसवार्ता में किया था, ताकि मामले की गहन जांच हो सके। नोटिस में लिखा है कि तेजस्वी द्वारा प्रेसवार्ता में उल्लेखित ईपीआईसी नंबर आरएबी 2916120 आधिकारिक तौर पर जारी नहीं किया गया प्रतीत होता है। आयोग ने तेजस्वी से उल्लेखित ईपीआईसी कार्ड का विवरण (मूल प्रति सहित) उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है।

चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि तेजस्वी के मतदाता पहचान पत्र का वास्तविक ईपीआईसी नंबर आरएबी 0456228 है। आयोग ने बताया कि तेजस्वी का नाम मतदान केंद्र संख्या 204 (बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के पुस्तकालय भवन) के क्रमांक 416 पर दर्ज है। इसके बाद बिहार में सियासी आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरु हो गया। जहां पप्पू यादव ने चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए चुनाव आयोग की आलोचना कर आरोप लगाया कि भाजपा और चुनाव आयोग बिहार के लोगों के अधिकारों पर हमला कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस ही एकमात्र विकल्प है। जिस तरह से भाजपा और चुनाव आयोग ने पिछले दरवाजों से एसआईआर पर हमला किया है, उससे बिहार और बिहारियों के अधिकारों पर हमला हुआ है। उन्होंने बताया कि 10 अगस्त से राहुल गांधी और गठबंधन के नेता बिहार का दौरा करने वाले है।

बात दें कि यह विवाद तब शुरू हुआ जब तेजस्वी यादव ने दावा किया कि उनका नाम मतदाता सूची से गायब है और उनका मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबर बदल दिया गया है। इस दावे का खंडन करते हुए, चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि तेजस्वी का नाम मतदाता सूची के मसौदे में क्रमांक 416 पर शामिल है।

तेलंगाना ओबीसी आरक्षण विधेयक को लेकर भूख हड़ताल पर बैठी बीआरएस नेता के.कविता

हैदराबाद (एजेंसी)। हैदराबाद में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की एमएलसी के.कविता ने तेलंगाना में सरकारी नौकरियों, शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों (बीसी) के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण की तत्काल मंजूरी की मांग को लेकर सोमवार को 72 घंटे की भूख हड़ताल शुरू कर दी है। यह हड़ताल हैदराबाद के धरना चौक पर चल रही है। बीआरएस नेता कविता ने अपनी हड़ताल से पहले कांग्रेस और भाजपा दोनों पर तेलंगाना के ओबीसी के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि तेलंगाना ओबीसी आरक्षण विधेयक, जिसमें 42 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है, राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए लंबित है। इसके अतिरिक्त, राज्यपाल के स्तर पर एक अध्यादेश भी लंबित है। कविता ने मांग की है कि या विधेयक को तुरंत मंजूरी दी जाए या अध्यादेश को पारित किया जाए। उन्होंने कांग्रेस पर चुनाव के दौरान ओबीसी के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण का वादा पूरा न करने का आरोप लगाया। साथ ही, उन्होंने भाजपा की इस शर्त की आलोचना की कि वह तभी आरक्षण देगी जब इसमें मुसलमान शामिल न हों। कविता ने ज़ोर दिया कि कांग्रेस ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि राष्ट्रपति के पास भेजे गए 42 प्रतिशत आरक्षण विधेयक में मुसलमान शामिल हैं या नहीं। कविता के अनुसार, भूख हड़ताल का उद्देश्य इन राष्ट्रीय दलों के झूठ को उजागर करना और यह सुनिश्चित करना है कि हमें इन दोनों राष्ट्रीय दलों से किसी तरह की स्पष्टता मिले। यह भूख हड़ताल सोमवार सुबह 10 बजे से शुरू होकर 7 अगस्त को सुबह 10 बजे समाप्त होगी। उन्होंने बताया कि सरकार ने उन्हें विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी थी, जिसके बाद उन्हें उच्च न्यायालय का दरवाज़ा खटखटाना पड़ा।

खदान में काम कर रहे थे श्रमिक, चट्टान गिरने से 6 प्रवासी मजदूरों की मौत

-10 घायल, ओडिशा सीएम ने मृतकों के परिजन को सहायता राशि देने की घोषणा

बापटला (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के बापटला जिले में बल्लीकुरवा के पास सत्यकृष्ण ग्रेनाइट खदान में चट्टानों का एक बड़ा हिस्सा ढह जाने से कम से कम छह मजदूरों की मौत हो गई और 10 घायल हो गए। यह हादसा तब हुआ जब एक चट्टान का हिस्सा ढह गया।

पुलिस के मुताबिक हादसा रविवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे उस समय हुआ जब 10 से 15 मजदूर खदान में काम कर रहे थे। ओडिशा के सीएमए मोहन चरण माझी ने हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजन को चार-चार लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की है।

मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि सभी पीड़ित ओडिशा के रहने वाले हैं। संदेह है कि पानी रिसाव के कारण चट्टान खिसकी और हादसा हुआ है। घटनास्थल पर कोई विस्फोट या भूकंपीय गतिविधि नहीं थी। फॉरेंसिक टीम जांच में जुटी है। हादसे के बाद तुरंत बचाव कार्य शुरू कर दिया गया जिसमें खनन विभाग के अधिकारी भी पुलिस के साथ थे।

ओडिशा सीएमओ ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि सीएम मोहन चरण माझी ने आंध्र प्रदेश में हुए हादसे में गंजाम जिले के दंड बड़त्या, बनमाल चेहरा, भास्कर बिसोई, संतोष गौड़ और गजपति जिले के ताकुमा दलाई, मूसा जान की मौत पर शोक व्यक्त किया है। सीएमओ ने बताया कि मुख्यमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिजन को चार-चार लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि शवों को ओडिशा लाने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। इस बीच आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने हादसे पर शोक जताया। नायडू ने कहा कि मैंने अधिकारियों से बात की है और उन्हें घायलों को सर्वोत्तम उपचार देने और हादसे के कारणों की जांच के निर्देश दिए हैं। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी प्रमुख वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने भी हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह अत्यंत हृदयविदारक घटना है। ये मजदूर अपने परिवारों के लिए मेहनत करते हुए जान गंवा बैठे।÷ रेड्डी ने सरकार से घायलों को समुचित चिकित्सा सुविधा देने और मृतकों के परिजनों को त्वरित सहायता प्रदान करने की अपील की।

ओडिशा सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि हादसे में कम से कम आठ ओडिया मजदूर घायल हुए हैं और उन्हें आंध्र प्रदेश के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि जब हादसा हुआ उस वक्त खदान में कम से कम 16 मजदूर काम कर रहे थे। ओडिशा के उपमुख्यमंत्री कनक वर्धन सिंह देव ने भी हादसे में मजदूरों की मौत पर शोक जताया है।

भारत से इजराइल खरीद रहा गाइडेड एडवांस्ड टैक्टिकल रॉकेट

-रेंज 10 किमी और 100 किमी/घंटा की रफ्तायर से लक्ष्यों को भेदने में सक्षम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय डिफेंस सेक्टर की बड़ी कंपनी एनआईबीई लि ने हाल ही में इजराइल की रक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी एल्बिट सिस्टम से 70 मिमी क्लास की हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइल गाइडेड एडवांस्ड टैक्टिकल रॉकेट का सौदा किया है। शनिवार को इस सौदे की घोषणा की गई। 6.12 करोड़ रुपए की लागत से इसे सितंबर 2026 तक पूरा किया जाएगा। यह सौदा भारत की 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पहल का हिस्?सा है, जिसके तहत स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को बढ़ाया जा रहा है। अब मन में सवाल उठता है कि गाटर मिलाइल क्या है, जो इजराइल भारत से खरीदा रहा है?

गाटर एक कॉस्ट-इफेक्टिव हाई प्रीसीजन (सटीकता) वाला रॉकेट है, जिसे मध्यम दूरी के टैक्टिकल हवाई अभियानों के लिए डिज़ाइन किया है। इसकी रेंज 10 किमी तक है और यह 100 किमी/घंटा तक की गति से चल रहे लक्ष्यों को भेद सकता है। गाटर में अत्याधुनिक सेमी-एक्टिव लेजर गाइडेंस सिस्टम है, जो इसे बेजोड़ सटीकता प्रदान करता है। यह 16 किलोग्राम का वारहेड ले जा सकता है, जो 200 मिमी तक प्रबलित कंक्रीट को भेदने में सक्षम है। यह रॉकेट एएच-64 अपाचे और एचएएल रुद्र जैसे कई हमलावर हेलीकॉप्टरों के साथ इंटीग्रेट यानी लोड हो सकता है। इजराइल को भारत से गाटर रॉकेट चाहिए, क्योंकि यह लागत प्रभावी और सटीक है। इसकी 10 किमी रेंज और लेजर गाइडेंस इसे शहरी युद्ध के लिए आदर्श बनाता है। एनआईबीई पुणे में स्थित रक्षा टेक्नोलॉजी क्षेत्र में इनोवेशन, स्वदेशीकरण और वैश्विक सहयोग पर केंद्रित है। यह कंपनी उन्नत रक्षा प्रणालियों के डिज़ाइन, निर्माण और इंटीग्रेशन में माहिर है। एल्बिट सिस्टम के साथ यह साझेदारी भारत में उच्च तकनीक वाले रक्षा उपकरणों के निर्माण की दिशा में एक कदम है।

एनआईबीई इस ऑर्डर के तहत गाटर के पुर्जों का निर्माण और आपूर्ति करेगा, जिससे भारतीय सशस्त्र बलों और वैश्विक सहयोगियों के लिए मिशन की सफलता और परिचालन सुरक्षा में वृद्धि होगी। यह सौदा भारत की रक्षा निर्यात क्षमता को दर्शाता है। एनआईबीई की यह उपलब्धि भारत को वैश्विक रक्षा बाजार में एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करती है। यह साझेदारी तकनीकी उन्नति और रोजगार सृजन को बढ़ावा देगी, खासकर पुणे के विनिर्माण क्षेत्र में। यह भारत-इजराइल रक्षा सहयोग को भी मजबूत करता है, जो हाल के ऑपरेशन सिंदूर के बाद और प्रासंगिक है।

भारी बारिश का कहर-यूपी के 17 जिलों में बाढ़, बिहार में बिजली गिरने से 6 की मौत, अब तक 275 की गई जान

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश के कई हिस्सों में जारी भारी बारिश ने सामान्य जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में हालात गंभीर बने हुए हैं, जबकि देशभर में मानसून इस बार सामान्य से 4प्रतिशत अधिक सक्रिय रहा है।

उत्तर प्रदेश के 17 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। लखनऊ, अयोध्या और अंबेडकरनगर में स्कूलों को बंद कर दिया गया है। बीते 24 घंटे में प्रदेश में बारिश संबंधी घटनाओं में 12 लोगों की जान चली गई है।

वाराणसी और प्रयागराज में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। वाराणसी के 84 घाट जलमग्न हो गए हैं और एक लाख से अधिक घरों में पानी भर गया। प्रयागराज की सड़कों पर नावों का संचालन शुरू कर दिया गया है, और हजारों लोग अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर शरण ले चुके हैं। बताया जा रहा है कि 1978 के हालात न बनने पाएं इसलिए सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं।

मध्य प्रदेश में भी बारिश का कहर जारी है। बताया जा रहा है कि 16 जून को मानसून की शुरुआत के बाद से अब तक 275 लोगों की मौत बारिश और बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में हो चुकी है। कई नदियां और नाले उफान पर हैं।

बिहार में भी हालात चिंताजनक बने हुए हैं। बीते 24 घंटे में बिजली गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई है। पटना समेत सभी 38 जिलों में सोमवार को बारिश और वज्रपात को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने 30-40 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाओं और बिजली गिरने की आशंका जताई है।

जानकारी अनुसार वर्ष 2025 में अब तक देशभर में सामान्य से 4.1 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई है। जून में 9प्रतिशत अधिक और जुलाई में 5प्रतिशत अधिक वर्षा हुई। यह स्थिति 2013 के बाद पहली बार देखने को मिली है, जब मानसून के शुरुआती दो महीनों में लगातार सामान्य से अधिक वर्षा हुई है। भारी बारिश को देखते हुए प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीमें राहत कार्यों में जुटी हुई हैं। प्रभावित इलाकों में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पुलिस बल की मदद से राहत व बचाव अभियान जारी है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)